page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/27/2025 1:35 AM Page 1

3 जे एंड के कल्चरल एकेडमी ने 'संविधान दिवस' मनाया

5 भारत की शर्मनाक हार पर सामने आया मुख्य कोच गौतम गंभीर का ब्यान

8 कृषि कार्य में उपयोगी आधुनिक विधियाँ

न्यूनतम 9

मौसम जम्मू

अधिकतम 21

epaper.dehatsandesh.com

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-290 | जम्मू तवी, वीरवार 27 नवम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

आर्टिकल 370 हटाने से जेएंडके पूरी तरह से भारत के साथ जुड़ गया: राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 26 नवंबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि 2019 में आर्टिकल 370 हटाने से जम्मू-कश्मीर का बाकी भारत के साथ राजनीतिक और एडमिनिस्ट्रेटिव जुड़ाव आसान हुआ।

राष्ट्रपति ने संविधान सदन में 75वें संविधान दिवस समारोह को लीड किया, जो भारत के संविधान को अपनाने की 76वीं सालगिरह पर था। समारोह के दौरान, उन्होंने नौ और भारतीय भाषाओं में संविधान के डिजिटल वर्शन लॉन्च किए, जिसमें पहला कश्मीरी और बोडो एडिशन भी शामिल है।

उन्होंने कहा, संविधान भारत के शासन की नींव है, जो बराबरी, आज़ादी और सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय देता है। 26 नवंबर, 1949 को इसे अपनाने से नागरिकों के अधिकारों

"कहा कि इससे नागरिकों को सरकारी नौकरियों, प्रॉपर्टी के अधिकार, सोशल वेलफेयर स्कीम तक पहुंच मिली

को बनाए रखने और सामूहिक और व्यक्तिगत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक फ्रेमवर्क बना। मुर्मू ने कहा कि पिछले दस सालों में, पार्लियामेंट ने ऐसे कानून बनाए हैं जो सबको साथ लेकर चलने वाले विकास को बढ़ावा देते हैं, आर्थिक रूप से कमज़ोर तबकों को रिज़र्वेशन देते हैं, और अलग-अलग कानूनों के ज़रिए सोशल जस्टिस को बढ़ावा देते हैं।

उन्होंने कहा, हमारे संविधान बनाने वाले चाहते थे कि हमारे पर्सनल, डेमोक्रेटिक अधिकारों की हमेशा रक्षा हो। संविधान कॉलोनियल सोच को छोड़ने और राष्ट्रवादी सोच अपनाने के लिए एक गाइड करने वाला डॉक्यूमेंट है।

जम्मू और कश्मीर में सुधारों का ज़िक्र करते हुए, प्रेसिडेंट ने कहा कि आर्टिकल 370 हटने से, नागरिकों को सरकारी नौकरियों, प्रॉपर्टी के अधिकारों और सोशल वेलफेयर स्कीमों तक पहुँच मिली, जिन पर पहले रोक थी।

उन्होंने कहा, इन कदमों ने उन रुकावटों को दूर किया जो टैलेंटेड और पढ़े-लिखे लोगों को एडमिनिस्ट्रेशन में आने से रोकती थीं। नौ क्षेत्रीय भाषाओं में संविधान को डिजिटल तरीके से जारी करने को भी लोगों की पहुँच और जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक कदम के तौर पर हाईलाइट किया गया।

वाइस प्रेसिडेंट सी.पी. राधाकृष्णन ने संविधान बनाने वालों को श्रद्धांजलि दी, और कहा कि उनका काम लाखों भारतीयों की उम्मीदों और आकांक्षाओं को दिखाता है। उन्होंने कहा कि भारत का पार्लियामेंट्री सिस्टम समय के साथ मज़बूत हुआ है, और ग्लोबल डेमोक्रेसी की तुलना करने वाली स्टडीज़ भारत की उपलब्धियों को पहचानती हैं।लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि तरक्की पक्की करने के लिए नागरिकों को संवैधानिक मूल्यों को एक्टिवली लागू करना चाहिए। उन्होंने कहा, न्याय, समान अवसर और इंसानी गरिमा जैसे सिद्धांत भारत के डेमोक्रेटिक कैरेक्टर का मूल हैं।

मेरा मिशन भेदभाव खत्म करना और टेरर इकोसिस्टम को खत्म करना: उपराज्यपाल सिन्हा

76 सालों से संविधान बराबरी, आज़ादी और सामाजिक न्याय की एक मिसाल रहा है-उपराज्यपाल

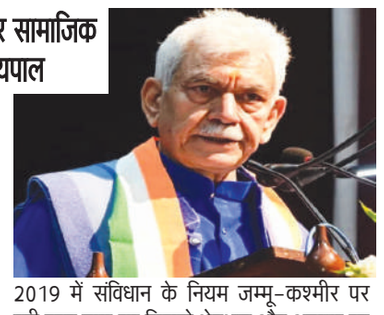

जम्मू, 26 नवंबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि 76 सालों से संविधान बराबरी, आज़ादी और सामाजिक न्याय की एक मिसाल रहा है और इस महान देश के नागरिकों के लिए एक मार्गदर्शक रहा है।

उपराज्यपाल जम्मू में संविधान दिवस समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने 'संविधान की प्रस्तावना' पढ़ी और भारत के संविधान के संस्थापकों और आर्किटेक्ट को श्रद्धांजलि दी। अपने भाषण में उपराज्यपाल ने पॉलिसी बनाने वालों, अधिकारियों से संविधान के मूल्यों को बनाए रखने और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने और उन्हें बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध रहने को कहा।

उपराज्यपाल ने कहा कि हमारा संविधान पूजनीय है जिसने भारत की तरक्की का रास्ता बनाया है। हमें देश की एकता और अखंडता को बनाए रखना है। हमें समाज में आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान की भावना पैदा करनी होगी और भारत को ताकतवर और आत्मनिर्भर बनाने के लिए हर तरीके और रिसोर्स का इस्तेमाल करना होगा। उन्होंने कहा कि 67 साल के लंबे इंतज़ार के बाद 2019 में संविधान के नियम जम्मू-कश्मीर पर पूरी तरह लागू हुए जिससे भेदभाव और अन्याय का राज खत्म हुआ।

उन्होंने कहा कि अब जम्मू-कश्मीर बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर द्वारा संविधान में दिए गए बराबरी, सामाजिक और आर्थिक न्याय के आदर्शों पर आगे बढ़ रहा है। उपराज्यपाल ने कहा कि पहले दिन से ही जम्मू-कश्मीर में उनका मिशन हमारे नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाना, भेदभाव और अन्याय को मिटाना, आतंक के पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करना और यह सुनिश्चित करना था कि केंद्रीय योजनाओं का लाभ समाज के सबसे निचले तबके तक पहुंचे।

जो लोग कहते हैं कि पिछले 5 वर्षों में क्या हासिल हुआ। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि अलगाववादियों को पुरस्कृत करने और देशभक्तों को प्रताड़ित करने की प्रथा पूरी तरह से बंद हो गई है। उपराज्यपाल ने कहा कि संविधान के सभी प्रावधानों को लागू करके माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जम्मू-कश्मीर के प्रत्येक भाई-बहनों के लिए सम्मान, गौरव और प्रतिष्ठा सुनिश्चित की है।

उपराज्यपाल ने संविधान दिवस पर लोगों को शुभकामनाएं दी

श्रीनगर, 26 नवंबर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने संविधान दिवस पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और संविधान में दिए गए न्याय, समानता और सम्मान के मूल्यों को बनाए रखने के वादे पर ज़ोर दिया। एक्स पर एक पोस्ट में उपराज्यपाल ने कहा कि संविधान दिवस पर सभी को शुभकामनाएं। हम अपने संविधान के दूर की सोचने वाले लोगों को सलाम करते हैं जिनके आदर्श हमारे देश को रास्ता दिखते करते हैं। आइए, अपने संविधान में दिए गए न्याय और समानता के मूल्यों को बनाए रखने के अपने वादे को फिर से पक्का करें और विकसित भारत का रास्ता बनाने के लिए एक साथ आएं।

संक्षेप खबर

कुख्यात आपराधी पर पीएसए के तहत मामला दर्ज, उधमपुर जेल में भेजा

कठुआ, 26 नवंबर। एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा आईपीएस के समग्र पर्यवेक्षण में कठुआ पुलिस ने विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में शामिल एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया और उसके खिलाफ जन सुरक्षा अधिनियम 1978 (पीएसए) के तहत मामला दर्ज किया।

जनकारी के अनुसार डीएसपी मुख्यालय कठुआ रविंदर सिंह के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी कठुआ संदीप चिब के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शम्मी कुमार पुत्र बलदेव राज निवासी गाँव बुद्धि जिला कठुआ नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जो पिछले कुछ वर्षों से विभिन्न अवैध गतिविधियों में शामिल एक आदतन अपराधी है।

उसके खिलाफ विभिन्न मामले दर्ज है। जिले में अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए, आरोपी व्यक्ति के खिलाफ एक डोजियर तैयार किया गया और उसे जन सुरक्षा

अधिनियम-1978 के तहत हिरासत में लेने के लिए जिला मजिस्ट्रेट कठुआ को भेजा गया। तदनुसार, जिला मजिस्ट्रेट कठुआ ने आरोपी व्यक्ति के खिलाफ जन सुरक्षा अधिनियम, 1978 के तहत हिरासत वारंट जारी किया। इसके बाद शम्मी कुमार पुत्र बलदेव राज निवासी बुद्धि कठुआ के खिलाफ वारंट आज तामील कर दिया गया और उसकी अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए उसे जिला जेल उधमपुर में बंद कर दिया गया।

अनंतनाग में पुलिस ने बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित सामान किया बरामद

अनंतनाग, 26 नवंबर। नशे के खतरे के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में अनंतनाग में पुलिस ने बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित सामान बरामद किया और पहलगाम पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में नशीली दवाओं की तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया। एक प्रवक्ता ने कहा कि पहलगाम पुलिस स्टेशन की पुलिस पार्टी जो गांव आवूरा में जनगणना ड्यूटी के लिए तैनात थी, एक डिपार्टमेंटल टाटा सूमो में आवूरा नाला की ओर जा रही थी जब उन्होंने एक संदिग्ध व्यक्ति को कई बोरियों से भरी लोहे की बनी सिंगल-टायर वाली ठेले को धक्का देते हुए देखा। पुलिस की गाड़ी को देखते ही अनजान आदमी ने ठेले को छोड़ दिया और पास के जंगल वाले इलाके में भाग गया। पुलिस टीम ने तुरंत छोड़ी हुई ठेले को अपने कब्जे में ले लिया और बोरियों की जांच की। जांच के दौरान बोरियों में आधी सूखी भांग की पत्तियां मिलीं जिनका कुल वजन 24.50 किलोग्राम था। इस संबंध में पहलगाम पुलिस स्टेशन में संबंधित धाराओं के तहत एफआई नंबर 76/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच शुरू की गई है। जांच के दौरान आरोपी की पहचान गुलाम नबी खटाना पुत्र अब्दुल रशीद निवासी नाला अवूरा के रूप में हुई जो अभी फरार है। आरोपी को पकड़ने की कोशिशें जारी हैं।

संविधान दिवस पर मोदी ने नागरिकों से अपने कर्तव्यों को सबसे पहले रखने पर पर ज़ोर दिया

नयी दिल्ली, 26 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को संविधान दिवस के मौके पर नागरिकों से अपील की कि वे अपने कर्तव्यों को सबसे पहले रखें क्योंकि भारत अब एक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है।श्री मोदी ने संविधान दिवस के अवसर पर देश के नागरिकों को पत्र लिखकर 1949 में संविधान को ऐतिहासिक रूप से अपनाए जाने का स्मरण करते हुए राष्ट्र की प्रगति में इसकी स्थायी भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में सरकार ने इस पवित्र दस्तावेज़ के सम्मान में 26 नवंबर को संविधान दिवस घोषित किया था।

श्री मोदी ने इस बात का उल्लेख किया कि कैसे संविधान ने साधारण पृष्ठभूमि के व्यक्तियों को उच्चतम स्तर पर राष्ट्र की सेवा करने के लिए सशक्त बनाया है और संसद तथा संविधान के प्रति अपने सम्मान के अनुभव साझा किए। उन्होंने वर्ष 2014 में संसद की सीढ़ियों पर झुकने और 2019 में सम्मान के प्रतीक के रूप में संविधान को अपने माथे पर धारण करने का स्मरण किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि संविधान ने असंख्य नागरिकों को सपने देखने और उन सपनों को साकार करने की शक्ति प्रदान की है।

प्रधानमंत्री ने संविधान सभा के सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर और कई प्रतिष्ठित महिला सदस्यों को याद किया, जिनकी दूरदर्शिता ने संविधान को समृद्ध बनाया। उन्होंने संविधान की 60वीं वर्षगांठ के दौरान गुजरात में आयोजित संविधान गौरव यात्रा तथा इसकी 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित संसद के विशेष सत्र और राष्ट्रव्यापी कार्यक्रमों जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का उल्लेख किया, जिनमें रिकॉर्ड जन भागीदारी देखी गई।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस वर्ष का संविधान दिवस विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सरदार वल्लभभाई पटेल और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती, वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ और श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत की वर्षगांठ के साथ मेल खाता है।

भारत ने राम मंदिर पर पाकिस्तान की टिप्पणी खारिज की, कहा दागदार रिकार्ड वालों को नैतिक उपदेश देने का हक नहीं

नयी दिल्ली 25 नवम्बर। भारत ने अयोध्या में राम मंदिर पर ध्वज स्थापना के बारे में पाकिस्तान की टिप्णी को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि पाकिस्तान का अल्पसंख्यकों के साथ बुरे बर्ताव का रिकार्ड जग जाहिर है और ऐसे में उसे भारत को नैतिक उपदेश देने का अधिकार नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को यहां मीडिया ब्रीफिंग में सवालों के जवाब में कहा , हमने पाकिस्तान की टिप्पणी देखी है और हम उसे उसी अवमानना के साथ खारिज करते हैं जिसके वे हकदार हैं। एक ऐसे देश के तौर पर जिसका अपने अल्पसंख्यकों के दमन, कट्टरता और व्यवस्थित बुरे बर्ताव का दागदार रिकार्ड है, पाकिस्तान

के पास दूसरों को उपदेश देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

प्रवक्ता ने कहा कि खोखले पाखंडी उपदेश देने के बजाए पाकिस्तान के लिए बेहतर होगा कि वह अपने अंदर झांके और अपने खराब मानवाधिकार रिकार्ड पर ध्यान दे। उन्होंने कहा कि जहां तक मानवाधिकार का सवाल है पाकिस्तान को अपनी गिरेबां में झांकना होगा क्योंकि दुनिया को पता है कि पाकिस्तान में मानवाधिकार का हनन हो रहा है।उल्लेखनीय है कि मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या स्थित राममंदिर पर ध्वज स्थापना की थी जिसके बाद पाकिस्तान ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि इससे भारत में अल्पसंख्यकों पर दबाव बढेगा।

भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए समय पर सिस्टम का मॉडर्नाइजेशन जरूरी : वित्त मंत्री

नई दिल्ली, 26 नवंबर। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार, भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए समय पर सिस्टम का मॉडर्नाइजेशन और प्रक्रियाओं को सरल बनाना होगा। वित्त मंत्री ने कहा कि आज का समय गवर्नेंस का है और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) के सिद्धांतों को गवर्नेंस को आसान और ट्रांसपेरेंट बनाने का काम करना चाहिए। साथ ही इन सिद्धांतों का फोकस फैसिलिटेशन पर होना चाहिए। वित्त मंत्री ने रीजनल डायरेक्टरेट और रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज की रिव्यू मीटिंग में कहा, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय को भविष्य-उन्मुख बनाना चाहिए ताकि स्टेकहोल्डर्स को टाइम-बाउंड तरीके से सर्विस दी जा सके।

शिक्षा में धार्मिक भेदभाव संविधान की भावना को कमज़ोर करता है: मुख्यमंत्री उमर

जम्मू ,26 नवंबर। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि संविधान दिवस को देश के संस्थापक दस्तावेज़ में दिए गए बराबरी और न्याय के मूल्यों को बनाए रखने के लिए रोज़ाना कमिटमेंट की प्रेरणा देनी चाहिए, साथ ही चेतावनी दी कि शिक्षा में बढ़ता धार्मिक भेदभाव संविधान की भावना को कमज़ोर करता है।

सीमावर्ती जिले पुंछ में जामिया ज़िया-उल-उलूम एजुकेशन इंस्टीट्यूट के गोल्डन जुबली प्रोग्राम में बोलते हुए, अब्दुल्ला ने कहा कि संविधान दिवस को सिर्फ़ एक सिंबॉलिक कार्यक्रम तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, आज, संविधान दिवस मनाया जा रहा है। संविधान दिवस का

मतलब यह नहीं है कि हम एक घंटे के लिए संविधान को याद करें। इसका मतलब यह है कि साल के हर दिन, हमें इसे ज़िंदा रखना चाहिए, उन्होंने कहा कि प्रस्तावना सभी धर्मों को बराबर का दर्जा देती है, हर नागरिक के लिए डेमोक्रेटिक अधिकार सुनिश्चित करती है और कानून के तहत सुरक्षा की गारंटी देती है। उन्होंने चिंता जताई कि देश में एक ऐसा ट्रेंड देखा जा रहा है जहाँ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन को भी कम्युनल नज़रिए से देखा जा रहा है। उन्होंने पूछा, आज एक मेडिकल कॉलेज में कहा जा रहा है कि मुसलमानों और गैर-हिंदुओं को यहां नहीं पढ़ना चाहिए। अगर हम मेरिट को किनारे करके धर्म के आधार पर फैसले लेने लगेंगे, तो संविधान कहां जाएगा?

वह श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस में एडमिशन की पहली लिस्ट को रद्द करने और भगवान में आस्था रखने वालों के लिए सीटें रिज़र्व करने की भाजपा की मांग का ज़िक्र कर रहे थे। यह विवाद दक्षिणपंथी हिंदू ग्रुप्स ने शुरू किया था, जिन्होंने 50 एमबीबीएस कैंडिडेट्स की पहली लिस्ट में 42 मुस्लिम स्टूडेंट्स के सिलेक्शन का विरोध किया था।

युवाओं को गुमराह करने की पाकिस्तान की कोशिशें नाकाम हो रही हैं; कश्मीर के बच्चे अब तरक्की, टेक्नोलॉजी और शांति चुन रहे हैं : गुलाम अली खटाना

जम्मू,26 नवंबर। सांसद (राज्यसभा) और सीनियर भाजपा नेता गुलाम अली खटाना ने कहा कि कश्मीर के युवाओं को गुमराह करने की पाकिस्तान की कोशिशें नाकाम हो रही हैं, क्योंकि घाटी के बच्चे अब तरक्की, टेक्नोलॉजी और शांति चुन रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हाल की पहलगाम की घटनाओं के बाद भी, पाकिस्तान युवाओं के दिमाग को खराब करने की अपनी कोशिशें जारी रखे हुए है, लेकिन कश्मीरी युवाओं ने अपनी समझदारी, जागरूकता और शिक्षा और विकास के प्रति अपने कमिटमेंट से उसे कड़ा जवाब दिया है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मूकश्मीर सैनिक स्कूल मानसबल में 'रोबोटिक्स एंड मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी' प्रोग्राम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, हमारे युवा पाकिस्तान के जाल में नहीं फंसेंगे। वे डिसिप्लिन्ड, इनोवेटिव हैं और एक शांतिपूर्ण और टेक्नोलॉजी से एडवांस्ड भविष्य बनाने के लिए पक्के इरादे वाले हैं। खटाना ने स्टूडेंट्स से मोबाइल और स्क्रीन टाइम कम करने की अपील की, और चेतावनी दी कि फोन का ज़्यादा इस्तेमाल डिसिप्लिन को कमजोर करता है, क्रिएटिविटी पर असर डालता है और उन्हें प्रोडक्टिव लर्निंग से भटकाता है। उन्होंने कैडेट्स को रोबोटिक्स, इनोवेशन, फिजिकल एक्टिविटीज़ और रियल-लाइफ स्किल-बिल्डिंग के लिए ज़्यादा समय देने और नुकसानदायक ऑनलाइन असर से दूर रहने के लिए हिम्मत दी।

केंद्र सरकार ने 2,781 करोड़ रुपए के मल्टीट्रैकिंग रेलवे प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी

नई दिल्ली, 26 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी ने बुधवार को 2,781 करोड़ रुपए के मल्टीट्रैकिंग रेलवे प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी। इन रेलवे प्रोजेक्ट्स की लंबाई 224 किलोमीटर होगी और यह महाराष्ट्र एवं गुजरात के चार जिलों में फैले होंगे। कैबिनेट कमेटी ने कहा कि इन दो प्रोजेक्ट्स में देवभूमि द्वारका ओखा-कनालूस लाइन के 141 किलोमीटर लंबे हिस्से का दोहरीकरण और बदलापुर-कर्जत तीसरी और चौथी लाइन के 32 किलोमीटर लंबे हिस्से का दोहरीकरण शामिल है। कनालुस से ओखा देवभूमि द्वारका तक मंजूर दोहरीकरण से द्वारकाधीश मंदिर तक बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी, जिससे मुख्य तीर्थस्थल तक पहुंच आसान होगी और सौराष्ट्र इलाके के विकास में मदद मिलेगी। वहीं, बदलापुर-कर्जत सेक्शन मुंबई सबअर्बन कॉरिडोर का हिस्सा है, इसलिए तीसरी और चौथी लाइन का प्रोजेक्ट मुंबई सबअर्बन इलाके में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा और यात्रियों की भीड़ को कम करने में मदद करेगा, साथ ही दक्षिणी भारत से भी कनेक्टिविटी देगा। यह मार्ग कोयला, नमक, कंटेनर, सीमेंट, पीओएल जैसी आवश्यक वस्तुओं के परिवहन के लिए एक महत्वपूर्ण रूट है। क्षमता बढ़ाने के इन कार्यों से रेलवे पर अतिरिक्त 18 एमटीपीए मिलियन टन प्रति वर्ष की माल ढुलाई होगी। मंजूर मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट से लगभग 585 गांवों तक कनेक्टिविटी बेहतर होगी, जिनकी आबादी लगभग 32 लाख है। रेलवे परिवहन का एक पर्यावरण-अनुकूल और ऊर्जा-कुशल साधन होने के कारण, देश के जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने, दोनों में मदद करेगा।

उधमपुर पुलिस ने ड्रग तस्कर तारिक हुसैन से जुड़े एक घर को किया अटैच

उधमपुर, 26 नवंबर। नारकोटिक्स सिंडिकेट पर अपनी पकड़ मजबूत करते हुए उधमपुर पुलिस ने ड्रग तस्कर तारिक हुसैन से जुड़े एक घर को अटैच किया है जो इस साल एनडीपीएस एक्ट के तहत एक और बड़ी कार्रवाई है।

पुलिस प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि पुलिस स्टेशन रहंबल में दर्ज केस नंबर 135/2025 यू/एस 8/21/22 एनडीपीएस एक्ट की जांच के दौरान यह पाया गया कि तारिक हुसैन पुत्र शाह मोहम्मद निवासी चक जिला उधमपुर एक कुख्यात ड्रग तस्कर है जो एक अचल संपत्ति चक, उधमपुर में खसरा नंबर 1624/1625 जमीन पर बने एक घर से जुड़ा है। इकट्ठा किए गए सबूतों के आधार पर जांच अधिकारी के पास यह मानने के सही आधार थे कि यह संपत्ति नार्को ट्रेड से हुई कमाई से जुटाई गई थी। इसलिए कानूनी आदेश का पालन करते हुए संपत्ति को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए एनडीपीएस एक्ट के सेक्शन 68(एफ) के तहत अटैच कर दिया गया है।अटैच की गई संपत्ति की कीमत 70 लाख है जो अब उधमपुर पुलिस की नारकोटिक्स अपराधियों के खिलाफ तेज कार्रवाई के तहत अटैच की गई है।बयान में कहा गया है कि उधमपुर पुलिस की इस साल की एनडीपीएस संपत्ति अटैचमेंट की संख्या अब 12.70 करोड़ तक पहुंच गई है जो ड्रग पेडलर्स के खिलाफ उसकी लगातार कार्रवाई को दिखाता है।

भारत-वेनेजुएला के बीच 5वां विदेश कार्यालय परामर्श का आयोजन, व्यापार, स्वास्थ्य समेत कई मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, 26 नवंबर। भारत-वेनेजुएला विदेश कार्यालय परामर्श बुधवार को आयोजित किया गया। विदेश मंत्रालय की तरफ से इसकी जानकारी दी गई है। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में बताया गया कि पांचवां भारत-वेनेजुएला विदेश कार्यालय परामर्श एफओसी आज आयोजित हुआ। इसकी सह-अध्यक्षता भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के सचिव पूर्व पी. कुमारन और बोलीवियाई गणराज्य वेनेजुएला की विदेश उप-मंत्री तातियाना जोसेफिना पुघ मोरेनो ने की। इस दौरान दोनों पक्षों ने व्यापार, स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल्स, डिजिटल प्रौद्योगिकी, कृषि, विकास साझेदारी, संस्कृति और लोगों के बीच आदान-प्रदान सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को

मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने पारस्परिक हित के बहुपक्षीय मंचों में सहयोग बढ़ाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की। इसके साथ ही दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और भारत-वेनेजुएला साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए बहुपक्षीय मंचों पर घनिष्ठ समन्वय पर सहमति व्यक्त की। एफओसी के अगले दौर का आयोजन पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि पर वेनेजुएला की राजधानी कराकस में करने पर सहमति हुई है। इस दौरान दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा भी की गई। भारत और वेनेजुएला के बीच संबंध सौहार्दपूर्ण हैं। दोनों देश प्रमुख अंतरराष्ट्रीय, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर समान विचार रखते हैं। दोनों देशों ने 2024 में अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना की 65वीं वर्षगांठ मनाई थी।

जिराफ की तरह होती हैं गेरेनक की गर्दन

'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' के देशों व अफ्रीकन ग्रेट लेक्स में पाया जाने वाला गेरेनक एक ऐसा हिरन है, जो अपनी पतली और लंबी गरदन और छरहरे शरीर के कारण 'जिराफ हिरन' के नाम से जाना जाता है। जब यह किसी पेड़ से सटकर पिछले दो पैरों पर खड़ा होकर उसकी पत्तियां खाता है, तो जिराफ की याद आ जाती है। इसकी लंबाई105 सेंटीमीटर और वजन 52 किलोग्राम तक हो सकती है।

समंदर में डूब रहे हैं दुनिया के ये बड़े शहर

जलवायु परिवर्तन की वजह से पूरी दुनिया में समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है. यही वजह है कि अब समुद्र के बढ़ते जलस्तर की वजह से कई शहरों के अस्तित्व पर ही खतरा मंडराने लगा है. कुछ ऐसे शहर हैं जो अब डूबने की कगार पर पहुंच गए हैं. समुद्र तटीय शहरों में बसे लोगों को इस खतरे का सबसे ज्यादा सामाना करना पड़ रहा है. जलवायु परिवर्तन पर प्रकाशित किए गए अध्ययन में इसका दावा किया गया है. अध्ययन में कहा गया है कि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की वजह से पृथ्वी पर मौजूद बर्फ तेजी से पिघल रही है जिससे पूरी दुनिया में समुद्र का स्तर बढ़ता जा रहा है. यही वजह है कि समुद्र के पानी का विस्तार हो रहा है. परिणाम स्वरूप न्यू ऑरलियन्स और जकार्ता जैसे शहरों में समुद्र के स्तर में बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है. पानी के बढ़ने के साथ ही इन तटीय शहरों की जमीन डूब रही है.

शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने अपने अध्ययन में पाया कि समुद्र के बढ़ते स्तर की वजह से डूबती हुई भूमि ने दुनिया भर के तटीय निवासियों को असुरक्षित बना दिया है. इन तटीय **शहरों में वैश्विक स्तर के मुकाबले समुद्र तट के जल स्तर में वृद्धि तीन** से चार गुणा ज्यादा है.

यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के टिंडाल सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज के अध्ययन के नेतृत्वकर्ता और स्टटी के लेखक रॉबर्ट निकोल्स ने कहा कि हम **कोई पूर्वानुमान नहीं बता रहे हैं बल्कि हम जो हो रहा है उसके बारे में बात कर रहे हैं. यह बेहद महत्वपूर्ण और चिंताजनक विषय है. शोध में** सिल्वर लाइनिंग का जिक्र करते हुए बताया गया कि जिस तरह मानव गतिविधि की **वजह से धरती के एक बड़े** हिस्से से **भूजल गायब होता जा रहा.** तटीय **इलाकों में मानवीय गतिविधि** की वजह **से समुद्र से सटे इलाकों के** डूबने का खतरा पैदा हो गया है.

रिसर्च में कहा गया है कि तटीय भूमि के लगातार कम होने के कुछ कारक मानव नियंत्रण से परे हैं. पृथ्वी के कुछ हिस्सों में अभी भी ग्लेशियरों के लुप्त होने से होने वाली समस्या को प्रकृति अपने तरीके से समायोजित कर रही है. लेकिन उन प्राकृतिक प्रक्रियाओं के अलावा, भूजल निकासी, तेल और गैस **निकासी, रेत खनन, और नदियों के आसपास बाढ़ अवरोधों के निर्माण** (बांध) सहित मानव गतिविधियां जमीन **डूबने का कारण बन सकती हैं.** उन **स्थानों पर जहां लोग केंद्रित हैं,** ये गतिविधियां, विशेष रूप से भूजल को खत्म करने, भूमि को और अधिक तेजी **से कम करने का कारण बनती है,** जो अकेले भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से होती है. 20 वीं शताब्दी में, जकार्ता, न्यू ऑरलियन्स, शंघाई और बैंकाक के **तटीय जमीन छह से 10 फीट** तक पानी में डूब गए. सैटेलाइट के जरिए इन इलाकों की पैमाइश के अध्ययन से निष्कर्ष निकला कि समुद्री स्तर में वृद्धि प्रति वर्ष लगभग 33 मिलीमीटर (एक **इंच के लगभग आठवें हिस्से**) हो रही है. **शोधकर्ता निकोलस और उनके** सहयोगियों ने पाया कि औसतन, पृथ्वी की तटरेखाओं ने वास्तव में 1993 से **2015 के बीच लगभग 26** मिलीमीटर **प्रति वर्ष (0.1 इंच) की तुलना** में थोड़े **कम सापेक्ष लिफ्ट का अनुभव किया है, क्योंकि ग्लेशियल रिबाउंड के** कारण भूमि अभी भी बढ़ रही है. लेकिन ऐसा वहां नहीं हो रहा जहां अधिकांश लोग **रहते हैं. इसी अवधि में, पृथ्वी** के तटीय निवासियों ने समुद्र जल स्तर में औसतन 78 से 9 मिलीमीटर सालाना **(लगभग आधा इंच) की वृद्धि** देखी है. **शोध के मुताबिक यह इस** तथ्य को **दर्शाता है कि तटीय निवासी** तेजी से **डूबने वाले क्षेत्रों पर आश्रित** हैं जिसमें डूबते हुए **डेल्टा और डूबते हुए शहर शामिल हैं. समस्या विशेष रूप से दक्षिण** पूर्व एशिया में है, जहां 2015 में, 185 मिलियन लोग तटीय बाढ़ के मैदानों में **रहते थे. तटीय इलाकों में रहने** वाली **लोगों की वैश्विक संख्या के** 75 फीसदी **लोग इन इलाकों में रहते हैं. ऐसे** लोग नदी **की बाढ़ और समुद्र के स्तर** में वृद्धि दोनों **के खतरों का सामना कर रहे हैं.**

क्लाइमेट सेंट्रल नाम के प्रोजेक्ट ने ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से बढ़ते खतरों पर एक रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट में हैरान कर देने वाली बात कही गयी है। रिपोर्ट के मुताबिक समुद्री जलस्तर और बाढ़ की वजह से अगले 9 सालों में दुनिया के ये शहर डूब सकते हैं। सिर्फ यही नहीं इस सूची में भारत के कोलकाता शहर का भी नाम शामिल है। चलिए जानते है कि इस रिपोर्ट में किन शहरों के डूबने का खतरा बताया जा रहा है.

बांग देने वाला पक्षी मुर्गा

बच्चो, पहले मुर्गी हुई या अंडा की पहेली तो आप लोग बाद में कभी हल करना, लेकिन आज हम आप को बांग देने वाला पक्षी मुर्गा के बारे में बता रहे हैं। सुबह-सुबह अपने कूंकूडू कूं से सबको जगाने वाला मुर्गा एक ऐसा पक्षी है, जो हमारी संस्कृति में रचा-बसा हुआ है। कहा जाता है कि मुर्गे की उत्पत्ति भारत भूमि पर हुई और यहां से ही पूरी दुनिया में मुर्गे को इंसान ले गया।

आज मुर्गे की जितनी भी नस्लें सारे संसार में हैं, वे सब लाल जंगली मुर्गे गैलस की वंशज हैं। यह अलग बात है कि आज लाल जंगली मुर्गा विलुप्त होने के कगार पर है। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार मुर्गे और **मानव जीवन में काफी समानताएं हैं।** मानव और मुर्गे के जीनोम में से 50 फीसदी जीन आपस में मिलते हैं। मुर्गे को पालतू बनाने के कारणों में से प्रमुख है इनकी दिलचस्प लड़ाई। ऐसा माना जाता है कि मुर्गा काफी साहसी होता है। इस साहसी गुण के कारण ही इसको पालतू बनाया गया। इंसान में बहादुरी के कोई 20 लक्षणों की यदि लिस्ट बनाई जाए तो उसमें से **चार गुण मुर्गे से जरूर मिल जाएंगे।**

जब मुर्गे को पालतू बनाया गया तो इसके **बारे में** काफी कुछ लिखा गया। एक ऐसा **पक्षी जिसके माथे पर** चटक **लाल रंग** की **कलगी** और शरीर खूबसूरत लाल-काले, हरे, किंतु चमकदार पंखों से ढंका हुआ होता है। जब वह मिस्र के राज दरबार में पहली दफा पहुंचा तो उसे देखने वालों की खासी भीड़ जुटी। ऐसा माना जाता है कि लाल जंगली मुर्गे को सबसे पहले मोहनजोदड़ो और हड़प्पा में 2500-2100 ईसा पूर्व पालतू बनाया। इस दौर के बनाए चित्रों में मुर्गा दिखाई देता है। यहां अनेक मिट्टी के खिलौनों में भी नर और **मादा मुर्गे को दिखाया गया है।**

बिना सांस लिए भी जिंदा रहता है यह जीव

सांस लिए बिना कोई भी जीव-जंतु या इंसान की जिंदा रहना बेहद ही मुश्किल है। इस बात को हम सभी जानते हैं कि सांस के माध्यम से बिना **ऑक्सीजन गैस लिए कोई जिंदा** नहीं **रह सकता है। लेकिन हाल ही में वैज्ञानिकों को एक ऐसा रहस्यमयी जीव (परजीवी) मिला है, जो बिना सांस लिए भी धरती पर जिंदा है।** यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसके अंदर ये अनोखी विशेषता है। बता दें **कि जेलीफिश की तरह दिखने** वाले इस बहुकोशिकीय परजीवी में **माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम नहीं है। किसी भी जीव को सांस लेने के** लिए **माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम बेहद ही जरूरी होता है। इन्हीं वजहों से** इस परजीवी को जिंदा रहने के लिए **ऑक्सीजन की जरूरत नहीं पड़ती। इजरायल की तेल-अवीव यूनिवर्सिटी** के शोधकर्ताओं की टीम ने इस **अद्भुत और रहस्यमय परजीवी** की खोज की है। शोधकर्ताओं के **मुताबिक, यह परजीवी मछलियों से** ऊर्जा प्राप्त करता है। लेकिन इस दौरान वो उन्हें किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। खास बात ये है कि मछलियां भी इस परजीवी को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। ये परजीवी **सालमन फिश में पाए जाते हैं और ये तब तक जिंदा रहते हैं, जब** तक कि **मछली जिंदा रहती है। इस जी**व का वैज्ञानिक नाम हेन्नीगुया साल्मिनीकोला है। शोध के प्रमुख डयाना याहलोमी ने बताया कि यह जीव इंसानों या दूसरे जीवों के लिए बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। हालांकि, यह अब तक रहस्य ही बना हुआ है कि आखिर इस तरह का जीव पृथ्वी पर विकसित कैसे हुआ, जो **बिना ऑक्सीजन के भी जिंदा** रह **सकता है। शोध के दौरान वैज्ञानिकों** ने इस परजीवी को फ्लोरेसेंस **माइक्रोस्कोप से देखा, जिसमें उन्हें** माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नहीं दिखा। इसके बाद यह स्थिति साफ हो गई कि यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसे जीने के लिए सांस लेना जरूरी नहीं है। **हालांकि, साल 2010 में भी इटली के शोधकर्ताओं को इसी तरह का** एक जीव मिला था, जिसमें साफतौर पर **माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नहीं दिखा** था। उसकी ऊर्जा का स्रोत हाइड्रोजन सल्फाइड था। लेकिन नए मिले इस जीव को तो हाइड्रोजन सल्फाइड की भी जरूरत नहीं है।

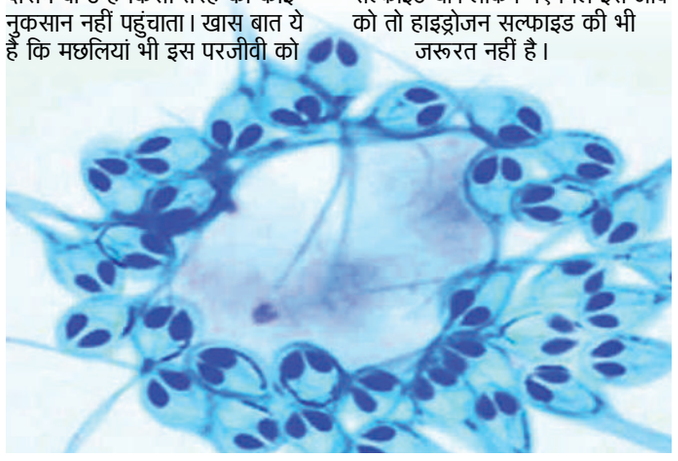

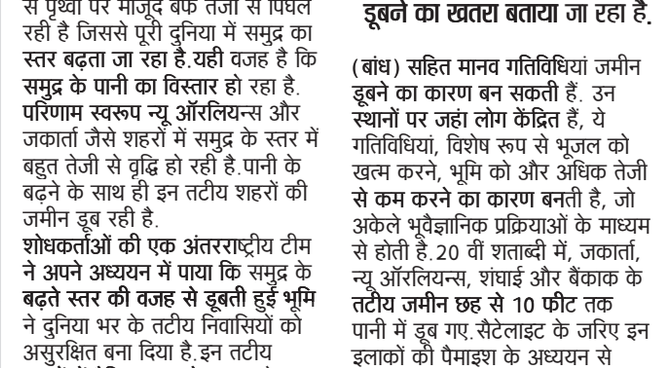

कुछ सालों में डूब जाएंगे दुनिया के ये बड़े शहर!

न्यू ओरलिंस, अमेरिका

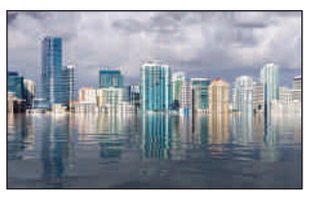

अमेरिका के न्यू ओरलिंस शहर में नहरों और जलीय शाखाओं का जाल बिछा हुआ है। ये जाल न्यू ओरलिंस शहर को बाढ़ से बचाता है। अगर ये सुरक्षा जाल नहीं होता तो इस शहर में भारी तबाही मच जाती। वहीं अब कहा जा रहा है कि अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ता है तो इस शहर के लिए खतरा है और ये शहर डूब जाएगा।

एम्स्टर्डम, द नीदरलैंड्स

द नीदरलैंड्स में एम्स्टर्डम, रॉटरडम और हॉग जैसे शहर कम ऊंचाई पर स्थित हैं और ये नॉर्थ सी के **बेहद नजदीक हैं। लेकिन** रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस हिसाब से समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, उसे **देखकर लगता है कि ये** शहर भी डूब जाएँगे। इतना ही **नहीं कोई भी डैम, बैरियर,** फ्लडगेट इन शहरों को नहीं बचा पाएंगे।

बसरा, इराक

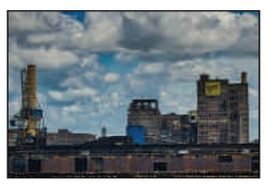

इराक ये शहर शत अल-अरब नाम की बड़ी नदी के किनारे बसा है। ये नदी पारस की खाड़ी से मिलती है। वहीं कई **सारी नहरों और बैक** वॉटर चैनल के जरिए ये शहर खाड़ी से जुड़ा है। इसकी वजह से इस शहर के आसपास काफी दलदली इलाका भी है। अगर समुद्री **जलस्तर बढ़ता है तो इस** शहर को खतरा है। बाढ़ आई **तो इस शहर में काफी** ज्यादा नुकसान हो सकता है। **सिर्फ यही नहीं ये नक्शे** से खत्म भी हो सकता है।

वेनिस, इटली

इटली का वेनिस शहर पानी के बीच में बसा हुआ है। यहां पर हर साल बाढ़ आती है। सबसे बड़ी **बात ये है कि इस शहर में** दो तरह का खतरा है। पहला समुद्र का जलस्तर बढ़ना और दूसरा ये शहर अपने आप डूब रहा है। हर साल 2 मिलिमीटर नीचे धंस रहा **है। अगर समुद्र का** जलस्तर तेजी से बढ़ा तो 2030 **तक ये शहर** पानी के अंदर डूब जाएगा।

हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम

वियतनाम के पूर्वी इलाके में **बसे इस** शहर की ऊंचाई समुद्र तल से ज्यादा नहीं है। इस **शहर को सबसे बड़ा खतरा** मेकॉन्ग डेल्टा से है। इस **डेल्टा का जलस्तर लगातार** बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों को **आशंका है कि हो ची मिन्ह** सिटी साल 2030 तक पानी के अंदर डूब जाएगा।

ये है दुनिया की सबसे खतरनाक चीटियां

दरअसल कुछ ऐसी चीटियों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई है। जोकि फिदायीन हमलावर की तरह अपने अंदर धमाका कर लेती हैं। बिल्कुल सही सुना आपने, दरअसल न्यूयॉर्क टाइम्स ने जनरल जूकीज में छपी स्टडी के मुताबिक ब्रूनेई के बेलालॉन्ग फील्ड स्टडीज सेंटर के सामने पेड़ों के करीब चीटियों के ऐसे कई घर मौजूद हैं। यह चीटियां अपने घर पर हमला होने की सूरत में अपनी जान तक दे देती हैं।

इन चींटियों के अंदर धमाका करने की एक खास प्रवृत्ति मौजूद है। और इसी वजह से इन्हें कोलोबोपसिस एक्सप्लोडेंस कहा जाता है। जब इन चीटियों के घोसले पर हमला या फिर अतिक्रमण कर दिया जाए तो यह चीटियां अपने पेट में धमाका कर लेती हैं। जिसके बाद इन चीटियों के पेट से चिपचिपा, चमकीला, पीला फ्लूइड बाहर निकल आता है। जो कि बहुत ज्यादा जहरीला होता है। ये बिल्कुल उसी तरह है जैसे कि मधुमक्खी डंक मारने के बाद अपने प्राण त्याग देती है उसी तरह यह चीटियां भी अपने घर को बचाने के लिए अपनी जान देने में पीछे नहीं रहती है। इन चींटियों के द्वारा पेट में किया जाने वाला ये धमाका इनके घरों को जरूर बचा लेता है। धमाका करने वाली चींटियों को एक्सप्लोडेंस नाम से जाना जाता है। जब इनके घर पर हमला होता है तो यह खुद के पेट मे धमाका कर लेती है। इसके पश्चात इनके पेट से जहरीला पिला चमकीला फ्लूइड बाहर निकलने लगता है। जिस प्रकार मधुमक्खी डंक लगाने के बाद मार जाती है ठीक उसी प्रकार ये चींटियां भी अपना घर बचने के लिए खुद को इस धमाके में नष्ट कर लेती है।

दरअसल वैज्ञानिक अपने अंदर धमाका करने वाली इन चीटियों के बारे में पिछले 200 साल से भी ज्यादा वक्त से जानते हैं। और आपको बतादें की साल 1916 में पहली बार इन चींटियों के बारे में बताया गया था। लेकिन साल 1935 से इस समूह की चींटियों को कोई भी आधिकारिक नाम नहीं मिला था।

चीटियों को आप किस वजह से पहचानते हैं। उनकी मेहनत की वजह से, चीटियां अपने धुन की पक्की होती है और चीटियां जब तक अपने काम को पूरा नहीं कर लेती वह रुकती नहीं है। इसके अलावा चीटियों की तारीफ इस वजह से भी की जाती है कि चीटियां इतनी छोटी होने के बावजूद भी अपने से कई गुना वजन को उठा लेती हैं। चीटियों का ये सामाजिक ताना-बाना बड़ा ही कमाल का है। लेकिन चीटियों से जुड़ी हुई एक ऐसी खबर आई है। जिसे जानने के बाद आप हैरान रह जाएंगे।

हाथी और चूहा

एक बहुत घना जंगल था। इतना कि उसमें सूर्य की किरणें भी नहीं पहुंच पाती थीं। इस जंगल में तरह-तरह के भयानक जानवर थे। सभी सुख-चैन से रह रहे थे। एक दिन उस घने और भयानक जंगल में एक हाथी आ पहुंचा। देखने में पहाड़ जैसा ऊंचा और शक्तिवान। जब वह चलता, तो सारे जानवर उसे छिपकर देखते थे। उसके चिंघाड़ने से जंगल में भगदड़ मच जाती थी। बड़े जानवर छिप जाते और छोटे जानवर अपनी मांदों में दुबक जाते। जंगल के जानवरों का सुख-चैन छिन गया।

यह देख, हाथी बहुत परेशान रहने लगा। उसकी समझ में कुछ नहीं आ रहा था। वह तो उन्हें दोस्त बनाने के लिए प्यार से आवाज लगाता था, पर होता उलटा ही था। उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर उसमें कौन सी बुरी आदत है? वह रात-दिन यही सोचने लगा।

एक दिन हाथी उदास मन से धीरे-धीरे घूम रहा था। जब वह जंगल के एक पुराने बरगद के नीचे पहुंचा, तो उसे एक चीख सुनाई पड़ी। कोई चिल्ला रहा था, बचाओ-बचाओ! हाथी ने सिर उठाकर देखा, एक नन्हा सा चूहा पेड़ की टहनियों में उलझा चिल्ला रहा था। हाथी बोला, घबराओ नहीं, मैं अभी तुम्हें बचाता हूं। हाथी को देखकर पहले तो चूहा कुछ डरा। लेकिन मरता क्या न करता! चूहा डर भूल गया और हाथी को डबडबाई आंखों से देखने लगा। हाथी ने अपनी सूंड ऊपर उठा दी और चूहा उस पर बैठकर नीचे उतर आया।

नीचे आते ही चूहा तेजी से भाग गया। उसने पीछे मुड़कर भी नहीं देखा। बेचारे हाथी ने तो सोचा था कि चूहा ही उसका दोस्त बनेगा, पर वह भी भाग गया। अब हाथी को विश्वास हो गया कि उसका कोई भी दोस्त नहीं बन सकता। यह सोचकर वह रोने लगा।

लेकिन थोड़ी ही देर में चिड़ियों का मधुर गाना उसे सुनाई पड़ने लगा। ऐसा गाना उसने इस जंगल में पहले कभी नहीं सुना था। देखते ही देखते जंगल के सारे जानवर हाथी के चारों तरफ एक घेरा बनाकर नाचने-गाने लगे। कोई सीटी बजा रहा था, तो बंदर ढोल पीट रहा था। शेर सुरीली आवाज में गा रहा था। हाथी को यह सब एक सपने की तरह लग रहा था। हाथी ने हैरानी से देखा, झुंड में वही चूहा सबसे आगे था, जिसे हाथी ने बचाया था।

उस छोटे चूहे ने कहा, आज तुमने मुझे बचाया है। तुम बहुत ही अच्छे हो। शरीर से चाहे कितने ही बड़े हो, परंतु तुम्हारा दिल दया और प्रेम से भरा हुआ है। आज से तुम हम सबके दोस्त हो और हम सब तुम्हारे। हाथी ने उन्हें बताया कि असल में उसका जोर से बोलने का मतलब जानवरों को डराना और नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि दोस्त बनाना था। अब हाथी भी उस नाच-गाने में शामिल हो गया। सारे जानवर और भी झूम-झूमकर नाचने लगे। हाथी फिर कभी इतने जोर से नहीं चिल्लाया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

जे एंड के कल्चरल एकेडमी ने 'संविधान दिवस' मनाया

श्रीनगर, 26 नवंबर। जम्मू एवं कश्मीर कला, संस्कृति और भाषाएं अकादमी (छ्ब्ब्ष्टरु) ने बुधवार को टैगोर हॉल, श्रीनगर में संविधान दिवस 2025 मनाया। इस अवसर पर अनेक सांस्कृतिक और शिक्षाप्रद गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनका उद्देश्य भारत के संवैधानिक मूल्यों और आदर्शों के प्रति जन-जागरूकता को और गहरा करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रीएंबल (उद्देश्यिका) के सामूहिक वाचन से हुई, जिसका नेतृत्व जेकेएएसीएल के अतिरिक्त सचिव (कश्मीर) इदील सलीम ने किया। इस वाचन के माध्यम से न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता को दोहराया गया।

'भारतीय संविधान में कला और कैलिग्राफी' विषय पर विशेष प्रदर्शनी ने उपस्थित दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। इसमें संविधान की मूल प्रतियों में शामिल चित्रों, पारंपरिक कैलिग्राफी और सजावटी डिजाइनों का सुंदर प्रदर्शन किया गया, जो इसकी सांस्कृतिक गहराई और ऐतिहासिक महत्ता को दर्शाता है। इस अवसर पर भारतीय संविधान निर्माण की प्रक्रिया पर आधारित एक लघु डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी प्रदर्शित की गई। इस फिल्म में डॉ. भीमराव अंबेडकर और संविधान सभा के सदस्यों—विशेषकर महिला सदस्यों—को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण संविधान दिवस 2025 विषय पर लाइव आर्ट डेमोंस्ट्रेशन रहा। विख्यात कलाकार श्री यूसुफ नक़्शबंदी और श्री मोहम्मद अशरफ ने छात्रों के लिए लाइव पेंटिंग प्रस्तुत की और उन्हें कला के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों की रचनात्मक अभिव्यक्ति हेतु प्रेरित किया।

'ऑरामाइन मिलावटी चने की संभावित आमद जम्मू में गंभीर स्वास्थ्य खतरा पैदा करती है'

जम्मू, 26 नवंबर (हि.स.)। भाजपा जम्मू-कश्मीर के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप महोत्रा ने इस बढ़ती चिंता पर गंभीर चिंता जताई है कि ऑरामाइन युक्त चना (चना) जम्मू क्षेत्र के बाजारों में घूमना शुरू हो गया है। उन्होंने आगाह किया कि अगर ये आशंकाएं सच साबित हुईं तो यह खतरनाक रासायनिक मिलावट सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए सीधा और गंभीर खतरा पैदा करेगी। डॉ. महोत्रा ने संबंधित एजेंसियों से अपील की कि वे यह निर्धारित करने के लिए तत्काल और गहन सत्यापन करें कि क्या मिलावटी चना वास्तव में जम्मू की बाजार आपूर्ति श्रृंखला में प्रवेश कर रहा है। डॉ. प्रदीप महोत्रा ने इसे समाज का धीमा जहर बताते हुए चेतावनी दी कि उत्तरी भारत के विभिन्न हिस्सों में बेईमान व्यापारियों को कपड़ा उद्योगों में इस्तेमाल होने वाली सिंथेटिक डाई ऑरामाइन के साथ निम्न श्रेणी के चने की कोटिंग करते हुए पकड़ा गया है।यह रसायन चने को कृत्रिम रूप से चमकीला पीला रंग और भ्रामक कुरकुरापन देता है लेकिन लंबे समय तक इसका सेवन गंभीर स्वास्थ्य खतरों से जुड़ा हुआ है जिसमें उच्च कैंसर का खतरा भी शामिल है जो मनुष्यों और पालतू जानवरों दोनों को प्रभावित करता है। डॉ. प्रदीप ने कहा कि मिलावट सिर्फ धोखाधड़ी नहीं है, यह निर्दोष लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ है। कोई भी आर्थिक लाभ ऐसे आपराधिक कृत्यों को उचित नहीं ठहरा सकता है। उन्होंने जनता से सतर्क रहने और उपभोग से पहले नकली चना का पता लगाने के लिए सरल घरेलू परीक्षण करने का आग्रह किया।

76वें संविधान दिवस पर न्यायपूर्ण, समावेशी और प्रगतिशील समाज के लिए कार्य करने का संकल्प लिया

कठुआ, 26 नवंबर (हि.स.)। भारत के संविधान में निहित मूल्यों, सिद्धांतों और दूरदर्शी भावना के बारे में जागरूकता फैलाना के उद्देश्य से राजकीय जीएलडीएम डिग्री कॉलेज हीरानगर ने एसडीएम कार्यालय हीरानगर के सहयोग से 76वां संविधान दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया।

कार्यक्रम में हीरानगर के विधायक एडवोकेट विजय कुमार शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही जो मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में शामिल हुए। अपने संबोधन में विधायक ने इस दिन के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला और प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवाओं, की संवैधानिक आदर्शों को बनाए रखने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की जिम्मेदारी पर बल दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज की प्राचार्या डॉ. प्रज्ञा खन्ना के औपचारिक स्वागत भाषण से हुआ। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने संविधान दिवस के समारोह में सभी सम्मानित अतिथियों और विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत किया तथा इस बात पर जोर दिया कि देश के युवा संविधान के मूल्यों और सिद्धांतों के पथ प्रदर्शक हैं, जो देश को सफलता के शिखर पर ले जाएंगे।स्वागत भाषण के बाद संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया गया और छात्रों व संकाय सदस्यों ने संवैधानिक मूल्यों, मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों पर विचारोत्तेजक भाषण दिए। कॉलेज के प्राचार्य और संकाय सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मुख्य अतिथि, एसडीएम हीरानगर और सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। समारोह का समापन सप्ताह भर चलने वाली गतिविधियों, जिनमें नारा लेखन, संगोष्ठी, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और निबंध लेखन प्रतियोगिता शामिल थी, के पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। सलोनी, रेखा, नेहा को नारा लेखन, चिन्मय, मोहित और अंशिका को संगोष्ठी के लिए पुरस्कृत किया गया। सुमित के नेतृत्व वाली टीम को प्रश्नोत्तरी में प्रथम स्थान और मनिता को निबंध लेखन में प्रथम स्थान दिया गया।

कुख्यात आपराधी पर पीएसए के तहत मामला दर्ज, उधमपुर जेल में भेजा

कठुआ, 26 नवंबर (हि.स.)। एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा आईपीएस के समग्र पर्यवेक्षण में कठुआ पुलिस ने विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में शामिल एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया और उसके खिलाफ जन सुरक्षा अधिनियम 1978 (पीएसए) के तहत मामला दर्ज किया।

जनकारी के अनुसार डीएसपी मुख्यालय कठुआ रविंदर सिंह के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी कठुआ संदीप चिब के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शम्मी कुमार पुत्र बलदेव राज निवासी गाँव बुद्धि जिला कठुआ नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जो पिछले कुछ वर्षों से विभिन्न अवैध गतिविधियों में शामिल एक आदतन अपराधी है।

उसके खिलाफ विभिन्न मामले दर्ज है। जिले में अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए, आरोपी व्यक्ति के खिलाफ एक डोजियर तैयार किया गया और उसे जन सुरक्षा

अधिनियम-1978 के तहत हिरासत में लेने के लिए जिला मजिस्ट्रेट कठुआ को भेजा गया। तदनुसार, जिला मजिस्ट्रेट कठुआ ने आरोपी व्यक्ति के खिलाफ जन सुरक्षा अधिनियम, 1978 के तहत हिरासत वारंट जारी किया। इसके बाद शम्मी कुमार पुत्र बलदेव राज निवासी बुद्धि कठुआ के खिलाफ वारंट आज तामील कर दिया गया और उसकी अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए उसे जिला जेल उधमपुर में बंद कर दिया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कठुआ ने संविधान दिवस मनाया

कठुआ, 26 नवंबर (हि.स.)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कठुआ ने प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष डीएलएसए कठुआ जतिंदर सिंह जामवाल की अध्यक्षता में एक भव्य एवं सूचनात्मक कार्यक्रम के साथ संविधान दिवस मनाया।

कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष के नेतृत्व में भारतीय संविधान की प्रस्तावना के वाचन से हुई। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कठुआ अजय कुमार, अध्यक्ष बार एसोसिएशन कठुआ वाई.सी. कटोच, मुख्य एलएडीसी कठुआ अरविंद कुमार, पुनीत कुमारी और एक छात्र प्रतिनिधि ने सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम में जिला मुख्यालय कठुआ में तैनात सभी न्यायिक अधिकारी, बार एसोसिएशन के सदस्य, कानूनी सहायता बचाव पक्ष के वकील, पैनल वकील, न्यायालय कर्मचारी, डीएलएसए कठुआ के अर्ध-विधिक स्वयंसेवक (पीएलवी) और राजकीय डिग्री कॉलेज कठुआ के लगभग 40 छात्र तथा दो संकाय सदस्य शामिल हुए। वक्ताओं ने संविधान की प्रस्तावना में निहित संवैधानिक लक्ष्यों, संविधान सभा की भूमिका और कार्यप्रणाली, तथा मौलिक अधिकारों और मौलिक कर्तव्यों पर जोर देते हुए संविधान की प्रमुख विशेषताओं पर विस्तार से चर्चा की। समकालीन समाज में संवैधानिक उद्देश्यों को साकार करने में आने वाली चुनौतियों पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर कठुआ बार एसोसिएशन ने डीएलएसए कठुआ के अध्यक्ष को भारतीय संविधान की प्रस्तावना की एक फ्रेमयुक्त प्रति भेंट की।

चरस के साथ एक नशा तस्कर गिरफ्तार

कठुआ, 26 नवंबर (हि.स.)। समाज से नशे की बुराई को मिटाने के लिए अपने ठोस प्रयासों को जारी रखते हुए एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के समग्र पर्यवेक्षण में कठुआ पुलिस ने थाना बनी के अधिकार क्षेत्र में लगभग 29.76 ग्राम चरस के साथ नशा तस्कर को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार थाना बनी क्षेत्र में नशीले पदार्थों चरस के व्यापार के संबंध में सूचना मिली थी। तेजी से कार्रवाई करते हुए एसएचओ थाना बनी सुरिंदर रैना के नेतृत्व में बनी की पुलिस टीम ने डीएसपी बनी के मार्गदर्शन में पीएसआई राहुल पराशर की सहायता से ब्रिज बनी के पास नाका चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को जांच के लिए रोका। जांच के दौरान उसके कब्जे से लगभग 28.76 ग्राम चरस बरामद की गई।

महिलाओं के कार्यों की सराहना की

जम्मू, 26 नवंबर (हि.स.)। थन्नामंडी, राजौरी में सेल्फ हेल्प ग्रुप्स की सशक्त महिलाओं के साथ बातचीत करते हुए एडवोकेट अमित शर्मा ने उनके कार्यों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे उत्कृष्ट उत्पादों की तारीफ करते हुए कहा कि ये उत्पाद न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि बड़े बाजारों में भी पहचान बना सकते हैं। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने अपने उत्पाद भी प्रदर्शित किए जिनकी सभी ने सराहना की।

महिलाओं के लिए मुफ्त चिकित्सा शिविर लगाया

जम्मू, 26 नवंबर (हि.स.)। उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले के अलूसा गांव में सेना की 27 असम राइफल्स ने जिला प्रशासन के सहयोग से महिलाओं के लिए एक नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को स्वच्छता, स्वास्थ्य और हाइजीन के महत्व के बारे में जागरूक करना था। स्थानीय महिलाओं ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण इलाकों में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता अभी भी कम है

डीएलएसए श्रीनगर के चेयरमैन ने 4वीं राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर बैठकें कीं

श्रीनगर, 26 नवंबर। आगामी 4वीं राष्ट्रीय लोक अदालत, जो 13 दिसंबर 2025 को आयोजित होने वाली है, के मद्देनज़र पिछले दो दिनों के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (ष्ठरुस्न्न) श्रीनगर के चेयरमैन एवं प्रिंसिपल जिला एवं सत्र न्यायाधीश हक़ नवाज़ ज़रगर की अध्यक्षता में कई तैयारी बैठकें आयोजित की गईं।

मंगलवार को चेयरमैन डीएलएसए श्रीनगर के चैंबर में जिले के माननीय सब-जजों और माननीय मुन्सिफ़ों के साथ विस्तृत बैठक हुई।

बैठक में मामलों की समय से पहचान, विभिन्न विभागों के साथ समन्वय, नोटिसों के समय पर निर्गमन, और आगामी लोक अदालत के लिए मामलों की सूची को सुव्यवस्थित करने पर विशेष चर्चा की गई। अधिकारियों ने अधिकतम मामलों के निपटारे को सुनिश्चित करने के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी साझा किए।

चेयरमैन ने आज प्रिंसिपल जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीनगर के मीटिंग हॉल में माननीय सत्र न्यायाधीशों के साथ अनुवर्ती बैठक आयोजित की।

इस बैठक का उद्देश्य तैयारियों की प्रगति की समीक्षा करना, केस प्रबंधन रणनीति को और परिष्कृत करना तथा व्यापक जन-जागरूकता सुनिश्चित करने की व्यवस्था को मजबूत बनाना था। माननीय सत्र न्यायाधीशों ने बेहतर समन्वय, वादकारियों की अधिक सहभागिता तथा लोक अदालत पीठों के सुचारू संचालन के संबंध में अपने सुझाव प्रस्तुत किए।डीएलएसए श्रीनगर के चेयरमैन ने सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीनगर को प्रभावी जन-पहुंच, समयबद्ध लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं और सुचारू संगठनात्मक सहायता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 4वीं राष्ट्रीय लोक अदालत को वादकारी-हितैषी वातावरण में आयोजित किया जाना चाहिए, ताकि सुलभ न्याय के लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुँच सकें।

दो दिन की इन विचार-विमर्श बैठकों का समापन सभी न्यायिक अधिकारियों द्वारा 4वीं राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल, प्रभावी और परिणामोन्मुख बनाने के लिए समन्वित रूप से कार्य करने की सामूहिक प्रतिबद्धता के साथ हुआ।

नाका चेकिंग के दौरान ड्रग पेडलर गिरफ्तार, 16.5 किलो चरस पाउडर बरामद

पुलवामा, 26 नवंबर (हि.स.)। ड्रग तस्करी के खतरे को रोकने की लगातार कोशिश में पुलवामा पुलिस ने एक ड्रग पेडलर को पकड़ा और उसके पास से 16.5 किलो चरस पाउडर बरामद किया है।

एक बयान में एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि नेवा पुलवामा में नाका चेकिंग के दौरान पुलिस पोस्ट नेवा की एक पुलिस पार्टी ने एक व्यक्ति को रोका जिसकी पहचान रफीक अहमद शाह पुत्र बशीर अहमद शाह निवासी नेवा पुलवामा के रूप में हुई। उसकी तलाशी लेने पर 16.5 किलोग्राम चरस पाउडर बरामद किया गया और कानूनी औपचारिकताओं के अनुसार मौके पर ही जब्त कर लिया गया जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अनुसार एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत केस नंबर 277/2025 पुलिस स्टेशन पुलवामा में दर्ज किया गया है और आगे की जांच चल रही है। पुलवामा पुलिस ज़िले से ड्रग तस्करी को खत्म करने के अपने पक्के इरादे को दोहराती है और लोगों से अपने इलाकों में ड्रग के गलत इस्तेमाल या तस्करी से जुड़ी जानकारी शेयर करके सहयोग करने की अपील करती है।

जिलेभर में धूमधाम से मनाया गया राष्ट्रीय संविधान दिवस, संवैधानिक जागरूकता पर दिया जोर

कठुआ, 26 नवंबर (हि.स.)। कठुआ जिले में राष्ट्रीय संविधान दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया जहाँ भारतीय संविधान और उसके मार्गदर्शक सिद्धांतों के महत्व को पुनः स्थापित करने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मुख्य समारोह राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालक कठुआ में आयोजित किया गया जहाँ छात्र वक्ताओं ने संविधान के विभिन्न पहलुओं, इसके विकास और राष्ट्र निर्माण में इसके महत्व पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ भी हुआ जिसमें छात्रों और कर्मचारियों ने देशभक्ति के जोश के साथ भाग लिया। बाद में डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने जीएचएसएस बालक कठुआ से एक सामूहिक छात्र रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जिसका समापन स्पोर्ट्स स्टेडियम कठुआ में हुआ। इस अवसर पर बोलते हुए उपायुक्त ने छात्रों को अपने दैनिक जीवन में अनुशासन बनाए रखने, एक सुव्यवस्थित समय सारिणी बनाने, पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने और बुरी संगति और नशीली दवाओं के दुरुपयोग से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

कठुआ के डीसी कार्यालय परिसर के कॉन्फ्रेंस हॉल में डीसी कठुआ अपने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ कन्वेंशन सेंटर में आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से राष्ट्रव्यापी समारोह में शामिल हुए। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने संविधान की प्रस्तावना के पाठ का नेतृत्व किया जिसके बाद शपथ ग्रहण समारोह हुआ।

जेनेराली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस ने उत्तरी क्षेत्र में दर्ज की उत्कृष्ट वृद्धि

जम्मू, 26 नवंबर। जम्मू, देश की अग्रणी बीमा कंपनी जेनेराली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस (जीसीएलआई) ने उत्तरी क्षेत्र में अपनी मजबूत ग्रोथ और विस्तार योजनाओं की घोषणा की। कंपनी ने बताया कि उत्तर भारत में पॉलिसी इश्यू करने में 39% वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे इस क्षेत्र में उसकी नेतृत्व स्थिति और मजबूत हुई है।

जम्मू ने इस साल सबसे उल्लेखनीय प्रदर्शन किया, जहां पॉलिसी इश्यू करने में अभूतपूर्व 610% वार्षिक वृद्धि दर्ज हुई। इसके साथ ही ग्रोस रिटन प्रीमियम में 22% ग्रोथ ने 2025 को कंपनी के लिए सबसे सफल वर्षों में शामिल कर दिया। कंपनी के पास उत्तर भारत में 7274 डिस्ट्रीब्यूटर्स का नेटवर्क है, जिनमें से 141 जम्मू में सक्रिय हैं। नवंबर 2025 में अयोध्या, झांसी और करनाल में नई शाखाओं के साथ कुल 28 सक्रिय शाखाएँ संचालन में हैं। जीसीएलआई आने वाले समय में सलाहकार नेटवर्क बढ़ाने, शाखाओं की पहुँच मजबूत करने और डिजिटल टूल्स के माध्यम से सेमी-अर्बन व ग्रामीण बाजारों में गहराई तक पहुँच बनाने पर जोर देगी। जम्मू के इस असाधारण प्रदर्शन को बनाए रखने के लिए विशेष पहल भी शुरू की जाएंगी। कंपनी का विमन इन इंश्योरेंस (डब्लयूआईएन) प्रोग्राम, एक डिजिटल-फर्स्ट, जेन-ज़ेड केंद्रित प्लेटफ़ॉर्म को उत्तर भारत में बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली है। अगस्त 2024 से अब तक डब्लयूआईएन) चैनल के माध्यम से 84 पॉलिसी इश्यू हुई है और 39.69 लाख का ग्रोस रिटन प्रीमियम हासिल किया गया है, जो कंपनी के आधुनिक और समावेशी वितरण मॉडल की सफलता को दर्शाता है।

कुलगाम में 200 सेब के पेड़ चोरी, किसानों में रोष

जम्मू, 26 नवंबर (हि.स.)। कुलगाम के लिर्रो इलाके में किसानों को उस समय बड़ा झटका लगा जब रातों-रात लगभग 200 सेब के पेड़ अज्ञात चोरों द्वारा उखाड़कर चोरी कर लिए गए। यह बाग मोहम्मद अयूब डार का था जो इन पेड़ों को अपनी आजीविका का मुख्य साधन बताते हैं। डार ने कहा कि इस घटना से उनकी आर्थिक स्थिति बुरी तरह प्रभावित हुई है और उनका परिवार गंभीर अनिश्चितता व संकट का सामना कर रहा है। स्थानीय किसानों ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए बागवानों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। किसानों ने कुलगाम पुलिस से तुरंत कार्रवाई कर दोषियों की पहचान करने और क्षेत्र में बागों की सुरक्षा बढ़ाने की अपील की है। उन्होंने रात गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की भी मांग की।

डॉ. भारत भूषण ने 27 लाख रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण किया

कठुआ, 26 नवंबर (हि.स.)। कठुआ विधायक डॉ. भारत भूषण ने बुधवार को 27 लाख रुपये की लागत से चार कार्यों का लोकार्पण किया। सबसे पहले खोख्याल गाँव में महिलाओं के लिए 3 लाख रुपये की अनुमानित लागत से स्नान घाट का उद्घाटन किया। इस सुविधा से कठुआ के खोख्याल और किरपाल गाँव के निवासियों को लाभ होगा। इसके बाद विधायक ने भारत माता मंदिर जखबड़ से 3 लाख रुपये की अनुमानित लागत से सड़क की पक्की सड़क का उद्घाटन किया। इसी प्रकार विधायक ने बिगवां गाँव में 21 लाख रुपये की अनुमानित लागत से बनने वाले वॉलीबॉल कोर्ट और बैडमिंटन कोर्ट का शिलान्यास किया। यह सुविधा आसपास के गाँवों के छात्रों और युवाओं को खेल का मैदान प्रदान करेगी। वहीं बिगवां के ग्रामीणों ने विधायक के समक्ष विकास संबंधी मुद्दे उठाए, जिन्होंने इन्हें चरणबद्ध तरीके से पूरा करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर संदीप मजोत्रा डीडीसी सदस्य नगरी, प्रदीप सिंह बीडीओ नगरी, रवि अंदोत्रा, नगरी मंडल प्रधान, पूर्व सरपंच तारा चंद, पूर्व सरपंच अरुण शर्मा, विनोद कुमार, जिला।

इस अवसर पर भाजपा सचिव कैप्टन पवन, जी.डी. मन्याल, शोभा गुप्ता, संजीव वर्मा, डॉ. केवल, डॉ. अजय, अनुज भारती, हरबंस डोगरा, मुकेश कुमार, सोम राज और स्थानीय निवासी उपस्थित थे

अशोक कौल ने जौरियन, अखनूर में आयुष्मान वय वंदना कार्ड वितरित किए

जम्मू, 26 नवंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भाजपा महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने ग्राम खौर छंब निर्वाचन क्षेत्र अखनूर जम्मू में वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य देखभाल पहुंच में सुधार लाने के उद्देश्य से पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड वितरित किए।

भाजपा स्वास्थ्य और चिकित्सा सेल के संयोजक, जम्मू और कश्मीर पुनीत महाजन, जिला प्रभारी विनय गुप्ता, जिला अध्यक्ष कुलदीप राज शर्मा, पूर्व विधायक राजीव शर्मा, अशोक कौल के साथ जागरूकता और वितरण अभियान को मजबूत समर्थन दे रहे थे। टीम ने लाभार्थियों के साथ बातचीत की, योजना के लाभों के बारे में बताया और इसके कार्यान्वयन और उपयोग से संबंधित प्रश्नों का समाधान किया।

कार्यक्रम में बोलते हुए अशोक कौल ने वरिष्ठ नागरिकों विशेषकर ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करने की दिशा में भाजपा की प्रतिबद्धता दोहराई।

उन्होंने कहा कि आयुष्मान वय वंदना जैसी पहल उन बुजुर्ग व्यक्तियों पर चिकित्सा उपचार के वित्तीय बोझ को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है जो अक्सर स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करते हैं। उन्होंने सभी पात्र नागरिकों के लिए पारदर्शिता और समय पर लाभ सुनिश्चित करने, कल्याणकारी योजनाओं की डोरस्टेप डिलीवरी के महत्व पर भी जोर दिया। पुनीत महाजन ने विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने में भाजपा स्वास्थ्य और चिकित्सा प्रकोष्ठ के निरंतर प्रयासों पर प्रकाश डाला

कविंदर गुप्ता ने PMKSY 2.0 के तहत स्टेट लेवल वाटरशेड महोत्सव लॉन्च किया

लेह, 26 नवंबर। लद्दाख के माननीय लेफ्टिनेंट गवर्नर, श्री कविंदर गुप्ता ने आज लेह के ष्ठष्ट कॉन्फ्रेंस हॉल में वाटरशेड डेवलपमेंट कंपोनेंट-प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के तहत स्टेट लेवल वाटरशेड महोत्सव लॉन्च किया, जिसमें ठंडे-सूखे हिमालयी क्षेत्र में कम्युनिटी की भागीदारी, सस्टेनेबल वाटर मैनेजमेंट और लंबे समय तक इकोलॉजिकल बैलेंस पर ज़ोर दिया गया। यह प्रोग्राम पानी के कंज़र्वेशन को मज़बूत करने, सिंचाई सुविधाओं को बेहतर बनाने और सूखे और रेगिस्तानी इलाकों में खेती की प्रोडक्टिविटी बढ़ाने के लिए ज़मीन के इस्तेमाल के पैटर्न को बेहतर बनाने पर फोकस करता है। नेशनल कॉन्स्टिट्यूशन डे के मौके पर, लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कॉन्स्टिट्यूशन डे की शपथ भी दिलाई, जिसमें देश की एकता, कॉन्स्टिट्यूशन में विश्वास और इसके मुख्य मूल्यों की सुरक्षा के लिए कमिटमेंट को दोहराया गया।

वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए, लेफ्टिनेंट गवर्नर ने लद्दाख के भविष्य के लिए वाटरशेड-बेस्ड प्लानिंग की बदलाव लाने वाली भूमिका पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि लद्दाख की अनोखी जगह - जिसमें ग्लेशियर, बर्फ पिघलने से होने वाले पानी के सिस्टम और बहुत कम बारिश होती है - पानी की हर बूंद को कीमती बनाती है। ऐसे हालात में, वाटरशेड डेवलपमेंट पानी की सुरक्षा, क्लाइमेट-रेज़ीलिएंट खेती और रोज़ी-रोटी बढ़ाने के लिए एक भरोसेमंद और लंबे समय का मॉडल देता है। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव सिर्फ़ एक सरकारी इवेंट नहीं है, बल्कि कम्युनिटी की सक्रिय भागीदारी से चलने वाला एक जन-आंदोलन है।

संपादकीय

लोगों को शर्मिंदा करना अच्छा आइडिया नहीं है

सरकार में पॉलिसी बनाने वालों को 'वॉल ऑफ़ शेम' बनाने के अपने प्लान पर फिर से सोचना चाहिए, ताकि उन लोगों को काबू में किया जा सके जो इलाके में सफाई पक्का करने के लिए अच्छी आदतें अपनाने में हिचकिचा रहे हैं।

हो सकता है कि यह पहल, हालांकि कूड़े और गंदगी की बढ़ती समस्या से निपटने की दिशा में एक कदम के तौर पर पेश की जा रही है, उल्टी पड़ सकती है क्योंकि जो कोई भी सफाई प्रोटोकॉल तोड़ते हुए पकड़ा जाएगा, उसकी इमेज पब्लिक में दिखाकर उसकी पोल खुल सकती है, जिससे बदले में उस संस्था की तरफ से रिएक्शन होगा और बुरे नतीजे सामने आएंगे, जिससे सरकार को बचना चाहिए।

अगर जम्मू म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के इलाके में रहने वाले लोग कैंपेन और दूसरी कोशिशों के बावजूद ठीक से काम नहीं कर रहे हैं, तो सिविक बॉडी को पब्लिक में शर्मिंदा करने का कोई सख्त तरीका निकालने के बजाय अपनी कोशिशें और तेज़ करनी चाहिए थीं।

जुर्माना लगाना, पुलिस में शिकायत करना और दूसरे उपाय ढूंढने चाहिए, लेकिन पब्लिक जगहों पर पेशाब करने वाले या दूसरी गलत हरकतें करने वाले लोगों को तथाकथित शेम की दीवार पर पब्लिक में दिखाना दिखाता है कि नगर पालिका के मुखिया लोगों को सफाई अपनाने के लिए जागरूक करने में नाकाम रहे हैं।

यह बहुत बेहतर कदम होता, अगर JMC वॉल ऑफ़ फेम के तहत उन लोगों को जम्मू इलाके का रोल मॉडल और सफाई का दूत बनाकर पेश करती, क्योंकि अगर किसी को किसी तरह पब्लिक में पेशाब करना पड़े तो किसी को भी उन्हें शर्मिंदा करने का हक नहीं है, क्योंकि पब्लिक सुविधा के लिए शेल्टर और कचरा फेंकने की जगहें काफी नहीं हैं।

इसमें कोई शक नहीं है कि जम्मू इलाके में समाज में कुछ ऐसे लोग हैं जो शायद ही कभी अपने आस-पास की सफाई का ध्यान रखते हैं, लेकिन उन्हें पब्लिक में शर्मिंदा करना सही बात नहीं है, बल्कि सफाई ही भगवान की भक्ति है के सिद्धांत को अपनाने के लिए सभी को जागरूक करने के लिए दूसरे तरीके आजमाए और परखे जाने चाहिए थे।

इस मामले में बेचैनी दिखाना और जनता को धमकाना, सरकार में बैठे लोगों की नाकाबिलियत और नाकाबिलियत दिखाता है, क्योंकि ऐसे कई और तरीके हैं जिनसे लोगों को पब्लिक जगहों पर साफ़-सफ़ाई और सैनिटेशन पक्का करने की आदतें अपनाने के लिए मनाया जा सकता है। यह बहुत अछा होता अगर छ्वस्ष्ट के काम चलाने वाले लोगों को आम आदमी के बताए कदम उठाने के बजाय, लोगों की सोच से निपटने के लिए जानकारी रखने वाले एक्सपर्ट्स से सलाह लेनी चाहिए थी और उन्हें साथ लाना चाहिए था।

बात यह है कि टिकाऊ सफ़ाई सिर्फ़ शिक्षा, हमदर्दी और सही सिविक प्लानिंग से ही आ सकती है, न कि उन नागरिकों को बेइज़्ज़त करके जो जागरूकता की कमी के कारण कूड़ा फैलाते हैं।

संविधान के बाईस चित्रों में भारत के गौरव, स्वत्व बोध और संस्कारों की अद्भुत प्रेरणा

भारतीय संविधान संसार में सबसे विशिष्ट और सबसे व्यापक है। यह अपने प्रावधानों के साथ अपने बाईस चित्रों से भी जाना जाता है। इन चित्रों में भारत राष्ट्र के ऐतिहासिक गौरव, साँस्कृतिक विशिष्टता और भविष्य के जीवन की प्रेरणा की झलक भी है।

संविधान सभा का गठन अंग्रेजीकाल में ही हो गया था। इसमें भारत की सभी रियासतों, राजनैतिक दलों, कुछ सामाजिक संगठनों, विषय विशेषज्ञों तथा सरकार के मनोनीत प्रतिनिधि शामिल किये गये थे। संविधान सभा के गठन की प्रक्रिया सितम्बर 1946 से आरंभ हुई और नवम्बर 1946 में पूरी होकर 6 दिसंबर 1946 को विधिवत घोषणा कर दी गईथी। संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को हुई। इसके कुल सदस्य 389 थे। भारत विभाजन के बाद संविधान सभा के कुछ सदस्य पाकिस्तान चले गये। तब सदस्य संख्या घटकर 299 रह गई थी। संविधान सभा के गठन के साथ पहले डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा को अस्थायी अध्यक्ष बनाया गया। बाद में डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्थाई अध्यक्ष चुने गए।

संविधान के प्रावधान निश्चित होने के बाद डॉ. भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता में प्रारूप समिति बनी। इस समिति में कुल सात सदस्य थे। 26 नवम्बर 1949 को संविधान स्वीकार किया गया और 26 जनवरी 2950 से लागू हुआ। संविधान तैयार करने में कुल 2 वर्ष 11 महीने और 18 दिन लगे। भारतीय संविधान में संसार के विभिन्न देशों के सभी आदर्श प्रावधान शामिल किये गये हैं।

संविधान में चित्र और उनका संदेशसंविधान की मूल प्रति टाइपिंग या प्रिंटेड नहीं है। हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में हाथ से लिखी गई है। इसे प्रेम बिहारी रायजादा ने लिखा है। भारतीय संविधान कुल बाईस भागों में प्रस्तुत किया गया है, जिसे महान चित्रकार नंदलाल बोस ने सहयोगियों के साथ तैयार किया। प्रत्येक भाग में एक विशिष्ट चित्र है। पृष्ठ के ऊपर पहले चित्र उकेरा गया फिर उसके नीचे प्रावधान लिखे गये।

इस प्रकार संविधान के बाईस भागों में बाईस चित्र हैं। इन चित्रों में भारत का ऐतिहासिक गौरव, साँस्कृतिक विशिष्टता, कर्तव्य बोध, और प्रकृति की विविधता का चित्रण है। संविधान निर्माता संवैधानिक प्रावधानों के साथ इन चित्रों के माध्यम से शासन और समाज जीवन को आदर्श शैली का संदेश भी देना चाहते थे। इसी भाव की झलक इन चित्रों में है। इसीलिए भारतीय वाङ्मय के ऐसे प्रतीकों एवं नायकों के चित्रों का चयन किया जो आदर्श, कर्त्तव्य पारायणता और उच्चतम चरित्र के लिये कालजयी हैं। शौर्य, सामर्थ्य, दूरदृष्टि, संकल्पशीलता, समृद्धि आदर्श, विश्व शाँति, विश्व बंधुत्व का संदेश देने वाले हैं।

इन चित्रों का आरंभ संविधान के आवरण पृष्ठ से ही होता है। आवरण पृष्ठ पर एक राजचिन्ह और एक घोष वाक्य है। राजचिह्न के रूप में सम्राट अशोक के सिंह स्तंभ का चयन किया गया। इस सिंह-स्तंभ के ऊपर धर्मचक्र और नीचे घंटे के आकार का पद्म बना है। स्तंभ के ऊपर चित्र वल्लरी में हाथी, घोड़ा, सांड, और सिंह की मूर्तियां और मूर्तियों के बीच में चक्र है। राजचिन्ह के इस प्रतीक में हाथी विशालता का, सिंह शौर्य का, घोड़ा गति का और सांड सामर्थ्य का प्रतीक है। प्रगति के लिये विशालता, शौर्य, बल और गतिशीलता आवश्यक होती है। इस राज-चिन्ह के साथ घोष-वाक्य सत्यमेव जयते अंकित है। यह मुंडकोपनिषद से लिया गया है। इस घोष वाक्य के चयन से दो संदेश मिलते हैं। एक उपनिषदों की महत्ता और दूसरा सत्य के प्रति निष्ठा का। वहीं व्यक्ति को सफलता की ऊँचाई पर पहुंच सकता है जो सत्य पर अडिग रहता हो। अंग्रेजी प्रति के आवरण को सुनहरे रंग के शतदल कमल और अन्य फूलों से सजाया गया है। यह अजंता की भित्ति चित्र शैली है।

इसके बाद संविधान के प्रत्येक भाग का आरंभ भी चित्र से ही होता है। संविधान के पहले भाग में सिंधु घाटी सभ्यता के चर्चित प्रतीक जेबू बैल का चित्र अंकित है। संविधान के इस भाग में भारतीय संघ का नाम और उसका राज्यक्षेत्र है। जेबू बैल मोहन-जोदड़ो और हड़प्पा संस्कृति का प्रतीक है। यह माना जाता है कि हड़प्पा काल में जेबू बैल सदैव सक्रिय रहता था और हिंसक प्राणियों से रक्षा करता है। प्रथम भाग पर जेबू बैल का चित्र देकर संविधान सभा ने एक ऐसे राष्ट्र तंत्र की कल्पना की है जो हिंसक और अपराधी प्रवृत्ति की शक्तियों से समाज को सुरक्षित रख सके।

संविधान के तृतीय भाग में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जी का चित्र अंकित हैं। संविधान के इस भाग में मौलिक अधिकार और कर्तव्य का प्रावधान है। रामजी के जीवन से कुटुम्ब बोध, कर्तव्यबोध, एवं संपूर्ण राष्ट्र और समाज को एक सूत्र में पिरोने की सीख मिलती है। चित्र में रामजी, सीताजी और लक्ष्मणजी पुष्पक विमान से अयोध्या लौट रहे हैं। रामजी की लंका पर विजय में शक्ति, वीरता, और युद्ध कौशल का अद्भुत संदेश है। इस चित्र में सफलता प्राप्त करके लौटने का संदेश है। स्वाधीनता संग्राम में जन जागरण के लिये रामराज्य की कल्पना की गई थी। स्वतंत्रता के बाद शासन व्यवस्था राम राज्य के आदर्शों के अनुरूप चले यही स्मरण कराने संभवतः संविधान सभा ने ये चित्र जोड़े। एक चित्र वैदिक काल के गुरुकुल का है।

यह चित्र संविधान के भाग दो में है। इस भाग का नाम नागरिकता है। यह पेज नंबर तीन पर है। इसमें अग्नि, इंद्र और सूर्य का पूजन दिखाई दे रहा है। इसमें दोनों संदेश हैं श्रेष्ठतम नागरिक वही होगा जो शिक्षा और आदर्श सिद्धांतों का पालन करता है। विद्यार्थी जीवन में जो सरलता, संकल्पशीलता और एकाग्र चित्त से आगे बढ़ता है, वही श्रेष्ठतम नागरिक बनता है। संविधान निर्माताओं ने यदि सत्यमेव जयते घोष वाक्य लिया तो सत्य की रक्षा के लिये भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को उपदेश देते हुये चित्र भी उकेरा है। इस चित्र से स्पष्ट है, कि भले सत्य शाश्वत होता है लेकिन सत्य की रक्षा के लिये संघर्ष भी आवश्यक है। यदि सत्य की रक्षा के लिये संघर्ष नहीं किया जाय तो असत्य और आसुरी शक्तियाँ प्रभावी हो जाती हैं। सत्य की रक्षा के लिये शक्ति, शास्त्र, शौर्य और रणनीति का संतुलन आवश्यक होता है। यही संदेश भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भगवत गीता में दिया। अर्जुन को गीता का यह ज्ञान देते हुए भगवान श्रीकृष्ण संविधान के भाग चार में है। इस भाग में राज्य की नीति के निदेशक तत्व बताए गए हैं। अर्थात संविधान सभा ने राज्य के नीति निदेशक तत्वों को गीता के संदेश से जोड़ने का संकेत किया है। संविधान के भाग पांच में भगवान बुद्ध का चित्र है। इस भाग का नाम संघ है। यह पेज नंबर 20 पर है। इस चित्र में बुद्ध लोगों को ज्ञान देते दिख रहे हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

एक राष्ट्रीय संकल्प- संपूर्ण सरकार और समाज साझा रूप से बाल विवाह मुक्त भारत की ओर अग्रसर

-अन्नपूर्णा देवी

एक ऐसे देश में जहाँ महिलाएँ और बच्चे एक अरब से ज्यादा जीवनों का आधार हैं, उनका सशक्तिकरण महज़ एक नीतिगत विकल्प नहीं है, बल्कि यह भारत की नियति का मार्ग है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी शासन में, भारत एक ऐतिहासिक बदलाव के दौर से गुज़र रहा है, जो वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को मानव-केंद्रित प्रगति के साथ जोड़ रहा है। नए भारत की कहानी केवल आर्थिक उपलब्धियों और बढ़ते वैश्विक कद में ही नहीं, बल्कि उन कक्षाओं में भी आकार ले रही है, जहाँ युवा मन विकसित होते हैं, उन आंगनवाड़ी केंद्रों में जहाँ हमारे बच्चों का पालन-पोषण होता है, और उन घरों में जहाँ आकांक्षाएँ पनपती हैं। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ×ष्39; के प्रति प्रधानमंत्री की अटूट प्रतिबद्धता, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के लिएएक मार्गदर्शक शक्ति बन गई है, जो विकसित भारतश्च2047 के लिए हमारे सामूहिक मिशन को भी आगे बढ़ा रही है। इसी सफर में एक अहम पड़ाव पिछले वर्ष 27 नवंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान शुरू हुआ है। अपनी साहसिक और अटल दृष्टि के साथ, हमने वर्ष 2030 तक बाल विवाह को खत्म करने की अपनी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक बार फिर दोहराई है, ताकि हर बालिका और बालक सुरक्षित रूप से बड़े हो सकें, अपनी शिक्षा जारी रख सकें और गर्व तथा आत्मविश्वास के साथ अपने भविष्य को आकार दे सकें। शुरू से ही, हमने ×ष्39;संपूर्ण सरकार और संपूर्ण समाज×ष्39; के नज़रिए को अपनाया है, लिहाज़ा हम मानते हैं कि इस चुनौती का हल महज़ नीतियों से नहीं किया जा सकता। इसके लिए सामूहिक एकता की ज़रुरत है, जिसमें परिवार, समुदाय, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता, संस्थान और सरकार कंधे से कंधा मिलाकर, सदियों पुरानी प्रथा को तोड़ने और हर बच्चे की आकांक्षाओं की रक्षा करने के लिए एक साथ खड़े हों। हमारे साझा संकल्प के एक शक्तिशाली प्रतिबिंब के रूप में, गाँवों और कस्बों के करोड़ों लोग बाल विवाह को समाप्त करने का संकल्प लेने के लिए आगे भी आए हैं। बाल विवाह हमारे देश में पीढ़ियों से चली आ रही सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। यह अक्सर उन समुदायों में दिखती है, जहाँ शिक्षा, संसाधनों और जागरूकता की सीमित पहुँच है। अभाव और असमान अवसरों के कारण पैदा हुई ये कमियाँ, इस प्रथा को जारी रखने में मदद करती हैं, जिससे अनगिनत बच्चे अपने उज्ज्वल भविष्य को साकार करने से वंचित रह जाते हैं। वर्तमान में बेहतरी के लिए प्रयास- मोदी सरकार के तहत, हम उन जड़ों को खत्म कर रहे हैं, जिन्होंने कभी इस प्रथा को पोषित किया था। स्पष्ट नीतिगत दिशा, विचार विमर्श कर तैयार की गई योजनाओं और शासन में समुदायों के नए विश्वास के साथ, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय उन परिस्थितियों को खत्म करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिनके कारण बाल विवाह की प्रथा अब तक जारी रही। आज हम जो प्रगति देख रहे हैं, वह सुनियोजित ढंग से तैयार की गई योजनाओं की वजह से हैं, जिनके तहत महिलाएं और बच्चे राष्ट्रीय विकास के केंद्र में हैं। हमारी नीतियां और पहल, संवेदनशील कारणों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हर अधिकार, देश के सबसे दूरस्थ गाँव और बस्तियों में सबसे कमजोर बच्चे के जीवन पर सकारात्मक असर डालते हुए अंतिम छोर तक पहुँचे। सरकार की हर योजना महिलाओं और बच्चों को जोखिम के हर चरण में सहारा देने के लिए तैयार की गई है, ताकि अजन्मे बच्चे से लेकर किशोरी तक, उनके जीवन के हर चरण की सुरक्षा, प्राथमिकता और सशक्तिकरण हो। पोषण ट्रैकर और पोषण भी पढ़ाई भी से लेकर समग्र शिक्षा अभियान तक, और राष्ट्रीय साधन-सह- योग्यता छात्रवृत्ति कार्यक्रम से लेकर प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना तक, हर पहल एक सुरक्षा कवच और हर बच्चे के लिए एक सुरक्षित, सम्मानजनक और समान भविष्य की ओर एक मार्ग के रूप में कार्य करती है। समावेशन के उत्प्रेरक के रूप में तकनीक की मदद से, मंत्रालय का प्रमुख डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म, पोषण ट्रैकर, 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों को स्तनपान कराने वाली माताओं, छह साल से कम उम्र के बच्चों और किशोरियों से सहजता से जोड़ता है। इसने देश भर में 10.14 करोड़ से अधिक लाभार्थियों के लिए एक मज़बूत सुरक्षा तंत्र तैयार कर दिया है। इस डिजिटल सक्षमता के साथ पोषण भी पढ़ाई भी, एक बदलावकारी प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा पहल के रूप में तैयार हुआ है, जो यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक पूर्व-प्राथमिक बच्चे को समग्र, उच्च-गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक प्रोत्साहन मिले, जो आजीवन सीखने की भावना की नींव रखता है। हमारी नीतियाँ न केवल इरादे, बल्कि ज़मीनी स्तर पर कार्रवाई को भी दर्शाती हैं। निरंतर बजटीय प्रतिबद्धताओं और लक्षित निवेशों में सुधारों को शामिल करते हुए, मोदी सरकार ने यह साफ कर दिया है कि बाल विवाह जैसी गंभीर समस्याओं से बच्चों की रक्षा करना एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बनी हुई है। राष्ट्रीय साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति कार्यक्रम, जिसके लिए केवल 2025-26 के लिए 1,827 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी बच्चा गरीबी के कारण स्कूल न छोड़े, जो बाल विवाह के सबसे अहम कारणों में से एक है। इस बीच, प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना भी उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली युवतियों को ज़रुरी वित्तीय सहायता प्रदान करती है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना ने युवाओं को उद्योग-संबंधित कौशल से लैस करके, उन्हें वित्तीय प्रोत्साहन और मान्यता प्राप्त सरकारी प्रमाणन प्रदान करके इस सुरक्षा कवच को और मज़बूत किया है। इसी प्रकार, प्रधानमंत्री-दक्ष योजना, हाशिए पर पड़े समुदायों, खासकर अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के युवाओं को सशक्त बनाती है, जो बाल विवाह के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हैं। उन्हें कौशल और अवसरों का लाभ देकर, हम समृद्ध और स्वतंत्र जीवन के मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नई मिसाल कायम कर रहे हैं। प्रभाव- बाल विवाह मुक्त भारत बनने के और नज़दीक कुछ साल पहले तक, बाल विवाह को समाप्त करने का विचार दूर की कौड़ी, यहाँ तक कि असंभव नज़र आता था। लेकिन भारत ने इसके विपरीत साबित कर दिया है। स्पष्ट नीतियों, निरंतर कार्रवाई, केंद्रित जमीनी प्रयासों और मापयोग्य प्रगति के ज़रिए, हमने उस धारणा को चुनौती दी है और दिखाया है कि बदलाव न केवल मुमकिन है, बल्कि पहले से ही उसके प्रयास जारी हैं। यह अभूतपूर्व बदलाव हज़ारों छोटी-बड़ी, सशक्त कोशिशों का नतीजा है। हमारे बाल विवाह निषेध अधिकारी (सीएमपीओ) इस मिशन की रीढ़ बनकर उभरे हैं। पिछले एक साल में ही, हमने देश भर में 37,000 से ज्यादा सीएमपीओ नियुक्त करके अपनी अग्रिम पंक्ति को मज़बूत किया है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सक्षम बनाकर, पंचायतों को सशक्त बनाकर और जिला प्रशासन को बाल संरक्षण कानूनों की जानकारी देकर, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि सबसे वंचित परिवारों को भी सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाए, बच्चों को वापस स्कूल लाया जाए और समुदायों को बाल विवाह के गंभीर उल्लंघन के बारे में जागरूक किया जाए। अब तक, हमने 6,30,000 से ज्यादा, स्कूल न जाने वाली लड़कियों की पहचान की है और उन्हें कक्षाओं में फिर से दाखिला दिलाया है। चुप्पी से लेकर शिकायत तक, सामाजिक कलंक से लेकर समर्थन तक—भारत ने चुना बदलाव का रास्ता- आज, हम इस समस्या का हल अधिक सटीकता, पारदर्शिता और प्रभाव के साथ निकालने के लिए नवीनतम तकनीकी प्रगति की मदद ले रहे हैं। सार्वजनिक रूप से सुलभ, केंद्रीकृत मंच, बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल, इस प्रगति का प्रतीक है, जो देश भर के बाल विवाह निषेध अधिकारियों की जानकारी एक साथ लाता है, मामलों की रिपोर्टिंग के लिए एक प्रभावी तंत्र प्रदान करता है, और हितधारकों और नागरिकों के बीच जागरूकता को मज़बूत करता है। पहली बार, बाल-विवाह-मुक्त भारत का सपना एक एकीकृत राष्ट्रीय मिशन के रूप में विकसित हुआ है। भारत सरकार का प्रत्येक अंग और समाज का प्रत्येक वर्ग इस साझा उद्देश्य और दृढ़ संकल्प के साथ मिलकर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, हम आज न केवल अपने बच्चों की सुरक्षा कर रहे हैं, बल्कि विकसित भारत की एक मज़बूत, आत्मविश्वासी और सशक्त नींव भी रख रहे हैं। जैसे-जैसे भारत बाल विवाह के खिलाफ अपनी सामूहिक लड़ाई में एक निर्णायक मोड़ पर पहुँच रहा है, हम दुनिया के सामने एक नया मॉडल पेश कर रहे हैं, कि कैसे शासन और समुदाय मिलकर हर बच्चे की सुरक्षा के लिए काम कर सकते हैं और बाल विवाह के वैश्विक संकट को तत्काल और निश्चित रूप से खत्म कर सकते हैं। आखिरकार, ये बच्चे ही उस विकसित भारत के पथप्रदर्शक और सच्चे सारथी हैं,

जिसका निर्माण हम सभी करना चाहते हैं।

(लेखिका भारत सरकार में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री हैं)।

भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर वैश्विक चुनौतियाँ और संयुक्त परिवार की अनिवार्यता

- प्रहलाद सबनानी

भारत वर्तमान समय में विश्व की प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी स्थान प्राप्त कर रहा है। इस प्रगति के साथ-साथ कुछ वैश्विक शक्तियाँ ऐसी भी हैं जिन्हें भारत की यह उन्नति स्वीकार्य नहीं है। परिणामस्वरूप भारतीय समाज, संस्कृति और पारिवारिक संरचना को कमजोर करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के भ्रामक विमर्श निर्मित किए जा रहे हैं। इन विमर्शों के पीछे कई ऐसी शक्तियाँ सक्रिय प्रतीत होती हैं जो भौतिकवाद, उपभोक्तावाद तथा सांस्कृतिक विच्छेदन की प्रवृत्तियों को बढ़ावा देकर भारत के पारंपरिक सामाजिक ताने-बाने को प्रभावित करना चाहती हैं। लेखन में उल्लिखित दृष्टिकोण के अनुसार कट्टरवादी इस्लाम, प्रसारवादी चर्च, सांस्कृतिक मार्क्सवाद और वैश्विक बाजार शक्तियाँ, भले ही अन्य देशों में एक-दूसरे के विरोध में हों, भारत के संदर्भ में एक साझा स्वर अपनाए हुए दिखाई देती हैं, जिनका उद्देश्य भारत की सामाजिक स्थिरता और सांस्कृतिक मजबूती को कमजोर करना है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत के विरोध में अनेक झूठे विमर्शों का निर्माण और प्रसार तीव्र हुआ है। विज्ञापन, मीडिया, मनोरंजन उद्योग तथा डिजिटल प्लेटफ़ॉर्मों के माध्यम से इन विचारों को इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है कि वे सामान्य जनमानस को प्रभावित कर सकें। वैश्विक स्तर पर यह धारणा लंबे समय से रही है कि भारत आध्यात्मिकता, संतुलित जीवन-दर्शन तथा आत्मानुशासन का देश है, परन्तु नए विमर्श इन धारणाओं को खंडित करने तथा भारतीय जीवन-शैली को हीन या पिछड़ा सिद्ध करने का प्रयास करते हैं। भारत की तीव्र आर्थिक प्रगति और वैश्विक प्रभावशीलता कुछ राष्ट्रों और बाजार शक्तियों के लिए चुनौती बनकर उभरी है, जिसके कारण भारतीय समाज में भ्रम, असंतोष और विभाजन उत्पन्न करने का संगठित प्रयास दिखाई देता है।

भारतीय दर्शन पुनर्जन्म, कर्म, संयम और समष्टि कल्याण के सिद्धांतों पर आधारित है, जिसके कारण भारतीय जीवन-शैली में अतिभोग को स्थान नहीं दिया गया। इसके विपरीत पश्चिमी विचारधारा उपभोक्तावाद को प्राथमिकता देती है और व्यक्ति को वर्तमान जीवन में अधिकतम उपभोग करने के लिए प्रेरित करती है, क्योंकि इस्लाम और ईसाईयत में पुनर्जन्म की अवधारणा को स्वीकार नहीं किया गया है। इस मानसिकता के चलते वैश्विक बाजार शक्तियाँ भारत में भी उपभोक्तावादी जीवन-दृष्टि को स्थापित करना चाहती हैं। विशेष रूप से त्यौहारों, जैसे दीपावली, होली, रक्षाबंधन के समय यह प्रवृत्ति अधिक स्पष्ट दिखाई देती है। भारतीय व्यंजनों और परम्परागत खाद्य पदार्थों को अस्वास्थ्यकर बताना, चॉकलेट एवं पैकेज्ड मिठाइयों को 'अधिक सुरक्षित' सिद्ध करना, या फिर भारतीय पर्वों को पर्यावरण-विरोधी बताना, ये सभी इसी व्यापक विमर्श-निर्माण का भाग हैं जिनका लक्ष्य भारतीय सांस्कृतिक आत्मविश्वास को कमजोर करना है।

इसी प्रकार से भारतीय पारिवारिक संरचना, विशेषकर संयुक्त परिवार प्रणाली, पर भी संगठित आक्रमण देखा जा सकता है। भारत में कुटुंब को केवल सामाजिक इकाई न मानकर एक दार्शनिक संस्था माना गया है, जिसके माध्यम से व्यक्ति संस्कार, नैतिकता, सामाजिक उत्तरदायित्व और सामूहिक चेतना का अभ्यस्त बनता है। संयुक्त परिवार भारत की सामाजिक स्थिरता का एक महत्त्वपूर्ण स्तंभ है, जबकि पश्चिमी समाज में यह संस्था लगभग समाप्त हो चुकी है। विकसित देशों में युवक-युवतियाँ वयस्क होते ही अलग रहने लगते हैं, जिसके परिणामस्वरूप प्रत्येक परिवार के लिए अलग-अलग आवास, वाहन, विद्युत उपकरण और उपभोग की वस्तुओं की आवश्यकता पड़ती है। इस व्यवस्था से निरन्तर बढ़ती माँग के कारण बहुराष्ट्रीय कंपनियों को आर्थिक लाभ प्राप्त होता है। इसी तर्क के आधार पर ये कंपनियाँ भारत में भी परिवार-विच्छेद को प्रोत्साहित करने वाली सामग्री का निर्माण और प्रसार करती हैं।

टीवी सीरियलों, वेब-श्रृंखलाओं और डिजिटल कंटेंट के माध्यम से संयुक्त परिवारों को कलह का केंद्र, परस्पर ईर्ष्या और संघर्ष का स्थान दिखाया जाता है।

सास-बहू विवाद, भाई-बहन प्रतिस्पर्धा तथा पारिवारिक विघटन के प्रसंगों को मनोरंजन के नाम पर इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है कि भारतीय दर्शक संयुक्त परिवार को अव्यवस्थित और अनुपयोगी समझने लगें।

इस प्रक्रिया का सीधा संबंध उपभोक्तावादी शक्तियों से जुड़ा है, जो भारत में भी पश्चिमी पैटर्न की पारिवारिक संरचना स्थापित करना चाहती हैं ताकि बाजार विस्तार में वृद्धि हो सके।

वास्तविकता यह है कि पश्चिमी देशों का जीवन-दर्शन भौतिकवाद पर आधारित है, जहाँ आर्थिक उन्नति ही जीवन का मुख्य लक्ष्य बन जाती है। चेतना, सामाजिक दायित्व और आध्यात्मिकता को वहाँ गौण स्थान दिया जाता है। इसके विपरीत भारतीय समाज अभी भी समष्टि कल्याण, कर्तव्य-बोध और पारिवारिक एकता जैसे मूल्यों को अपने जीवन का आधार मानता है। इसीलिए भारतीय संस्कृति आज भी वैश्विक मंच पर विशिष्ट पहचान बनाए हुए है।

इन परिस्थितियों में भारतवासियों के सामने चुनौती यह है कि वे वैश्विक बाजार शक्तियों द्वारा फैलाए जा रहे कृत्रिम और भ्रामक विमर्शों के प्रभाव से बचें तथा अपने सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित रखें।

इस दिशा में सबसे प्रभावी कदम है, स्वदेशी उत्पादों का उपयोग और विदेशी उत्पादों पर अनावश्यक निर्भरता का परित्याग। भारतीय उद्योग आज लगभग प्रत्येक क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराता है, चाहे वह साबुन, तेल, टूथपेस्ट, सौंदर्य प्रसाधन हों या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, खाद्य सामग्री, वाहन और मोबाइल फ़ोन। यदि भारतीय उपभोक्ता सचेत होकर स्वदेशी वस्तुओं का चयन करता है तो इससे न केवल राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा बल्कि वैश्विक शक्तियों को यह स्पष्ट संदेश भी मिलेगा कि भारत आत्मनिर्भर है और अपनी सांस्कृतिक अस्मिता से समझौता नहीं करेगा।

इन सबके बीच सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य यह है कि भारतीय परम्पराएँ मात्र अनुष्ठान नहीं, बल्कि एक समग्र जीवन-दर्शन हैं। ये परम्पराएँ हमें हमारी जड़ों, हमारी चेतना और हमारी सामाजिक पहचान से जोड़ती हैं। संयुक्त परिवार भारतीय सभ्यता का आधार-स्तंभ है, जिसने सदियों तक समाज को स्थिरता, सहयोग, सुरक्षा और संस्कार प्रदान किए हैं। यदि भारतीय समाज इन मूल्यों को सुदृढ़ रखता है, तो न केवल उसका सांस्कृतिक ढांचा सुरक्षित रहेगा बल्कि भारत विश्व में अपने विशिष्ट स्वरूप के साथ और अधिक सशक्त होकर उभरेगा।

भारतीय संस्कृति के संरक्षण, संयुक्त परिवार व्यवस्था की रक्षा और स्वदेशी अवधारणा के अनुपालन ये तीनों भारत को आत्मनिर्भर, सांस्कृतिक रूप से दृढ़ और आर्थिक रूप से शक्तिशाली बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, इसलिए आवश्यक है कि भारतीय समाज सांस्कृतिक आत्मविश्वास के साथ अपनी परम्पराओं और पारिवारिक व्यवस्थाओं का पालन करे तथा उन वैश्विक विमर्शों से सतर्क रहे जो हमारी सभ्यता की मूल शक्ति को कमजोर करने के उद्देश्य से बनाए जा रहे हैं।

(लेखक, आर्थिक विषयों के विश्लेषक एवं स्तम्भकार हैं।)

भारत-दक्षिण अफ्रीका मैच से पहले रांची पहुंचे विराट कोहली और क्विंटन डी कॉक

एजेंसी

रांची। रांची के झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम (जेएससीए) में 30 नवंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले एक दिवसीय अंतराष्ट्रीय मैच को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। मैच से पहले भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली बुधवार को रांची पहुंच चुके हैं। इसके साथ ही दक्षिण अफ्रीका टीम के अनुभवी खिलाड़ी क्विंटन डी कॉक भी रांची पहुंच गए हैं। एयरपोर्ट पर जेएससीए के अधिकारियों ने दोनों खिलाड़ियों का स्वागत किया। खिलाड़ियों के रांची आगमन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में फैन्स एयरपोर्ट पर पहुंच गए। सुरक्षा की दृष्टि से विराट कोहली को एयरपोर्ट से सीधे बाहर निकालकर होटल रेडिसन ब्लू ले जाया गया।30 नवंबर को होने वाला यह मुकाबला दर्शकों और क्रिकेट प्रेमियों के लिए बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो को मिली राहत, फीफा वर्ल्ड कप 2026 में खेल सकेंगे शुरुआती मैच

मियामी। पुर्तगाल के सुपरस्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए बड़ी राहत मिली है। वैश्विक फुटबॉल संस्था फीफा ने उनके खिलाफ लगाए गए तीन मैचों के प्रतिबंध में से दो मैचों को 'सस्पेंडेड बैन' कर दिया है। इसका मतलब है कि रोनाल्डो अब वर्ल्ड कप के शुरुआती मुकाबलों में खेल सकेंगे। रोनाल्डो को नवंबर की शुरुआत में डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान डारा ओ'शेया को कोहनी मारने पर रेड कार्ड मिला था। पुर्तगाल उस मुकाबले में 0-2 से हार गया था। यह 40 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी के 226 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पहला रेड कार्ड था। फीफा ने तीन मैचों का प्रतिबंध लगाया था, जिसमें से एक मैच का बैन रोनाल्डो पहले ही पूरा कर चुके हैं, जब पुर्तगाल ने आर्मेनिया को हराकर वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया। फीफा ने बयान में कहा,फीफा अनुशासनात्मक संहिता के अनुच्छेद 27 के अनुसार, दो मैचों का शेष प्रतिबंध एक वर्ष की परिवीक्षा अवधि के तहत निलंबित किया जाता है। इसके अनुसार, अगर रोनाल्डो इस एक वर्ष की अवधि में इसी तरह का कोई गंभीर उल्लंघन करते हैं, तो निलंबन तत्काल प्रभाव से हट जाएगा और उन्हें दो मैचों का प्रतिबंध झेलना पड़ेगा।

फीफा विश्व कप 2026 ड्रॉ: फाइनल से पहले नहीं भिड़ेंगे स्पेन-अर्जेंटीना और फ्रांस-इंग्लैंड

नई दिल्ली। फीफा ने वर्ल्ड कप 2026 के ड्रॉ की प्रक्रिया जारी करते हुए स्पष्ट किया कि स्पेन और अर्जेंटीना, तथा फ्रांस और इंग्लैंड एक-दूसरे से फाइनल से पहले नहीं टकराएंगे—बशर्ते ये टीमें अपने-अपने ग्रुप जीतती हैं। यह नियम 48 टीमों के विस्तारित फॉर्मेट में प्रतिस्पर्धात्मक संतुलन बनाए रखने के लिए लागू किया गया है। फीफा की नई व्यवस्था के अनुसार शीर्ष चार टीमें—स्पेन (रैंक 1), अर्जेंटीना (रैंक 2), फ्रांस (रैंक 3) और इंग्लैंड (रैंक 4)—ग्रुप न जीतने की स्थिति में भी सेमीफाइनल से पहले एक-दूसरे से नहीं खेलेंगी।

ड्रॉ 5 दिसंबर को वॉशिंगटन में: 2026 विश्व कप का आधिकारिक ड्रॉ 5 दिसंबर को वॉशिंगटन में आयोजित होगा। इसके एक दिन बाद, यानी 6 दिसंबर को स्टेडियम और किक-ऑफ टाइम सहित मैच शेड्यूल जारी किया जाएगा।

पॉट्स का पूरा विवरण: पॉट 1: मेजबान कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका के अलावा स्पेन, अर्जेंटीना, फ्रांस, इंग्लैंड, ब्राज़ील, पुर्तगाल, नीदरलैंड, बेल्जियम और जर्मनी। पॉट 2: क्रोएशिया, मोरक्को, कोलंबिया, उरुग्वे, स्विट्ज़रलैंड, जापान, सेनेगल, ईरान, दक्षिण कोरिया, इक्वाडोर, ऑस्ट्रिया और ऑस्ट्रेलिया। पॉट 3: नॉर्वे, पनामा, मिस्र, अल्जीरिया, स्कॉटलैंड, पराग्वे, ट्यूनीशिया, आइवरी कोस्ट, उज्बेकिस्तान, क़तर, सऊदी अरब और दक्षिण अफ्रीका। पॉट 4: जॉर्डन, केप वर्डे, घाना, कुरासाओ, हैती, न्यूज़ीलैंड और यूरोपियन प्ले-ऑफA, B, C, D के विजेता, साथ ही फीफा प्ले-ऑफ टूर्नामेंट 1 और 2 के विजेता।

बीसीए स्टेडियम के लिए 49.61 करोड़ रुपये की सब्सिडी मंजूर

वडोदरा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) राज्य क्रिकेट संघों को स्टेडियम के विकास के लिए सब्सिडी प्रदान करता है। इसी क्रम में बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) के लिए लंबित पड़ी बीसीए स्टेडियम की सब्सिडी को मंजूरी मिल गई है। अब यह पूरी राशि बीसीए को प्राप्त होगी। हाल ही में बीसीए की 85वीं वार्षिक आम सभा (तरू) आयोजित हुई थी, जिसमें सदस्यों ने सभी प्रस्तावों को बहुमत से मंजूरी दी। नियमों के तहत बीसीए ने आवश्यक दस्तावेज बीसीसीआई को सौंप दिए थे। बीसीए के अनुसार, बीसीसीआई ने बीसीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास हेतु लंबित सब्सिडी राशि ?49,61,59,912 + जीएसटी स्वीकृति दे दी है। बीसीए का कहना है कि यह राशि स्टेडियम के संचालन, सुविधाओं के आधुनिकीकरण और भविष्य की योजनाओं को और मजबूत करेगी। बीसीए अध्यक्ष प्रणव अमीन ने कहा, 'यह रिम्बर्समेंट हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। आगामी अंतरराष्ट्रीय वनडे मैच की तैयारियों के बीच हमारी प्राथमिकता एक आधुनिक, सुगम और खिलाड़ियों तथा दर्शकों को उत्कृष्ट अनुभव देने वाला स्टेडियम विकसित करना है। '

दक्षिण अफ्रीका का क्लीन स्वीप

भारत में 25 साल बाद जीती टेस्ट सीरीज

एजेंसी

गुवाहाटी : साइमन हार्मर (छह विकेट) के दमदार प्रदर्शन की बदौलत मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच के पांचवें दिन बुधवार को भारतीय टीम को दूसरी पारी में 63.5 आवर में 140 रन पर ढ़ेर कर ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए दो मैचों की सीरीज भी 2-0 से अपने नाम कर ली। दक्षिण अफ्रीका ने 25 सालों के बाद भारत में टेस्ट सीरीज जीती है। रनों के लिहाजा से भारत की यह सबसे बड़ी हार है। मार्को यानसन को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए'प्लेयर ऑफ द मैच तथा सीरीज में कुल 17 विकेट लेने वाले साइमन हार्मर को'प्लेयर ऑफ द सीरिज से नवाजा गया। चायकाल के बाद भारत का छठा विकेट साई सुदर्शन के रूप में गिरा। उन्होंने 139 गेंदों में एक चौके की मदद से 14 रन बनाये। वॉशिंगटन सुंदर 44 गेंदों में 16 रन बनाकर आउट हुये। 62वां ओवर कर रहे केशव महाराज की पहली गेंद पर छक्का लगाकर रवींद्र जडेजा ने अपना अर्धशतक पूरा किया। अगले ही ओवर में हार्मर, नीतीश कुमार रेड्डी को बिना खाता खोले ही पवेलियन लौटा दिया। इसी के साथ छठी सफलता हार्मर के नाम रही। 64वें ओवर की पहली गेंद पर केशव महाराज ने रवींद्र जडेजा को आउट कर भारत को नौवां झटका दिया। रवींद्र जडेजा ने 87 गेंदों में चार चैके और दो छक्के लगाते हुए 54 रनों की पारी खेली। इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर महाराज ने को आउटकर 140 के स्कोर पर भारतीय पारी का अंत कर दिया। पहले टेस्ट में टेम्बा बवुमा ने अर्धशतकीय पारी खेलकर दक्षिण अफ्रीका की जीत में अहम भूमिका निभाई तो वहीं गुवाहाटी टेस्ट में पारी लड़खड़ाने के बाद मुथुसामी और यानसन ने दक्षिण अफ्रीका को एक बड़े स्कोर पर पहुंचा और दोनों ही मैचों में दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजो विशेषकर यानसन और हार्मर ने भारतीय बल्लेबाज़ों की नाक में दम कर रख दिया और एक ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीत हासिल कर ली।

13 महीने के अंदर घर पर भारत को दूसरी बार किसी टीम ने टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया है। इससे पहले अक्तूबर-नवंबर 2024 में न्यूजीलैंड ने भारत को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 3-0 से हराया था। हार्मर ने भारत में दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे अधिक टेस्ट विकेट लिए हैं, उन्होंने डेल स्टेन को पीछे छोड़ दिया है। बिना कोई टेस्ट हारे कप्तान के तौर पर सबसे अधिक टेस्ट जीत - बावुमा 12 मैचों में 11 जीत के साथ सबसे आगे हैं, वह माइक ब्रेयरली के साथ थे जिन्होंने इससे पहले 15 में से 10 जीत हासिल की थीं। द. अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम पहली पारी में 201 रन पर सिमट गई थी। दक्षिण अफ्रीका ने भारत को फॉलोऑन नहीं खिलाते हुए दूसरी पारी में पांच विकेट पर 260 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। इसी के साथ उसने पहली पारी के आधार पर मिली 288 रन की बढ़त मिली और उसने भारत के सामने 549 रन का लक्ष्य रखा था। दक्षिण अफ्रीका के लिए साइमन हार्मर ने 23 ओवर में 37 रन देकर छह विकेट लिये।

ऋषभ पंत ने टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप होने के बाद दिया बड़ा बयान

एजेंसी

गुवाहाटी : ऋषभ पंत ने दक्षिण अफ्रीका के हाथों दूसरे टेस्ट में 408 रन से बड़ी हार और टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप के बाद कहा कि भविष्य में हमें इससे सीखना होगा और बेहतर होना होगा। इसी के साथ ही उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी टीम को मैच और सीरीज जीतने पर बधाई भी दी। साइमन हार्मर (दूसरी पारी में 6 विकेट) के दूसरे टेस्ट मैच के पांचवें दिन बुधवार को घातक गेंदबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को दूसरे सत्र में 140 रन पर ढेर कर 408 रन से हराकर सीरीज जीत दर्ज की। इसी के साथ ही दक्षिण अफ्रीका ने 2 मैचों की टेस्ट सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। इससे पहले पहली इनिंग में दक्षिण अफ्रीका ने 489 रन बनाने के बाद भारत को 201 रन पर ढेर कर मैच में अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी।

ऋषभ पंत ने मैच के बाद कहा, 'यह थोड़ा निराशाजनक है। एक टीम के तौर पर हमें बेहतर होने की जरूरत है। हमें विरोधी टीम को क्रेडिट देना होगा। हमें सीख लेकर एक टीम के तौर पर टिके रहने की जरूरत है। उन्होंने सीरीज में दबदबा बनाया लेकिन साथ ही, आप क्रेडिट को हल्के में नहीं ले सकते। हमें अपनी सोच को लेकर क्लियर रहने की जरूरत थी।' पंत ने कहा, 'भविष्य में हमें इससे सीखना होगा और बेहतर होना होगा। उन्होंने बेहतर क्रिकेट खेला, क्रिकेट की मांग है कि आपको एक टीम के तौर पर इसका फायदा उठाना होगा। और हमने ऐसा नहीं किया और इसकी वजह से हम पूरी सीरीज हार गए। पॉजिटिव बात यह होगी कि हम अपने प्लान पर फोकस करेंगे और यही हम इस सीरीज से सीखेंगे।'

हर दिन आप भारत आकर 2-0 से सीरीज नहीं जीत सकते, क्लीन स्वीप के बाद टेम्बा बावुमा ने दिया बयान

एजेंसी

गुवाहाटी।दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने भारत को टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप करने के बाद कहा कि यह यह बहुत बड़ी बात है। द. अफ्रीका ने 25 साल बाद भारत को भारत में टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया है। इससे पहले यह कमाल 2000 में किया था।

भारत के सामने 549 रन का असंभव लक्ष्य था और उसकी पूरी टीम मैच के पांचवें और अंतिम दिन 140 रन पर आउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे जिसके जवाब में भारतीय टीम 201 रन पर आउट हो गई थी। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी।

बावुमा ने मैच और सीरीज जीतने पर कहा, यह बहुत बड़ी बात है। मेरे लिए पर्सनली, चोट की वजह से कुछ महीनों से गेम से बाहर था। हर दिन आप भारत आकर 2-0 से सीरीज नहीं जीत सकते। खास बात यह है कि एक ग्रुप के तौर पर हमारे बुरे दिन भी थे और इसका क्रेडिट उन्हें जाता है। हम जो करना चाहते हैं,

उसे लेकर हमारी सोच में बड़ा बदलाव आया है। मुझे लगता है कि हमारी तैयारी कुछ खास है - लोग कंट्रीब्यूट करने के लिए मैदान में उतरते हैं। कोई भी अपने दिन अपनी टीम के लिए ऐसा कर सकता है - यही विश्वास है।' उन्होंने कहा, 'एक टीम के तौर पर हम सच में अच्छी जगह पर हैं। जिस तरह से हमने यहां परफॉर्म किया है, उससे हमारा कॉन्फिडेंस और भी बढ़ेगा। यह एक बड़ी बात है, हर कोई जानना चाहता है कि वे कहां खड़े हैं। लोग अपनी टीम के लिए मैन बनना चाहते हैं। सभी ने कंट्रीब्यूट किया है। हम बड़े 100 नहीं देखते हैं लेकिन हमारे 4-5 लोग कंट्रीब्यूट कर रहे हैं। मैं अपनी टीम के बारे में और भी बहुत कुछ कह सकता हूं लेकिन हां। साइमन को 2015 में भारत में खेलने का एक्सपीरियंस है, वह केशव को काफी अच्छे से कॉम्प्लिमेंट करता है। बॉल के साथ थोड़ी और चालाकी, उनके हाथों से बॉल छीनना मुश्किल है। साइमन इस सीरीज में हमारे लिए सही खिलाड़ी थे।'

भारत को टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप करने के बाद एडन मार्करम ने दिया पहला बयान

एजेंसी

प्रयागराज। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम ने भारत में टीम की जीत को बेहद खास बताते हुए कहा कि यह उपलब्धि आसान नहीं थी और पूरी टीम ने दिल से मेहनत की। उन्होंने माना कि भारतीय परिस्थितियों में जीत दर्ज करने के लिए कौशल के साथ थोड़ी किस्मत का साथ भी जरूरी था। मार्करम ने कहा कि यहां की पिचों और कंडीशन के बारे में अक्सर अलग-अलग तरह की राय सुनी जाती है, खासतौर पर स्पिन, नई गेंद और तेज गेंदबाजों की गुणवत्ता को लेकर। लेकिन उनकी टीम ने पहले ही गेंद का सामना करने से पहले किसी तरह का डर या भ्रम नहीं पालने का फैसला किया था। फील्डिंग में रिकॉर्ड संख्या में कैच पकड़ने पर उन्होंने विनम्रता से कहा कि इसका श्रेय गेंदबाज़ों को जाता है, क्योंकि वे लगातार सही एरिया में गेंद डालते हैं और फील्डर का काम सिर्फ उनके लिए मौके पूरे करना होता है। उन्होंने यह भी माना कि गेंद को अलग-अलग तरीकों से स्पिन करना या

नियंत्रण में गेंदबाज़ी करना इन परिस्थितियों में बेहद महत्वपूर्ण है, और उनके स्पिनर तथा तेज गेंदबाज़ दोनों ने शानदार प्रदर्शन किया। मार्करम के मुताबिक मैच की सबसे बड़ी चुनौती शुरुआती हालात थे। पिच पर सामान्य से ज्यादा घास थी और विपक्ष के पास दो उच्च गुणवत्ता वाले तेज गेंदबाज़ मौजूद थे, जिससे शुरुआती ओवर बेहद कठिन थे। उन्होंने बताया कि ऐसे दौर से निकलने के लिए तकनीक के साथ कुछ भाग्य का साथ भी जरूरी था। उन्होंने बताया कि रिकेल्टन (रिक्स) और उन्होंने शुरुआत में टीम को स्थिरता दी और ड्रेसिंग रूम का माहौल शांत रखा। इसके बाद आने वाले अन्य बल्लेबाज़ों ने भी अच्छी शुरुआत की। मार्करम ने मुथुसामी (सेन) की पारी को मैच का टर्निंग पॉइंट बताया और कहा कि उन्होंने दिखाया कि इस पिच पर लंबे समय तक टिककर बड़ा स्कोर कैसे बनाया जाता है। मार्करम के अनुसार यह पारी मुथुसामी के करियर का गर्व करने लायक पल साबित होगी।

भारत की शर्मनाक हार पर सामने आया मुख्य कोच गौतम गंभीर का बयान

एजेंसी

भोपाल। साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत को 2-0 की टेस्ट सीरीज़ हार का सामना करना पड़ा, जो घरेलू मैदान पर 25 साल बाद मिली सबसे बड़ी शिकस्त मानी जा रही है। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर पर सवालों का दबाव बढ़ गया है, खासकर तब जब उनके कार्यकाल में टेस्ट प्रदर्शन लगातार गिरा है। गुवाहाटी टेस्ट में 408 रन की करारी हार के बाद गंभीर को प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने भविष्य, टीम की गिरती गुणवत्ता और चयन रणनीतियों पर कठिन सवाल सुनने पड़े। उन्होंने साफ कहा, 'इंडियन क्रिकेट महत्वपूर्ण है, मैं नहीं।'

गुवाहाटी टेस्ट के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में गौतम गंभीर से जब कोचिंग भविष्य पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने बेहद स्पष्ट शब्दों में कहा कि फैसला पूरी तरह BCCI का है। गंभीर का कहना था कि टीम इंडिया का हित सबसे ऊपर है, और अगर बोर्ड चाहे कि नए दिशा-निर्देश या

बदलाव की ज़रूरत है, तो वह फैसले का सम्मान करेंगे। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि उनके नेतृत्व में भारत ने इंग्लैंड में अच्छे नतीजे, चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट जीते हैं।सीरीज क्लीन स्वीप के बाद गंभीर ने टीम या किसी खिलाड़ी पर दोष डालने से इनकार कर दिया। उनका कहना था कि हार सामूहिक विफलता है और इसका बोझ सबसे पहले कोच पर आता है। उन्होंने कहा कि 95/1 की मजबूत स्थिति से 122/7 तक पहुँच जाना न केवल तकनीकी गलती है, बल्कि मानसिक कमजोरी भी दर्शाता है। गंभीर ने कहा कि वह कभी किसी एक खिलाड़ी को दोषी नहीं ठहराते और आगे भी यह रवैया नहीं बदलने वाला। उनके अनुसार, यदि टीम को सुधारना है तो सामूहिक जिम्मेदारी को समझना होगा। गौतम गंभीर की कोचिंग में भारत ने 18 में से 10 टेस्ट मैच गंवाए, जो उनके कार्यकाल की सबसे बड़ी आलोचना बन रही है। पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ वाइटवॉश के बाद टीम में बड़े बदलाव किए गए, लेकिन साउथ अफ्रीका में नतीजे नहीं बदले। उनकी रणनीति में लगातार टीम बदलाव और ऑल-राउंडर पर अत्यधिक निर्भरता को लेकर विशेषज्ञों ने सवाल उठाए। कई पूर्व खिलाड़ियों का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट में ऑल-राउंडरों से ज्यादा विशेषज्ञ बल्लेबाज़ और गेंदबाज़ अहम होते हैं। जब गंभीर से पूछा गया कि टेस्ट क्रिकेट के लिए किस प्रकार के खिलाड़ी सफल होते हैं, तो उनका जवाब कुछ अलग था। उन्होंने कहा कि टेस्ट फॉर्मेट में सबसे तेज़ या सबसे टैलेंटेड खिलाड़ी जरूरी नहीं, बल्कि मजबूत मानसिकता वाले, दबाव सहने वाले और लंबे समय तक टिके रहने वाले खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया को ऐसे ही 'टफ कैरेक्टर' की जरूरत है।

सीएसके स्टार और गुजरात कप्तान उर्विल पटेल ने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में जड़ा 31 गेंदों में तूफानी शतक

एजेंसी

हैदराबाद। यहां के जिमखाना ग्राउंड में सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के पहले ही दिन गुजरात के कप्तान उर्विल पटेल ने ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी करते हुए 31 गेंदों में शतक ठोक दिया। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और 8 छक्के जड़े।

पहले बल्लेबाज़ी करते हुए सर्विसेज़ ने 182/9 का स्कोर खड़ा किया। जवाब में गुजरात के ओपनर उर्विल और आर्य देसाई ने शुरुआत से ही सर्विसेज़ के गेंदबाज़ों पर हमला बोल दिया। दोनों ने मिलकर 174 रन की ओपनिंग साझेदारी कर लक्ष्य को बेहद आसान बना दिया। उर्विल पटेल 37 गेंदों पर नाबाद 199 रन बनाकर लौटे, जिसमें 12 चौके और 10 छक्के शामिल थे। आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स द्वारा रिटेन किए गए उर्विल पटेल अपनी स्ट्राइक रेट की वजह से सुर्खियों में रहे थे। तीन पारियों में- जिनमें से एक दो गेंदों पर शून्य—उन्होंने 200 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 68 रन बनाए थे। दिलचस्प बात यह है कि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024-25 में छह पारियों में 29 छक्कों के साथ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले और 28 गेंदों में संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज टी20 शतक लगाने वाले उर्विल पटेल 2025 आईपीएल मेगा ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे। बाद में उन्हें वंश बेदी के रिप्लेसमेंट के रूप में टीम में शामिल किया गया।

पथुम निसांका ने कुसल परेरा को पीछे छोड़ा, श्रीलंका के टॉप टी20आई रन स्कोरर बने

एजेंसी

रावलपिंडी (पाकिस्तान) : पथुम निसांका ने कुसल परेरा को पीछे छोड़कर श्रीलंका के टॉप टी20आई रन-स्कोरर बन गए हैं। उन्होंने रावलपिंडी में जिम्बाब्वे पर मैच जिताने वाली पारी खेली जिससे उनकी टीम ने ट्राई-सीरीज की उम्मीदें जिंदा रखीं। उन्होंने 58 गेंदों पर 98 रन की जबरदस्त पारी खेली जिससे श्रीलंका ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सिर्फ 16.2 ओवर में 147 रन से बड़ी जीत हासिल की। निसांका ने 77 टी20आई मैचों में 32.30 की औसत और 126.89 के स्ट्राइक रेट से 2326 रन बनाए हैं जिसमें 18 फिफ्टी और एक शतक शामिल हैं। उन्होंने परेरा को पीछे छोड़ दिया जिनके अभी 91 टी20आई मैचों में 2,305 रन हैं। श्रीलंका ने इस जीत के साथ लगातार 5 ञ्ज20ढ्ढ मैच हार

का सिलसिला तोड़ा और ट्राई-सीरीज में भी यह उनकी पहली जीत थी। श्रीलंका की इस जीत से गुरुवार को पाकिस्तान के खिलाफ एक रोमांचक निर्णायक मैच होगा जिसमें जीत से उन्हें ट्राई-सीरीज के फाइनल में जगह पक्की हो जाएगी। मैच की बात करें तो जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया। श्रीलंका के गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को 146-5 पर रोक दिया जिसमें महेश थीक्षाना और वानिंदु हसरंगा ने दो-दो विकेट लिए, जबकि दासुन शनाका ने भी एक विकेट लिया। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा (37) और रयान बर्ल (37) ने आखिर में एक अहम पार्टनरशिप की जबकि ब्रायन बेनेट (34) ने भी टॉप ऑर्डर में अहम पारी खेली। जवाब में श्रीलंका ने पावर-प्ले के अंदर 60 रन बना लिए। श्रीलंका के ओपनिंग बैट्समैन कामिल मिशारा बीच में संघर्ष करने के बाद पावर-प्ले के आखिरी ओवर में आउट हो गए, उन्होंने 15 गेंदों पर 12 रन बनाए। निस्सांका और कुसल मेंडिस (25* रन) ने 89 रन की अटूट पार्टनरशिप करके मैच को 22 गेंद बाकी रहते खत्म कर दिया।

कॉमनवेल्थ गेम्स-2030: अहमदाबाद बनेगा नया स्पोर्ट्स सुपरपावर

एजेंसी

अहमदाबाद। भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स-2030 की मेजबानी मिलने की घोषणा जल्द होने की उम्मीद है। इस बार यह सिर्फ़ एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा स्पोर्ट्स महोत्सव होगा। खास बात यह कि इसका मुख्य केंद्र गुजरात का अहमदाबाद होगा, जो खेल जगत में लंदन और पेरिस से भी अधिक आकर्षण का केंद्र बनने जा रहा है।

अहमदाबाद की पहचान पहले ही नरेंद्र मोदी स्टेडियम से वैश्विक नक्शे पर दर्ज है, लेकिन अब इसके आसपास बनने वाले 6 नए हाई-टेक स्टेडियम और आधुनिक स्पोर्ट्स एन्क्लेव शहर को खेलों की दुनिया में नया मुकाम देंगे।

215 एकड़ में होगा सरदार एनक्लेव

रिवरफ्रंट किनारे 215 एकड़ में सरदार पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव बनाया जा रहा है, जहां नए स्टेडियम, एरेना, टेनिस और एक्वेटिक्स सेंटर होंगे। यह पूरा प्रोजेक्ट करीब 4600 करोड़ की लागत से तैयार हो रहा है। यहां आधुनिक खेल सुविधाओं के साथ गरबा, योग, ओपन बाजार जैसे सांस्कृतिक आयोजन भी होंगे, जिससे खिलाड़ियों और दर्शकों को एक अलग अनुभव मिलेगा।

1. खेल + संस्कृति का अनोखा संगम

जहां यूरोप खेलों पर फोकस करता है, वहीं अहमदाबाद खिलाड़ियों और मेहमानों को भारतीय संस्कृति की ऊर्जा भी महसूस कराएगा।

2. विशाल और आधुनिक इंफ्रा

एक ही जगह पर इंडोर व आउटडोर खेलों के लिए इंटरनेशनल लेवल एरीना, शूटिंग सेंटर, इंडोर मैदान, फुटबॉल स्टेडियम—सब कुछ एक स्पोर्ट्स हब में मिलेगा।

3. शानदार कनेक्टिविटी

शहर में मेट्रो नेटवर्क स्टेडियम-से-स्टेडियम तक तेज पहुंच देगा।

प्रस्तावित बुलेट ट्रेन सेवा खेलों के दौरान अहमदाबाद से मुंबई का सफर रिकॉर्ड समय में संभव बना सकती है।

अहमदाबाद एयरपोर्ट दुनिया भर के मेहमानों को सीधा अहमदाबाद की वाइब्स में लेकर आएगा।

खिलाड़ियों के लिए कॉमनवेल्थ विलेज

-सुगढ़-भाट (136 एकड़) और कराई (143 एकड़) में अत्याधुनिक गेम्स विलेज और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनेंगे।

-खिलाड़ियों, कोच और अधिकारियों के लिए लगभग 3000 आधुनिक घर तैयार किए जाएंगे, जिनमें दुनिया की बेहतरीन सुविधाएं होंगी।

पहली बार विश्व युवा चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची भारतीय अंडर-19 टेबल टेनिस टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। रोमानिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस फेडरेशन (आईटीटीएफ) विश्व युवा चैंपियनशिप में भारत के अंडर-19 लड़कों ने इतिहास रच दिया है। टीम ने सोमवार को सेमीफाइनल में चीनी ताइपे को 3-2 से हराकर पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। अब भारत का मुकाबला फाइनल में जापान से होगा।

टीम में अंकुर भट्टाचार्जी, पी. बी. अभिनंध और प्रियंजुज भट्टाचार्य शामिल हैं। सेमीफाइनल में अंकुर ने शानदार शुरुआत करते हुए ह्सू ह्सिएन-चिया को 3-2 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद कुओ गुआन-होंग ने अभिनंध को 3-1 से हराकर स्कोर बराबर कर दिया। प्रियंजुज ने लिन चिन-टिंग को 3-2 से मात देकर भारत की बढ़त वापस दिलाई। चीनी ताइपे के कुओ ने अंकुर को 3-0 से हराकर मुकाबले को निर्णायक मैच तक पहुंचा दिया, लेकिन अंतिम मुकाबले में अभिनंध ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ह्सू को 3-0 से हराकर भारत की ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित कर दी। उधर, भारत की अंडर-15 लड़कियों की टीम को सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका से 0-3 से हारकर ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा।

मप्र के खेल मंत्री से मिले जर्मन फुटबॉल कोच बीयर्सडॉर्फ, बोले– भारत में फुटबॉल का भविष्य उज्ज्वल

एजेंसी

भोपाल। जर्मनी के प्रतिष्ठित फुटबॉल क्लब FC Ingolstadt 04 के सीइओ एवं प्रसिद्ध कोच डाइटमार बीयर्सडॉर्फ ने मध्य प्रदेश के प्रवास के दौरान भोपाल में मंत्रालय पहुंचकर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग से भेंट की। इस अवसर पर कोच डाइटमार बीयर्सडॉर्फ ने मिनी ब्राजील के नाम से मशहूर शहडोल जिले के ग्राम विचार के भ्रमण के दौरान प्राप्त अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि भारत में फुटबॉल का भविष्य उज्ज्वल है। फुटबॉल खेल के प्रति उनका निःस्वार्थ प्रेम वास्तव में प्रेरणादायक है। आगे उन्होंने कहा कि विचारपुर के खिलाड़ी कठिन परिस्थितियों के बावजूद जिस जुनून, अनुशासन और सीखने की उत्सुकता के साथ खेलते हैं, वह अंतरराष्ट्रीय मानकों को छूता है जो भविष्य में बड़े स्तर तक ले जा सकता है। कोच बीयर्सडॉर्फ स्वयं विचारपुर (मिनी ब्राजील) के मैदान पर पहुंचे और खिलाड़ियों को प्रत्यक्ष प्रशिक्षण देकर विश्वस्तरीय मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने खिलाड़ियों को आधुनिक फुटबॉल तकनीक,

सामरिक रणनीतियों और पेशेवर अनुशासन के बारे में विस्तार से समझाया। खिलाड़ियों के लिए यह अनुभव बेहद रोचक और प्रेरणादायक रहा। इस अवसर पर मंत्री सारंग ने कोच बीयर्सडॉर्फ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा विचारपुर (मिनी ब्राजील) के प्रतिभावान खिलाड़ियों से प्रत्यक्ष संवाद, आधुनिक प्रशिक्षण विधियाँ और अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल शैली से परिचित कराना, युवा खिलाड़ियों के लिए एक अमूल्य अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को वैश्विक स्तर पर तैयार करने के लिए हर सम्भव प्रयास कर रही है। यह मुलाकात न केवल खेल क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को नई दिशा देने वाली रही बल्कि प्रदेश के उभरते खिलाड़ियों के उत्साह को भी गति प्रदान करने वाली साबित हुई।

मंत्री सारंग ने कहा कि विचारपुर के खिलाड़ी अब सिर्फ मध्य प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश की शान हैं। इन प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव सहयोग करेंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसा संवाद और सहयोग निश्चित रूप से हमारे खिलाड़ियों के भविष्य को नई ऊंचाई देगा। आगे मंत्री श्री सारंग ने उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मध्य प्रदेश के शहड़ोल जिले के विचारपुर (मिनी ब्राजील) गांव का उल्लेख किए जाने के बाद इस छोटे से आदिवासी क्षेत्र ने देश और दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल मन की बात कार्यक्रम में इसकी चर्चा की थी बल्कि अमेरिका के प्रसिद्ध पॉडकास्ट लेक्स फ्राइडमैन के साथ बातचीत में भी विचारपुर के फुटबॉल प्रेम का विशेष उल्लेख किया था।

व्यापार बोर्ड की बैठक में निर्यात संवर्धन के लिए केंद-राज्य सहयोग पर बल दिया गोयल ने

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्थिक वृद्धि और रोजगार संवर्धन में निर्यात क्षेत्र के विस्तार और विविधीकरण के महत्व को रेखांकित करते हुए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने निर्यात को बढावा देने में केंद्र तथा राज्य सरकारों के बीच निकट सहयोग का आह्वान किया है।श्री गोयल ने राजधानी में नवगठित 'व्यापार बोर्ड' (बीओटी) की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार निर्यात की वृद्धि दर तेज करने के उपायों को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक चुनौतियों और अनिश्चितताओं के वर्तमान समय में भी भारतीय अर्थव्यवस्था अपना सशक्त प्रदर्शन बनाये हुए है। वाणिज्य मंत्री ने निर्यातक समुदाय से माल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा कि हर तरह के माल के एक एक भरोसेमंद स्रोत के रूप में भारत की छवि के लिए गुणवत्ता का विशेष महत्व है। उन्होंने राज्यों से इस क्षेत्र में सफलता की अपनी अच्छी कहानियों और पद्धतियों को एक दूसरे से साझा करने का भी आग्रह किया ताकि दूसरों को भी अपनी विनिर्माण प्रक्रिया में सुधार करने में उन अनुभवों का लाभ मिल सके। व्यापार बोर्ड का गठन 2019 में किया गया था। इसके लिए उससे पहले व्यापार विकास एवं संवर्धन परिषद का बोर्ड में विलय कर दिया गया था। यह बोर्ड आज विदेश व्यापार क्षेत्र के संबंध में शीर्ष परामर्शदात्री निकाय की भूमिका निभा रहा है।

डाटा सेंटर ऑपरेशन में दो साल रहेगी जबरदस्त तेजी: क्रिसिल

नई दिल्ली। बाजार अध्ययन एवं साख निर्धारक एजेंसी क्रिसिल रेटिंग्स ने मार्च 2028 तक डाटा सेंटर ऑपरेशन में सालाना 20-22 प्रतिशत राजस्व बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया है। क्रिसिल रेटिंग्स ने जारी रिपोर्ट में कहा कि देश में डाटा सेंटरों की कुल क्षमता मार्च 2028 तक दोगुनी होकर 2.3-2.5 गीगावाट तक पहुंचने की संभावना है। साथ ही, डाटा सेंटर ऑपरेटरों का राजस्व बढ़कर वित्त वर्ष 2027-28 में 20 हजार करोड़ रुपये सालाना तक पहुंच जायेगी। यह रिपोर्ट परिचालन में मौजूद डाटा सेंटरों की 75-80 प्रतिशत क्षमता वाले ऑपरेटरों के कारोबार के अध्ययन पर आधारित है। इसमें कहा गया है कि डाटा सेंटरों में वृद्धि के तीन प्रमुख कारण होंगे। पहला, तेजी से हो रहे डिजिटल परिवर्तन और पौद्योगिकी के आधुनिकीकरण के साथ कंपनियां सार्वजनिक क्लाउडों को अपना रही हैं। दूसरा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रौद्योगिकियों में निवेश से उच्च-घनत्व वाली कंप्यूटिंग अवसंरचनाओं की मांग बढ़ेगी। तीसरा, 5जी प्रौद्योगिकी के विस्तार के साथ वीडियो स्ट्रीमिंग और गेमिंग जैसे तेज डाटा वाले ऐप की मांग बढ़ेगी। क्रिसिल रेटिंग्स के निदेशक आनंद कुलकर्णी ने कहा कि अगले दो वित्त वर्ष में (मार्च 2026 से मार्च 2028 तक) 1.1 से 1.13 गीगावाट तक डाटा सेंटर क्षमता जुड़ेगी।

नये अवतार में लांच की गयी टाटा सिएरा

मुंबई। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने टाटा सिएरा को नये अवतार में भारतीय बाजार में एक बार फिर पेश किया है। कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि नये जमाने के लिए नये सिरे से बनायी गयी सिएरा ने अपनी पुरानी शानदार विरासत और खास पहचान को बरकरार रखा है और आधुनिकता को भी अपनाया है। सिएरा पहली बार 1991 में लॉन्च की गयी थी। नये अवतार में टाटा सिएरा की कीमत 11.49 लाख रुपये से शुरू होती है। इसमें 1.5 लीटर का टीजीडीआई हाइप्रियन पेट्रोल इंजन है। इसे चार वेरिएंट स्मार्ट, प्योर, एडवेंचर और एकंप्लिश्ड में लॉन्च किया गया है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलेश चंद्रा ने लॉन्चिंग के मौके पर कहा, 'नयी सिएरा के साथ हम भारतीय मोबिलिटी के लिए एक नया मापदंड स्थापित कर रहे हैं। टाटा सिएरा यह साबित करती है कि ग्राहक अब साधारण से कहीं अधिक की अपेक्षा रखते हैं - उन्हें ऐसा नवाचार चाहिये जो प्रेरित करे, ऐसा डिजाइन चाहिये जो दिल से जुड़ जाये, और ऐसा प्रीमियम अनुभव चाहिये जो हर सफर को एक नये स्तर पर ले जाये।' उन्होंने कहा कि नयी सिएरा आराम, अत्याधुनिक तकनीक और सुरक्षा के सर्वोच्च मानकों का मेल है।

चावल, चीनी में टिकाव; गेहूं नरम; दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। दिल्ली थोक जिंस बाजारों में चावल के भाव स्थिर रहे। चीनी में भी टिकाव रहा। आवक बढ़ने से गेहूं में नरमी देखी गयी। दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 3,854.80 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही। गेहूं तीन रुपये सस्ता हुआ और 2,855.62 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत पांच रुपये बढ़ गयी। दालों में घट-बढ़ रही। उड़द दाल की औसत कीमत सात रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी। मूंग दाल भी 18 रुपये सस्ती हुई। चना दाल के भाव लगभग गत दिवस के स्तर पर ही रहे। मसूर दाल 11 रुपये और तुअर दाल नौ रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। विदेशों में बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का फरवरी वायदा 65 रिंगिट फिसलकर 3,990 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। अमेरिकी सोया तेल का जनवरी वायदा भी 0.67 प्रतिशत टूटकर 50.18 डॉलर बोला गया। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल औसतन नौ रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मूंगफली तेल की कीमत भी 19 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। सोया तेल के भाव 22 रुपये और सूरजमुखी तेल के 37 रुपये प्रति क्विंटल टूट गये।

सहजानंद मेडिकल टेक्नोलॉजीज को आईपीओ लाने के लिए सेबी ने दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। सहजानंद मेडिकल टेक्नोलॉजीज को अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी मिल गई है। मंजूरी मिलने के बाद अब इनका रोडशो और आगे का प्राइस बैंड तय करने की शुरुआत होगी।

कंपनी ने जारी बयान में बताया कि सेबी की वेबसाइट पर डाले गए दस्तावेजों में सोमवार को जानकारी दी गई है कि सहजानंद मेडिकल टेक्नोलॉजीज को सेबी से अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए फाइनल अप्रूवल मिल गया है। कंपनी ने 25 जुलाई, 2025 को सेबी के समक्ष

अपने आईपीओ के लिए पेपर्स दाखिल किए थे। हृदय रोग में इस्तेमाल होने वाले स्टेंट की विनिर्माता कंपनी सहजानंद मेडिकल टेक्नोलॉजीज का आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। इसके तहत शारदा ट्रस्ट, समारा कैपिटल, कोटक प्री-आईपीओ कोष और एनएचपीईए स्पार्कल होल्डिंग 2.76 करोड़ शेयर बेचेंगे। इनकी फेस वैल्यू 1 रुपये प्रति शेयर है। सहजानंद का निर्गम पूरी तरह ओएफएस आधारित होगा। सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइज़र्स लिमिटेड, एवेंडस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड, एचएसबीसी सिक्योरिटीज एंड कैपिटल मार्केट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड और नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं और एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू का रजिस्ट्रार है। कंपनी के शेयर का बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध किए जाने का प्रस्ताव है।

रुपया सात पैसे कमजोर

एजेंसी

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 6.75 पैसे कमजोर हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 89.2275 रुपये का बोला गया। भारतीय मुद्रा सोमवार को 50.50 पैसे की मजबूती के साथ 89.16 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपये की शुरुआत आज बढ़त के साथ हुई। यह 13.25 पैसे की तेजी में 89.0275 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और 89.02 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत

हुआ। इसके बाद इसमें गिरावट आ गयी और कारोबारी की समाप्ति तक यह 89.2275 रुपये प्रति डॉलर तक कमजोर हुआ।शेयर बाजार की गिरावट और विदेशी संस्थागत निवेशकों के घरेलू शेयर बाजारों से पैसा निकालने से रुपये पर दबाव रहा। हालांकि दुनिया की अन्य छह प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में 0.2 प्रतिशत की नरमी से भारतीय मुद्रा की गिरावट सीमित रही।

लाल निशान पर बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार, सेंसेक्स 314 और निफ्टी 75 अंक टूटा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। दोनों प्रमुख सूचकांक लाल निशान पर बंद हुए। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी के बीच आईटी और वाहन शेयरों में बिकवाली से सेंसेक्स 314 अंकों के नुकसान में रहा, जबकि निफ्टी में 75 अंकों की गिरावट आई। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बॉम?बे स्टॉक एक्सेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 313.70 अंक यानी 0.37 फीसदी टूटकर 84,587.01 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 363.98 अंक तक नीचे आ गया था। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 74.70 अंक यानी 0.29 फीसदी की गिरावट के साथ 25,884.80 के स्तर पर बंद हुआ है।

30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स के शेयरों में शामिल टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, ट्रेंट, इंफोसिस, पावर ग्रिड, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक एचडीएफसी बैंक और बजाज फाइनेंस

सबसे ज्यादा नुकसान में रहे। हालांकि, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टाटा स्टील, इटरनल, भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर फायदे में रहे।

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक लाल निशान पर बंद हुए थे। बीएसई का सेंसेक्स 331.21 अंक यानी 0.39 फीसदी टूटकर 84,900.71 के स?तर पर बंद हुआ था। एनएसई का निफ्टी भी 108.65 अंक यानी 0.42 फीसदी फिसलकर 25,959.50 के स्तर पर बंद हुआ था।

यूनिफाइड पेंशन स्कीम चुनने की आखिरी तारीख है 30 नवंबर : वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली।। केंद्र सरकार के योग्य एनपीएस कर्मचारियों और पहले रिटायर हो चुके लोगों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) का विकल्प चुनने की अंतिम तारीख 30 नवंबर है। पहले यह तारीख 30 सितंबर तय की गई थी, लेकिन दो महीने की अतिरिक्त राहत दी गई है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक अब जो कर्मचारी पुरानी एनपीएस को छोड़कर यूपीएस में आना चाहते हैं, उनके पास सिर्फ एक हफ्ता बचा ही है। अगर 30 नवंबर तक ऑप्शन नहीं चुना तो आप एनपीएस में ही रहेंगे। नोडल ऑफिस सभी रिक्वेस्ट को तय प्रोसेस के हिसाब से प्रोसेस करेंगे। यूपीएस के तहत मुख्य फायदों में स्विच ऑप्शन, टैक्स छूट, इस्तीफा और कम्पलसरी रिटायरमेंट बेनिफिट्स और भी बहुत कुछ शामिल हैं। एनपीएस के तहत सेंट्रल गवर्नमेंट के सभी एलिजिबल एम्प्लॉई और पहले रिटायर हो चुके लोगों से कहा गया है कि वे इन

बेनिफिट्स का फायदा उठाने के लिए अपनी यूपीएस रिक्वेस्ट समय पर जमा करें। उल्लेखनीय है कि यूपीएस चुनने के बाद कर्मचारियों को बाद में एनपीएस पर वापस जाने की सुविधा मिलती है, अगर वे चाहें तो इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। वित मंत्रालय ने इस साल जनवरी में एक अधिसूचना संख?या स्र. ह्रश. स्रङ्क-1/3/2024-PR डेट 24 जनवरी, 2025 के जरिए योग्य केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए यूपीएस को अधिसूचित किया था।

जन-विश्वास विधेयक के तीसरे संस्करण से छोटे कारोबारियों को होगा फायदा : पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि उनके मंत्रालय ने जन विश्वास विधेयक के तीसरे संस्करण के जरिए छोटे कारोबारी अपराधों को और अपराध-मुक्त करने के लिए काम शुरू कर दिया है। उन?होंने कहा कि केंद्र सरकार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को मजबूत करने और मजदूरों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय वाणिज?य एवं उद्योग मंत्री ने आज नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में कॉन?फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय ने पहले ही लगभग 275-300 ऐसे प्रावधानों की पहचान कर ली है, जिन्हें अपराध-मुक्त की श्रेणी में डाला जा सकता है। गोयल ने सुझाव दिया कि व्यापारी समुदाय और ज्यादा प्रावधान की पहचान करके मंत्रालय को उसकी जानकारी दे।

उन्होंने व्यापारियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए गुरु तेग बहादुर के

बलिदान को याद किया, जिनकी विरासत को लगभग 350 साल बाद याद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनके बताए आदर्शों पर चलने से देश को गर्व और सम्मान मिलेगा और देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। उन्होंने कहा कि जिस विज़न के साथ गुरु तेग बहादुर ने देश को एकजुट किया, उसे याद रखना भारत की तरक्की को रास्ता दिखाता रहेगा। श्रम संहिता लागू करने पर उन्होंने कहा कि इसमें श्रमिकों के अनुकूल उपाय हैं, जैसे सभी के लिए समय पर न्यूनतम वेतन और सामाजिक सुरक्षा को शामिल किया गया है। इनमें विभिन्न ई-कॉमर्स मंचों के लिए काम करने वाले अस्थायी कर्मी (गिग वर्कर) शामिल हैं। उन्होंने कहा कि श्रम संहिता से कारोबार सुगमता को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने व्यापारियों को स्वदेशी प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। गोयल ने कहा कि? सप्लायर्स को प्रोडक्ट पैकेजिंग पर मैन्युफैक्चरिंग की जगह साफ-साफ लिखनी चाहिए और सुझाव दिया कि दुकानें यह दिखा सकती हैं कि वे स्वदेशी सामान बेचते हैं। उन्होंने 'मेड इन इंडिया' प्रोडक्ट्स की मौजूदगी बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया।

जन विश्वास (प्रावधान में संशोधन) विधेयक को अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया, जिसे एक प्रवर समिति को भेजा गया था। इस कानून का पहला संस्करण 2023 में लागू किया गया था। इसमें 42 अधिनियमों के 183 प्रावधानों में संशोधन के जरिये छोटे अपराधों को अपराध-मुक्त किया गया था।

बजाज ने पेश किया नया ई-रिक्शा 'रिकी', रेंज 149 किमी

एजेंसी

नई दिल्ली। अग्रणी तिपहिया वाहन निर्माता बजाज ने बुधवार को अपना नया उत्पाद रिकी पेश किया जो एक बार पूरी तरह चार्ज होने पर 149 किलोमीटर चल सकती है। रिकी का ई-रिक्शा और ई-कार्ट दोनों पेश किया गया है। ई-रिक्शा की एक्स शोरूम कीमत 1,90,890 रुपये और ई- कार्ट की 2,00,876 रुपये होगी। इसकी बैट्री पौने चार घंटे में पूरी तरह चार्ज होती है। इसमें हाइड्रॉलिक ब्रेक और एलपीएफ बैट्री है। दोनों उत्पादों पर तीन साल/60,000 किलोमीटर की वारंटी दी गयी है।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना और चांदी के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। कीमत में आई इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,27,050 रुपये से लेकर 1,27,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,16,460 रुपये से लेकर 1,16,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,67,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,27,200 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,16,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,27,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना

1,16,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,27,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,16,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,27,050 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,16,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं, कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,27,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,16,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,27,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,16,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,27,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,16,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,27,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,16,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,27,200 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,16,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मजबूती दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,27,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,16,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

नोकिया ने रेलटेल के नेटवर्क को अपग्रेड करने का काम किया पूरा

एजेंसी

नई दिल्ली। दूरसंचार अवसंरचना क्षेत्र की कंपनी नोकिया ने रेलटेल के नेटवर्क को अपग्रेड करने का काम सफलतापूर्वक पूर्ण करने की घोषणा की। रेलवे के नेटवर्क के लिए संचार सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित रेलटेल कॉर्पोरेशन अब रिटेल उपभोक्ताओं को भी ब्रॉडबैंड सेवा प्रदान करती है। यह भारतीय रेल के अधीन है। नोकिया ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि उसने अपने अधिकृत साझेदारों के साथ मिलकर रेलटेल के डेंस वेबलेंथ-डिवीजन मल्टिप्लेक्सिंग (डीडब्ल्यूडीएम) प्रौद्योगिकी पर आधारित लंबी दूरी के राष्ट्रीय नेटवर्क को अपग्रेड करने का काम पूरा कर लिया है। नोकिया ने पूरे देश में रेलटेल के कैरियर-ग्रेड एनएटी और मेट्रो ऑप्टिकल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क की तैनाती की है। ये उच्च गति और बेहतर कनेक्टिविटी की बढ़ती मांग को पूरा करती हैं, जिससे परिचालन दक्षता बढ़ेगी और लागत कम होती है। अपग्रेड का काम रेलटेल के मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर और पहले से अप्रयुक्त चैनल स्पेक्ट्रम का पुनः उपयोग करके किया गया है। शहरों के बीच उच्च क्षमता वाली लैम्ब्डा ट्रांसमिशन और एक्सप्रेस ट्रैफ़िक लेन भी शुरू की गयी है, जिससे संपूर्ण नेटवर्क प्रदर्शन में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। नोकिया का 7750 सर्विस राउटर जो ब्रॉडबैंड नेटवर्क गेटवे और कैरियर-ग्रेड एनएटी की कार्यक्षमता से लैस है, रेलटेल के नेटवर्क को एंटरप्राइज़-ग्रेड उच्च गति ट्रैफ़िक और आंतरिक आईएसपी सेवाओं का कुशलतापूर्वक समर्थन करने में सक्षम बनाता है। यह एकीकृत नेटवर्क आर्किटेक्चर इंटरसिटी ट्रैफ़िक के लचीलेपन को बढ़ाता है। साथ ही रेलटेल की बढ़ती बैंडविड्थ आवश्यकताओं को भी पूरा करता है। रेलटेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संजय कुमार ने कहा, ' नोकिया की उन्नत तकनीकों को हमारे मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ एकीकृत करने के माध्यम से हम असाधारण दक्षता हासिल करने की स्थिति में हैं। ये सुधार हमें देश भर में अपने एंटरप्राइज़ और ब्रॉडबैंड ग्राहकों को बेहतर, तेज और अधिक विश्वसनीय सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाएंगे। '

देश की अर्थव्यवस्था में रफ्तार, फलों-सब्जियों का उत्पादन बढ़ेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में इस बार फलों और सब्जियों के उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। 2024-25 के बागवानी फसलों के क्षेत्रफल और उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान के

अनुसार, बागवानी फसल क्षेत्रफल में 4 लाख हेक्टेयर की वृद्धि अनुमानित है। यह कुल 294.88 लाख हेक्टेयर हो जाएगी। उत्पादन में 143.11 लाख टन वृद्धि अनुमानित है। यह पिछले साल के 35.47 करोड़ टन से बढ़कर 36.90 करोड़ टन अनुमानित है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, फल उत्पादन 5.12 फीसदी बढ़कर 11.87 करोड़ टन हो सकता है। इसमें केला, आम, तरबूज, कटहल, मंदारिन, पपीता, अमरूद जैसे फल हैं। सब्जियों का उत्पादन 4 फीसदी बढ़कर 21.56 करोड़ टन का अनुमान है। विशेषकर प्याज उत्पादन बढ़कर 307.89 लाख टन तक पहुंचने का अनुमान है। यानी 26.88 फीसदी की वृद्धि। आलू उत्पादन 1.85 फीसदी बढ़कर 581.08 लाख टन होगा।

छत्तीसगढ़ को मिले 6800 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव, उद्योग और पर्यटन को मिलेगा बूस्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ को अभूतपूर्व निवेश प्रस्ताव मिले। स्टील, ऊर्जा और पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियों ने राज्य में उद्योग स्थापित करने, क्षमता विस्तार, होटल निर्माण और वेस्ट-टू-एनर्जी प्रोजेक्ट के लिए रुचि दिखाई। कार्यक्रम में शामिल कंपनियों ने कुल 6321.25 करोड़ के औद्योगिक निवेश और 505 करोड़ का पर्यटन निवेश का प्रस्ताव दिया है। इन परियोजनाओं से आगामी वर्षों में 3,000 से अधिक रोजगार अवसर सृजित होने की उम्मीद है। इस निवेश प्रस्ताव के साथ अब तक छत्तीसगढ़ को कुल 7.90 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं।

दिल्ली स्थित होटल द ललित में आयोजित कार्यक्रम में स्टील और टूरिज़्म सेक्टर को केंद्र में रखते हुए नए निवेश अवसरों पर फोकस किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उद्योग जगत के प्रमुख निवेशकों, विशेषज्ञों और उद्योग प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की एवं स्टील और टूरिज़्म सेक्टर की कई कंपनियों को निवेश प्रस्ताव पत्र सौंपे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, भारत सरकार के केमिकल और उर्वरक मंत्रालय के सचिव अमित अग्रवाल, इस्पात मंत्रालय के सचिव संदीप पौंडरिक भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों को निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि, छत्तीसगढ़ आज देश के सबसे भरोसेमंद, स्थिर और तेज़ी से उभरते हुए औद्योगिक गंतव्यों में शामिल है। उन्होंने कहा कि राज्य में ऊर्जा, खनिज, सक्षम मानव संसाधन और निवेशक-हितैषी नीति का ऐसा संयोजन मौजूद है, जो किसी भी उद्योग के लिए अत्यंत उपयुक्त वातावरण तैयार करता है।उन्होंने बताया कि सिंगल विंडो सिस्टम के तहत अनुमतियाँ अब पहले की तुलना में अधिक तेज़ी और पारदर्शिता के साथ जारी हो रही हैं। छत्तीसगढ़ में उद्योग लगाना आज पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है। राज्य में कोयला, लौह अयस्क, बॉक्साइट, टिन, लिथियम जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की उपस्थिति बड़े औद्योगिक और विनिर्माण क्षेत्र के लिए वरदान है। उन्होंने कहा कि हाल ही में आयोजित 'एनर्जी समिट' में राज्य को साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और कई परियोजनाओं में कार्य प्रारंभ भी हो चुका है। मुख्यमंत्री साय ने स्टील सेक्टर का उल्लेख करते हुए कहा कि, छत्तीसगढ़ देश का स्टील हब है, जहां भिलाई स्टील प्लांट, नगरनार स्टील प्लांट और एमएसएमई आधारित स्टील इकाइयां राज्य की औद्योगिक पहचान को मजबूती प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा भिलाई स्टील प्लांट पिछले 70 वर्षों से देश की औद्योगिक प्रगति का स्तंभ रहा है और इसकी उपस्थिति ने स्टील आधारित उद्योगों का प्राकृतिक इकोसिस्टम तैयार किया है। ग्रीन स्टील और नवीकरणीय ऊर्जा पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य राज्य के लिए नए अवसर लेकर आया है और छत्तीसगढ़ इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। टूरिज़्म सेक्टर पर बात करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि, बस्तर आज बहुत बदल रहा है। नक्सल हिंसा में कमी आई है, सड़कें, इंटरनेट और सुरक्षा व्यवस्था बेहतर हुई है। उन्होंने कहा कि बस्तर अब निवेश और पर्यटन दोनों का नया केंद्र बन रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि 26 मार्च 2026 तक बस्तर पूरी तरह नक्सल-मुक्त हो जाए। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया है और राज्य सरकार होम-स्टे नीति, ट्राइबल टूरिज्म व सस्टेनेबल टूरिज्म पर फोकस कर रही है। इस अवसर पर सीएसआईडीसी के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, मुख्य सचिव विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, पर्यटन विभाग के सचिव रोहित यादव, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार, संचालक प्रभात मलिक, सीएसआईडीसी के महाप्रबंधक विश्वेश कुमार, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के संचालक विवेक आचार्य, इन्वेस्टमेंट कमिश्नर श्रीमती ऋतु सेन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पीस प्लान पर पुतिन के साथ चर्चा के लिए ट्रंप ने भेजे खास दूत, प्रस्तावित समझौते पर बातचीत को जेलेंस्की तैयार

एजेंसी

वाशिंगटन । रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्ति की कवायद तेज होती नजर आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 28 सूत्रीय समझौते को लेकर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ चर्चा के लिए अपने खास दूत को मास्को भेजा है। दूसरी ओर, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की भी पीस प्लान पर चर्चा के मूड में नजर आ रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा, 'इस पीस प्लान पर फैसला करने की उम्मीद में, मैंने अपने स्पेशल दूत स्टीव विटकॉफ को मॉस्को में राष्ट्रपति पुतिन से मिलने का आदेश दिया है। दूसरी ओर, उसी समय पर सेना के सचिव डैन ड्रिस्कॉल यूक्रेन के लोगों से मुलाकात करेंगे।' राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, '28 प्वाइंट के वास्तविक पीस प्लान को दोनों तरफ से अधिक इनपुट के साथ फाइनल किया गया है। इस प्लान को अमेरिका ने ड्राफ्ट किया है। असहमति के कुछ प्वाइंट ही बचे हुए हैं। ' अमेरिकी राष्ट्रपति ने ड्राफ्ट पर काम कर रहे लोगों की सरहना की और कहा कि उनकी टीम ने पिछले हफ्ते शानदार काम किया। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह जल्द ही पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मिलेंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि ये मुलाकात तभी होगी, जब पीस प्लान पर दोनों की मुहर लग जाए या फिर वह आखिरी चरण में हो।

इथियोपिया के ज्वालामुखी विस्फोट ने बढ़ाई टेंशन, भारत से चीन की ओर निकला राख का गुबार

नई दिल्ली। इथियोपिया का हेली गुब्बी ज्वालामुखी करीब 10-12 हजार साल बाद फिर से फटा है। ज्वालामुखी से निकली राख भारत होते हुए अब चीन की ओर बढ़ चुकी है। ज्वालामुखी की राख भारत की राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली तक देखने को मिली। इसका असर भारतीय एयरलाइंस सर्विस पर भी दिखा। वहीं अब ये ज्वालामुखी की राख चीन की टेंशन बढ़ाने वाली है। भारतीय मौसम विभाग की ओर से साझा जानकारी के अनुसार ज्वालामुखी से निकली राख का बादल इथियोपिया के लाल सागर से होते हुए यमन, ओमान, अरब सागर के ऊपर से पश्चिमी भारत से फिर उत्तर भारत तक पहुंचा। ताजा जानकारी के अनुसार अब ये राख का बादल भारत से निकलकर चीन की ओर बढ़ गया है। बता दें, यह ज्वालामुखी करीब 12 हजार सालों तक शांत रहने के बाद फटा है। ज्वालामुखी की राख आसमान में लगभग 14 किलोमीटर ऊपर तक उठी। हालांकि, भारतीय मौसम विभाग का कहना है कि इस राख के बादल से कोई खतरा नहीं है। हालांकि, राख के बादल के भारत में दस्तक देने के बाद देश में कई उड़ानों का रूट डायवर्ट कर दिया गया। कुछ उड़ानें रद्द भी की गईं।

ट्रंप ने टर्की पक्षियों को क्षमादान देने की राष्ट्रपति परंपरा का किया निर्वाह

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने थैंक्सगिविंग पर्व से पहले बुधवार को एक समारोह में 'गॉबल' और 'वाडल' टर्की पक्षियों को क्षमादान देने की परंपरा निर्वाह किया। राष्ट्रपति ने एक टर्की को संबोधित करते हुए हास्यबोध के साथ कहा, 'गॉबल, तुम्हें बिना शर्त क्षमादान दिया जाता है।' जिस पर उस पक्षी ने अपनी विशिष्ट 'गॉबल' ध्वनि से प्रतिक्रिया दी। उत्तरी कैरोलिना से लाये गये दोनों टर्की पक्षियों को व्हाइट हाउस में लाये जाने से पहले 'द विलार्ड इंटरकांटिनेंटल होटल' में ठहराया गया था। इस वार्षिक आयोजन में कुछ चुनिंदा टर्की पक्षियों को क्षमादान दिया जाता है और उन्हें छोड़ दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि थैंक्सगिविंग के अवसर टर्की पक्षियों को पका कर दावत में परोसा जाता है। यह प्रथा 1863 में अब्राहम लिंकन के समय से चली आ रही है, लेकिन जॉर्ज एच.डब्ल्यू. बुश के शासन काल में 1989 में इसे एक औपचारिक 'राष्ट्रपति क्षमादान' का रूप दिया गया। श्री ट्रम्प ने समारोह के दौरान अपने पूर्ववर्ती राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा दिये गये टर्की क्षमादानों की आलोचना करते हुए दावा किया कि वे एक अमान्य थे, क्योंकि स्वयं बाइडेन ने क्षमापत्र पर हस्ताक्षर नहीं किया था, बल्कि 'ऑटोपेन' से हस्ताक्षर किया गया था। उन्होंने घोषणा की कि पहले क्षमादान प्राप्त टर्की 'पीच' और 'ब्लॉसम' को वध होने से बचा लिया गया है। उन्होंने कहा, 'मेरे पास आधिकारिक कर्तव्य है कि मैं यह निर्धारित करूँ और मैंने निर्धारित किया है कि पिछले साल के टर्की क्षमादान पूरी तरह से अमान्य हैं।

ब्राज़ील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो को 27 साल की सज़ा काटने का आदेश

ब्रासीलिया। ब्राज़ील सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एलेक्ज़ैंडर डी मोसियस ने पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो और उनके छह करीबी सहयोगियों को तख्तापलट की कोशिश मामले में दोषी पाये जाने पर 27 साल की जेल की सजा काटने का आदेश दिया है। ग्लोबो अखबार ने यह जानकारी दी है। प्रकाशित रिपोर्ट में न्यायमूर्ति मोराएस के हवाले से कहा गया 'मैं जेयर बोल्सोनारो की सजा तुरंत शुरू करने का आदेश देता हूं। यह सजा 27 साल और तीन महीने की होगी, जिसमें 24 साल और नौ महीने पूर्ण रूप से बंद जेल में तथा शेष दो साल और छह महीने अर्ध-हिरासत में काटने होंगे। ' रिपोर्ट के अनुसार, मुकदमा वर्चुअल तरीके से चला और न्यायमूर्ति मोराएस ने घोषणा की कि यह अब अंतिम रूप से पूरा हो चुका है।

जकार्ता ने रेबीज संक्रमण को रोकने के लिए बिल्ली, कुत्ते और चमगादड़ के मांस पर लगाया प्रतिबंध

एजेंसी

जकार्ता। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता ने रेबीज के प्रसार को रोकने के लिए कुत्ते, बिल्ली और चमगादड़ के मांस की बिक्री और उपभोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह घोषणा शहर के गवर्नर प्रमोनों आनंद ने 25 नवंबर को की, जिसे पशु अधिकार कार्यकर्ताओं के लिए एक बड़ी जीत माना जा रहा है। गवर्नर प्रमोनों ने सोशल मीडिया पर कहा, 'मैंने ऐसा नियम हस्ताक्षरित कर दिया है जो भोजन के उद्देश्य से रेबीज फैलाने वाले जानवरों की बिक्री को प्रतिबंधित करता है।' यह कदम उस वादे के एक महीने बाद आया है जो उन्होंने पहले किया था।

नियम के अनुसार, 24 नवंबर से हस्ताक्षरित यह प्रतिबंध लागू होने से पहले छह महीने की मोहलत दी जाएगी। उल्लंघन करने वालों को लिखित चेतावनी से लेकर कारोबारी

लाइसेंस रद्द तक की कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। गवर्नर ने स्पष्ट किया कि प्रतिबंध जीवित जानवरों, उनके मांस या उनसे निर्मित किसी भी कच्चे या प्रसंस्कृत उत्पाद पर लागू होगा। इसके तहत ऐसे किसी भी कार्य पर रोक होगी जिसमें रेबीज फैलाने वाले जानवरों का भोजन के लिए उपयोग शामिल हो। इंडोनेशिया उन कुछ देशों में है जहां कुत्ते और बिल्ली के मांस की बिक्री की अनुमति है, लेकिन हाल के वर्षों में इसके खिलाफ अभियान तेज हुआ है और कुछ शहरों ने स्थानीय स्तर पर प्रतिबंध भी लगाए हैं। पशु अधिकार संगठन डॉग मीट फ्री इंडोनेशिया ने इस प्रतिबंध का स्वागत करते हुए कहा कि यह नीति 'संविधान के उस मकसद से मेल खाती है जिसके तहत सभी इंडोनेशियाई नागरिकों की रक्षा की जानी चाहिए और देश को न्यायपूर्ण और सभ्य बनाया जाना चाहिए। ' विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल इंडोनेशिया में कई लोग रेबीज से मरते हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से मार्च 2025 में 25 मौतें दर्ज की गईं।हालांकि मुस्लिम-बहुल इंडोनेशिया में कुत्तों को सामान्यतः अशुद्ध माना जाता है और पालतू के रूप में कम रखा जाता है, फिर भी कुछ समूहों में उनका मांस प्रचलित है। इसके अलावा, कुत्ते का मांस कई अन्य एशियाई देशों में भी सस्ते प्रोटीन स्रोत के रूप में खाया जाता है।

ज्वालामुखी विस्फोट के चलते कतर एयरलाइंस के दो विमानों को काठमांडू में रोका गया

एजेंसी

काठमांडू। इथियोपिया के अफार क्षेत्र में ज्वालामुखी के विस्फोट के कारण हवाई मार्ग प्रभावित होने पर नेपाल से कतर के लिए उड़ान भरने वाली कतर एयरलाइंस के विमान आज त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल पर ही रोक दिए गए हैं। विमानस्थल के महाप्रबंधक हंसराज पाण्डेय ने बताया कि कतर एयरलाइंस के दो विमान, जिनकी उड़ान समय-सारिणी क्रमशः रात 10 बजे और 11 बजे निर्धारित थी, ज्वालामुखी विस्फोट से उत्पन्न धुएं के कारण उड़ान नहीं भर सके और त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल पर ही रोके गए हैं।

उन्होंने कहा, 'ज्वालामुखी विस्फोट से उत्पन्न धुएं के कारण कतर एयरलाइंस के दोनों विमान उड़ान नहीं भर पाए हैं। फिलहाल वे नेपाल में ही रोके गए हैं। रात 2 बजे तक उड़ान संचालन संभव होने की सूचना प्राप्त हुई है। ज्वालामुखी के प्रभाव का अन्य हवाई उडानों पर कोई असर नहीं पड़ा है। ' इसके साथ ही महाप्रबंधक पाण्डेय ने यह भी बताया कि उक्त ज्वालामुखी विस्फोट के कारण कोरियन एयरलाइंस का विमान भी आज नेपाल के लिए उड़ान नहीं भर सका और अब उसके बुधवार शाम को नेपाल आने का समय निर्धारित किया गया है। कतर एयरलाइंस की काठमांडू-दोहा एवं दोहा-काठमांडू उड़ान तालिका प्रभावित होने से सैकड़ों यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में अनेक यात्री त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल के प्रतीक्षालय में मौजूद हैं।

श्रीलंका में अगली सूचना तक बंगाल की खाड़ी में मछली पकड़ने की सभी तरह की गतिविधि पर प्रतिबंध

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के मत्स्य पालन और जलीय संसाधन विभाग ने आज कुछ देर पहले खराब मौसम की वजह से अगली सूचना तक बंगाल की खाड़ी में मछली पकड़ने की सभी तरह की गतिविधि पर प्रतिबंध लगा दिया। विभाग ने घोषणा की कि यह प्रतिबंध अगली सूचना तक प्रभावी होंगे। मत्स्य पालन और जलीय संसाधन विभाग ने प्रतिबंध घोषणा में सलाह भी जारी की है। डेली न्यूज अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, विभाग ने समुद्र में मौजूद सभी मछली पकड़ने वाले जहाजों को तत्काल सुरक्षित लौटने की सलाह दी है। मछुआरों और समुद्री ऑपरेटरों को मौसम एवं विज्ञान विभाग के अपडेट और रेडियो सलाह पर करीब से नजर रखने को कहा गया है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि 25 नवंबर की आधी रात से श्रीलंका के दक्षिण में बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में एक कम

दबाव वाले क्षेत्र पर नजर रखी जा रही है। कोलंबो के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान विभाग ने संकेत दिया है कि यह कम दबाव वाला क्षेत्र अगले 30 घंटों में डिप्रेशन में बदल सकता है। ऐसा होने पर खतरनाक स्थिति उत्पन्न होने की आशंका है। सनद रहे, कम दबाव वाले क्षेत्र में बनने वाले डिप्रेशन को चक्रवात कहते हैं। चक्रवात के समय अचानक हवा ऊपर उठती है, जिससे बादल बनते हैं और मौसम तेजी से बिगड़ जाता है। तेज हवा के साथ भारी बरसात शुरू हो जाती है। हवा की अधिकतम गति 31 से 61 किलोमीटर प्रति घंटा हो सकती है।

बांग्लादेश में खंगाले गए शेख हसीना के बैंक लॉकर, 9.704 किलोग्राम स्वर्ण आभूषण मिले

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 के अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा का फैसला सुनाने के बाद अंतरिम सरकार ने उनकी चल-अचल संपत्ति को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू की है। नेशनल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के सेंट्रल इंटेलिजेंस सेल ने मोतीझील में अग्रणी बैंक की प्रमुख शाखा में शेख हसीना के नाम पर पंजीकृत दो लॉकर्स से 832.51 भोरी सोने (9.704 किलोग्राम) के गहने बरामद किए हैं। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के सेंट्रल इंटेलिजेंस सेल के अधिकारियों ने सोमवार को यह कार्रवाई की। इसके विवरण में बताया गया कि अधिकारियों ने नियमानुसार लॉकर नंबर 751 और 753 को खोला। इन लॉकर्स से स्वर्ण आभूषणों के अलावा देश-विदेश से मिले अवॉर्ड और तोहफे भी बरामद हुए हैं। हसीना के नाम पर पंजीकृत एक और लॉकर सोमवार

को ही पुबाली बैंक में खोला गया। अधिकारियों ने कहा कि वहां कोई संपत्ति नहीं मिली। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में भोरी सोना मापने की पारंपरिक इकाई है। एक भोरी को लगभग 11.664 ग्राम के बराबर माना जाता है। यह इकाई भारत और नेपाल जैसे अन्य दक्षिण एशियाई देशों में भी इस्तेमाल होती है। आभूषणों को बनाने और उनकी कीमत निर्धारित करने के लिए इस इकाई का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है।

रामकलेवा के साथ सीता-राम विवाह पंचमी महोत्सव का समापन

एजेंसी

काठमांडू। सप्ताह भर चलने वाले सीता-राम विवाह पंचमी महोत्सव के अंतिम दिन आज रामकलेवा आयोजन किया जा रहा है।परंपरा के अनुसार बाराती के रूप में आए साधु-संतों को 56 प्रकार के मिष्ठान्न एवं व्यंजनों का भोजन करा कर उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी जाती है, जिसे रामकलेवा कहा जाता है। भारत से आए अतिथियों की विदाई के उपरांत विवाह पंचमी महोत्सव औपचारिक रूप से सम्पन्न होगा।आज बालरूप में प्रतीकात्मक रूप से राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के साथ साधु-संतों को दान-दक्षिणा सहित विदाई देने के पश्चात महोत्सव का विधिवत समापन किया जाएगा। इससे पूर्व राम और सीता के वैवाहिक अनुष्ठानों के बाद रातभर जानकी मंदिर परिसर में विवाह समारोह चलता रहा। विवाह पंचमी के

मुख्य दिन जानकी मंदिर से माता सीता की डोली और राम मंदिर से भगवान राम की डोली निकालकर ऐतिहासिक रंगभूमि मैदान में पारंपरिक विधि के अनुसार परिक्रमा एवं स्वयंवर सम्पन्न कराया गया।

डोली शोभायात्रा के साथ लाखों श्रद्धालु जनकपुर नगर परिक्रमा में शामिल हुए। स्वयंवर के दौरान हेलिकॉप्टर से पुष्पवृष्टि भी की गई। इसके अतिरिक्त जानकी मंदिर और राम मंदिर में विराजित भगवान की मालाओं का एक-दूसरे में अदला-बदली कर नगर परिक्रमा की गई, जिसमें भी भारी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रही। सप्ताहव्यापी विवाह पंचमी महोत्सव क्रमशः-पहले दिन नगरदर्शन, दूसरे दिन फूलबारी लीला, तीसरे दिन धनुष यज्ञ, चौथे दिन तिलकोत्सव, पांचवें दिन मटकोर और छठे दिन विवाह पंचमी के रूप में समारोहपूर्वक मनाया गया। त्रेता युग में मंसिर शुक्ल पंचमी तिथि पर भगवान श्रीराम और माता सीता के दिव्य विवाह की स्मृति में जनकपुरधाम में यह भव्य महोत्सव प्रतिवर्ष श्रद्धा एवं उत्साह के साथ आयोजित किया जाता है।

वाइट हाउस ने कहा- शांति समझौते के लिए अमेरिका, रूस और यूक्रेन के बीच और बातचीत जरूरी

एजेंसी

वाशिंगटन। यूक्रेन-रूस युद्ध को समाप्त करने की दिशा में अमेरिका ने महत्वपूर्ण प्रगति का दावा किया है। व्हाइट हाउस का कहना है कि समझौते को अंतिम रूप देने के लिए तीनों देशों अमेरिका, रूस और यूक्रेन के बीच और बातचीत की आवश्यकता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'पिछले एक सप्ताह में संयुक्त राज्य अमेरिका ने यूक्रेन और रूस दोनों को वार्ता के लिए एक साथ लाकर शांति समझौते की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। कुछ बेहद संवेदनशील, लेकिन हल किए जा सकने वाले मुद्दे अभी बाकी हैं, जिन पर तीनों देशों के बीच आगे बातचीत की जरूरत होगी। '

लेविट का यह बयान उन दावों के अनुरूप है, जो अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने रविवार को जिनेवा में दिए थे। रुबियो ने कहा था, 'जो मुद्दे अब भी खुले हैं, वे असंभव नहीं हैं। हमें बस और समय चाहिए ताकि उन्हें सुलझाया जा सके। ' अमेरिका की ओर से यह संकेत ऐसे समय पर आया है जब यूक्रेन और रूस के प्रतिनिधि जिनेवा व अन्य स्थलों पर कई दौर की वार्ताओं में

शामिल रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि गतिरोध टूटने के करीब है, लेकिन अंतिम सहमति तक पहुंचने के लिए संयम और निरंतर कूटनीतिक प्रयास बेहद अहम होंगे। व्हाइट हाउस ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रयास जारी रहेंगे और अमेरिका इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि लंबे समय से जारी इस युद्ध को समाप्त करने का रास्ता निकाला जा सके।

चीन ने फिलिस्तीन के लोगों को अंतरराष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस की अग्रिम बधाई दी

एजेंसी

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने फिलिस्तीन के लोगों को अंतरराष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस (इंटरनेशनल सॉलिडैरिटी डे) की अग्रिम की बधाई दी। संयुक्त राष्ट्र में हर साल 29 नवंबर को फिलिस्तीन के नागरिकों के लिए अंतरराष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस मनाने की परंपरा है।

शी ने अपना बधाई संदेश संयुक्त राष्ट्र की बैठक के लिए भेजा है। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट में बताया गया है कि शी ने बधाई संदेश ने कहा कि फिलिस्तीन का मुद्दा मध्य पूर्व संकट के दिल में है। क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए फिलिस्तीन के मुद्दे को निष्पक्षता के साथ सुलझाने की जरूर है। उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा हालात में वैश्विक समुदाय को आम सहमति

बनानी चाहिए। गाजा में स्थायी संघर्ष विराम की जरूरत है। शी ने कहा कि वह फिलिस्तीन पर फिलिस्तीनी राज करें के सिद्धांत के समर्थक हैं। उन्होंने गाजा में मानवीय हालात को तेजी से सुधारने और फिलिस्तीनी लोगों की तकलीफ कम करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सबसे जरूरी बात यह है कि फिलिस्तीनी मुद्दे के जल्द राजनीतिक समाधान को बढ़ावा देने के लिए दो-राज्य समाधान की कोशिशों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि फिलिस्तीन के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य होने के नाते चीन सदैव फिलिस्तीनी लोगों की मांग का समर्थन करता रहेगा। सनद रहे 1978 से 29 नवंबर को फिलिस्तीनी लोगों के साथ अंतरराष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस मनाया जाता है।

यह परिषद उस प्रतिबद्धता की याद दिलाता है, जिसमें फिलिस्तीन के बंटवारे पर प्रस्ताव को हर साल मनाने की बात कही गई थी। इसे पार्टिशन प्लान या रेजोल्यूशन 181 के नाम से जाना जाता है। इसका मकसद एक अरब देश और एक यहूदी देश बनाना था। इसे 29 नवंबर 1947 को अपनाया गया।

नेपाल में अध्ययन वीजा दुरुपयोग पर कड़ी निगरानी, शैक्षणिक संस्थानों को सतर्क रहने का निर्देश

एजेंसी

काठमांडू। अध्ययन वीजा पर नेपाल आए विदेशी नागरिकों पर आव्रजन विभाग ने विशेष निगरानी शुरू कर दी है। वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी नेपाल में रह रहे विदेशी नागरिकों पर निगरानी के लिए शैक्षणिक संस्थानों को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। आव्रजन विभाग के निदेशक एवं सूचना अधिकारी टिकाराम ढकाल के अनुसार अध्ययन वीजा प्राप्त कुछ विदेशी नागरिक नियमित कक्षाओं में उपस्थित नहीं होते और वीजा अवधि बढ़ाने के लिए जाली दस्तावेज प्रस्तुत करते हैं। साथ ही कोर्स पूर्ण होने पर प्रमाणपत्र भी उपलब्ध नहीं कराते। अध्ययन वीजा पर नेपाल आये कुछ विदेशी नागरिक निषिद्ध गतिविधियों में संलग्न पाए गए हैं, जबकि ऐसे लोगों के लिए शैक्षणिक संस्थाओं ने

अध्ययन वीजा की अनुशंसा की थी। आव्रजन विभाग ने एक सूचना जारी कर शैक्षणिक संस्थाओं को निर्देश दिया है कि वे ऐसे व्यक्तियों के लिए अध्ययन वीजा की अनुशंसा न करें। आव्रजन विभाग ने शैक्षणिक संस्थानों से गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल पाए जाने पर पुलिस और स्थानीय निकायों को जानकारी उपलब्ध कराने के लिए आग्रह किया है। साथ ही शिक्षा मंत्रालय से विदेशी नागरिकों को शिक्षा देने वाले सभी शैक्षणिक संस्थानों की निगरानी करने तथा 77 जिलों की निगरानी समितियों को विदेशी नागरिकों की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाने का अनुरोध भी किया गया है।

यूक्रेन की सीमा से लगे रोमानिया के वायु क्षेत्र में दो अनधिकृत यूएवी प्रवेश की घटनाएं

एजेंसी

बुखारेस्ट। रोमानिया के रक्षा मंत्रालय ने सुबह डेन्यूब नदी से लगती यूक्रेन की सीमा के पास देश के वायुक्षेत्र का उल्लंघन करने वाले मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) की दो घटनाओं की सूचना दी है। साथ ही, स्थिति की निगरानी के लिए चार 'यूरोफाइटर टाइफून' और एफ-16 लड़ाकू विमानों को रवाना किया है। बयान में कहा गया है, 'रक्षा मंत्रालय के रडार ने 25 नवंबर की सुबह तुलसिया काउंटी के पास रोमानियाई वायुक्षेत्र की ओर बढ़ते एक लक्ष्य का पता लगाया। निगरानी के लिए 06:28 (04:28 जीएमटी) पर मिहाइल कोगाल्निसियानु एयरबेस से दो यूरोफाइटर टाइफून विमानों को रवाना किया गया। 'मंत्रालय के अनुसार, ड्रोन ने यूक्रेनी शहर विल्कोव की दिशा से सीमा पार की और रोमानिया के पूर्व में चिलिया वेचे गांव के ऊपर से गुजरा। दूसरी घुसपैठ गालाती काउंटी के पास पता चली, जो रोमानिया के पूर्व में स्थित है। रोमानियाई सेना ने कहा कि निगरानी जारी है और वायुक्षेत्र सुरक्षा प्रक्रियाओं के अनुसार उपाय किए गए हैं।

बांग्लादेश में सांसद ट्यूलिप सिद्दीक पर मुकदमा, यूके के वकीलों ने बताया 'मनगढ़ंत और अनुचित'

एजेंसी

लंदन । बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के अलावा उनके परिजनों के खिलाफ भी कोर्ट में मामला दर्ज कराया गया है। इनमें बहन शेख रेहाना और उनकी बेटी ट्यूलिप सिद्दीक का नाम भी शामिल है। ट्यूलिप ब्रिटिश सांसद हैं इसलिए कुछ जाने माने ब्रिटिश वकीलों ने इसका विरोध किया है। उन्होंने इसे 'मनगढ़ंत और अनुचित' बताया है। यह बयान बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनकी बहन शेख रेहाना और रेहाना की बेटी ट्यूलिप सिद्दीक समेत 17 लोगों से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में फैसले से पहले आया है। खबर है कि ढाका की एक कोर्ट 1 दिसंबर को फैसला सुनाएगी। ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप पूर्व मंत्री भी रही हैं। बड़े ब्रिटिश अखबार, द गार्जियन ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि इस मसले को लेकर यूके में बांग्लादेश की उच्चायुक्त आबिदा इस्लाम को चिट्ठी लिखी गई। इसमें यूके के पूर्व पीएम बोरिस जॉनसन के समय जस्टिस सेक्रेटरी रहे रॉबर्ट बकलैंड केसी और पूर्व अटॉर्नी जनरल डोमिनिक ग्रीव भी शामिल हैं। इन सभी ने अपने खत में दलील दी कि सिद्दीक को ट्रायल के दौरान उनके मूलभूत अधिकारों से वंचित रखा गया। उनके खिलाफ आरोपों के बारे में जानकारी नहीं दी गई या फिर उन तक कानूनी मदद नहीं पहुंचाई गई।

खत में लिखा गया है, 'यह मुकदमा पूरी तरह से मनगढ़ंत और अनुचित है। '

वकीलों ने बांग्लादेश में मौजूदा आपराधिक कार्रवाई पर 'गहरी चिंता' जताई। ये सब कुछ ऐसे समय में कहा जा रहा है जब अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने वाले मुहम्मद यूनुस ने 'बांग्लादेश में कानून और न्याय के राज' का बार-बार दावा किया है। खत में बताया गया, 'क्योंकि वह यूके में रहती है और यूके की नागरिक है, इसलिए वह साफ तौर पर भगोड़ी नहीं हैं। वह संसद की चुनी हुई सदस्य हैं, जिनसे हाउस ऑफ कॉमन्स में संपर्क किया जा सकता है, और अगर उनके प्रत्यर्पण की मांग का आधार सही है तो उन्हें आरोपों का सामना करने के लिए बांग्लादेश भेजा जा सकता है। इस मामले में सिद्दीक को न उनके खिलाफ लगाए आरोपों के बारे में बताया गया और न ही सबूत पेश किए गए हैं, इतना ही नहीं उन्हें कानूनी मदद भी लेने नहीं दी गई। '

इसमें आगे कहा गया, 'बांग्लादेश में जिस वकील को उन्होंने अपना केस लड़ने के लिए रखा था उसे हाउस अरेस्ट कर लिया गया, और सिद्दीक को यह भी पता लगा कि वकील की बेटी को धमकाया गया था। ' वकीलों के अनुसार, ये घटनाक्रम यूनुस के सत्ता में आने के बाद से बांग्लादेश की कानूनी प्रक्रिया में दखलंदाजी और डराने-धमकाने की रिपोर्टों से मेल खाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि सत्ता में बैठे लोग सिद्दीक पर आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगातार लगा रहे हैं। उनके खिलाफ खूब मीडिया कवरेज हो रही है। वकीलों ने कहा, 'सभी हालात को देखते हुए, हमें लगता है कि सिद्दीक की गैर-मौजूदगी में ट्रायल गलत है। हम इसे लेकर फिक्रमंद हैं। हम चिंतित हैं कि उन्हें अपना बचाव करने का सही मौका नहीं मिला, या फिर यूं कहें कि उन्हें कोई मौका ही नहीं मिला और उनकी गैर-मौजूदगी में ही बेवजह ट्रायल चल रहा है जो अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नहीं है। '

उन्होंने बांग्लादेशी अधिकारियों से निष्पक्ष ट्रायल पक्का करने के लिए 'इन चिंताओं को दूर करने' की अपील की।

इस खत के बाद सिद्दीक ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा, 'मैं बांग्लादेश में क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम–जो अब मुझे दोषी ठहराने वाला है–की बुनियादी कमियों को सामने लाने के लिए जाने-माने वकीलों और कानूनविदों के इस क्रॉस-पार्टी ग्रुप की शुक्रगुजार हूं। '

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/26/2025 10:43 PM Page 2

चने की उन्नत खेती कैसे करें

हरीश कुमार रछोया,
मुकेश शर्मा

दलहनी फसलों में चना एक महत्वपूर्ण फसल है। भारत में उगाई जाने वाली दलहनी फसलों की कुल पैदावार का लगभग आधा हिस्सा चने से प्राप्त होता है। चने का मुख्य उपयोग दाल-बेसन व हरे चारे का उपयोग सब्जी के रूप में व मिठाईयां बनाने में प्रयुक्त होता है। चने के दानों में 21 प्रतिशत प्रोटीन, 62 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट, रेशा, वसा, कैल्शियम, लोहा तथा हरे चने में प्रचुर मात्रा में विटामिन सी' पाया जाता है। चना दुधारू पशुओं तथा विशेषकर घोड़ों को खिलाने के काम आता है। इस कारण इसकी दाल को घोड़ा-दाल भी कहते हैं। इसका भूसा नमकीन होने के कारण जानवरों के लिये बहुत ही स्वादिष्ट चारा होता है। चने की पत्तियों में मेलिक व ऑक्जेलिक अम्ल होने के कारण उनमें हल्की सी खटास होती है, जो पेट की बीमारियों तथा रक्त शुद्धिकरण में सहायक होती है। भारत में कुल उत्पादन का लगभग 90 प्रतिशत चना उतरप्रदेश, हरियाणा, मध्यप्रदेश, राजस्थान व महाराष्ट्र आदि राज्यों में पैदा होता है।

सिंचाई प्रबंधन- साधारणतया चने की खेती अधिकतर बारानी क्षेत्रों में की जाती है परन्तु जहं सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो वहां मिट्टी व वर्षा को ध्यान में रखते हुए पहली सिंचाई बुवाई के 40-45 दिन बाद एवं दूसरी सिंचाई फलियां बनते समय (60 दिन पर) करनी चाहिये । ध्यान रखे सिंचाई सदैव हल्की ही करें क्योंकि भारी सिंचाई से फसल पीली पड़ जाती है। ज्यादा सिंचाई करने से फसल की वानस्पतिक वृद्धि अधिक हो जाती है। पैदावार कम हो जाती है। यदि एक ही सिंचाई उपलब्ध हो तो 60-65 दिन पर ही सिंचाई करें। यदि खेत में जल्दी उखटा रोग लग जाये तो क्यारी बनाकर बुवाई के 20-25 दिन बाद हल्की सिंचाई करें। यदि रबी मौसम में मावट हो जाये तो चने में सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती है

चने में गजरी, कृष्णनील, चटरी-मटरी, सैंजी, हिरनखुनी, बलुआ, गोभी व प्याजी इत्यादि खरपतवार मुख्यत- पाये जाते हैं। प्रथम निराई-गुड़ाई व बुवाई के 30 से 35 दिन तथा आवश्यकता होने पर दूसरी निराई-गुड़ाई व बुवाई के लगभग 55 से 60 दिन बाद की जानी चाहिये। जहां खरपतवारों की अधिक मात्रा में निराई-गुड़ाई करना मुश्किल हो वहां पलेवा के बाद आधा किग्रा (सक्रिय अवयव) फ्लूक्लोरोलिन प्रति हेक्टेयर की दर से 650-750 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करने के तुरन्त बाद जुताई करके मिट्टी में मिला दें। तत्पश्चात चने की बुवाई करें।

पौधों की बढ़वार अधिक होने पर बुवाई के 30-40 दिन बाद पौधे के शीर्ष भाग को तोड़ देना चाहिये। ऐसा करने से पौधों में शाखाएं अधिक निकलती है व फूल भी अधिक आते हैं, फलियां भी प्रति पौधा अधिक आयेगी जिससे पैदावार अधिक होगी। नीपिंग कार्य फूल वाली अवस्था पर कभी भी नहीं करें।

अधिक उत्पादन हेतु सदैव अच्छी उन्नत किस्म के बीजों को ही बुवाई के लिये काम में लेना चाहिये। किस्मों का चुनाव करते समय यह ध्यान रखना आवश्यक है कि अधिक उत्पादन के साथ -साथ ये किस्में रोगों के प्रति प्रतिरोधी हो तथा उस क्षेत्र की जलवायु के लिये उपयुक्त हों ।

सी-235 - इस किस्म के दाने कत्थई कद मध्यम होता है। यह किस्म 140 से 160 दिन में पककर तैयार हो जाती है। उपज 12-20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है ।

आरएसजी 44 - सिंचित क्षेत्रों के लिये उपयुक्त यह किस्म 145-150 दिनों में पककर 20-25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की उपज देती है तथा दो फलियों वाली इस किस्म के दाने पीले होते हैं।

एच 208- यह किस्म मध्यम कद की किस्म है, जो लगभग 130 से 150 दिन में पककर तैयार हो जाती है । इसके दाने मध्यम आकार गहरे कत्थई रंग के फल बैंगनी रंग के होते हैं। इसकी उपज 16-20 क्विंटल प्रति हे. होती है। असिंचित स्थितियों में इसकी उपज 10-16 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है ।

जीएनजी 146 - पौधे मध्यम ऊंचे तथा अर्द्ध खड़े होते हैं। पौधों का रंग धूसर हरा तथा मध्यम आकार का होता है । फूल गुलाबी रंग के होते हैं। इसके 1000 दानों का भार लगभग 140 ग्राम होता है। यह किस्म 145-150 दिन में पककर तैयार हो जाती है। यह झुलसा रोग के प्रति काफी हद तक रोधी है। यह किस्म 24-26 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक पैदावार दे सकती है ।

जीएनजी 663 (वरदान) - यह किस्म 145-150 दिनों में पककर तैयार होती है तथा इसकी पैदावार 20-24 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है। इस किस्म के दाने भूरे गुलाबी रंग के तथा फूल बैंगनी गुलाबी रंग के होते हैं। इसके 1000 दानों का भार लगभग 150 ग्राम होता है। यह किस्म झुलसा रोग के प्रति काफी हद तक रोधी है।

आरएसजी 888 - यह किस्म 141 दिन में पककर तैयार हो जाती है तथा इसकी पैदावार 20-24 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह किस्म विल्ट के प्रति मध्यम प्रतिरोधक है ।

जीएनजी 1581 (गणगौर) - देशी चने की यह किस्म सामान्य बुवाई वाली सिंचित अनुमोदित की गई है, इसके पौधे अर्ध खड़े, मध्यम ऊंचाई वाले बहु द्वितीयक शाखित है। इसके 100 बीजों का भार 16 ग्राम है जो हल्के पीले रंग के होते है। इसके पकने की अवधि 151 दिन है। यह किस्म उखटा, जड़ गलन आदि प्रतिरोधक है।

आरएसजी 945 - चने की यह किस्म 125-130 दिनों में पक जाती है। देरी से बुवाई की स्थिति में बुवाई की जा सकती है औसत उपज 18-22 क्विंटल प्रति हे. है।

आरएसजी 963 - इस किस्म के फूल छोटे तथा बैंगनी रंग के होते हैं तथा बीज लालिमा लिये भूरे रंग के होते हैं। फसल 125-130 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। उपज 15-20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है।

चने की खेती सभी प्रकार की मृदाओं में की जा सकती है, परन्तु अच्छे जल निकास वाली हल्की दोमट मृदा इसके लिये उपयुक्त रहती है। मध्यम भारी गहरी अच्छे जल निकास वाली मृदा जिसमें लवणीयता तथा क्षारीयता नहीं हो, चने की खेती के लिये उपयुक्त है। मृदा पीएच मान 6.6-7.2 चने की खेती के लिये उपयुक्त होती है व अम्लीय एवं ऊसर मृदाएं चने की खेती के लिए अनुपयुक्त होती है।

बुवाई का समय अधिकतम पैदावार प्राप्त करने के लिये असिंचित व सिंचित क्षेत्र में चने की बुवाई करने का उचित समय क्रमश- अक्टूबर का प्रथम समय व द्वितीय पखवाड़ा है। जिन खेतों में उकटा का प्रकोप अधिक होता है वहां गहरी व देरी से बुवाई करना लाभदायक रहता है।

बीज दर देशी चने की बुवाई के लिये 70-80 किग्रा व बड़े बीज वाली काबुली किस्मों के लिये 80-90 किग्रा और देरी से बुवाई हेतु 90-100 किग्रा बीज प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करना चाहिये।

अधिकतम पैदावार के लिये चने की बुवाई हमेशा कतार में करनी चाहिये। देशी चने में कतार से कतार की दूरी 30 सेमी तथा काबुली में 30-45 सेमी रखना चाहिये। सिंचित क्षेत्र में 5-7 सेमी व बारानी क्षेत्रों में सरंक्षित नमी को देखते हुए 7-10 सेमी गहराई तक बुवाई की जा सकती है।

फसल के उगने की वृद्धि दर बीज के स्वास्थ्य, बीज की मृदा में गहराई, मृदा तापमान, भूमि की सतह की कठोरता एवं मृदा नमी पर निर्भर करती है। बुवाई ऐसी करनी चाहिये कि कम समय लग और रोगों से बचाया जा सके। बुवाई की गहराई को मृदा किस्म व नमी के अनुसार निश्चित कर सकते है। उथली एवं जल्दी बुवाई करने से उकठा रोग लगने की सम्भावना अधिक रहती है।

जड़ गलन व उखटा रोग की रोकथाम के लिये 2.5 ग्राम थाईरम या 2 ग्राम मैन्कोजेब या 2 ग्राम कार्बेन्डाजिम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। जिन क्षेत्रों में दीमक का प्रकोप अधिक होता है। वहां 100 किलो बीज को 600 मिली क्लोरोपायरीफॉस 20 ईसी से बीज को उपचारित करें। बीजों को सदैव राइजोबियम कल्चर से उपचारित करने के बाद ही बोना चाहिये इसके लिये एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में चने की बुवाई करने के लिये बीज में तीन पैकेट (600 ग्राम) राइजोबियम कल्चर से बीज उपचारित करना चाहिये। इन कल्चर मिलें बीजों को सुखाने के बाद बुवाई करें।

पोषक तत्व प्रंबधन चने की अच्छी पैदावार के लिये तीन वर्ष में कम से कम एक बार 8-10 टन अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर भूमि की तैयारी के समय अच्छी तरह बिखेर कर मिट्टी में मिलायें। चना एक दलहनी फसल होने के कारण अपनी जड़ों में सहजीवी सूक्ष्म बैक्टीरिया की सहायता से वायुमण्डल में उपस्थित नत्रजन को जड़ों में संग्रहित कर पौधों को आवश्यकतानुसार उपलब्ध कराते हैं। जिसमें भूमि की उर्वराशक्ति बढ़ती है। चने की फसल के लिये अधिक नत्रजन की आवश्यकता नहीं होती है। लेकिन बैक्टीरिया द्वारा वायुमण्डलीय नत्रजन का स्थिरीकरण बुवाई के अवस्था में पौधे की बढ़वार के लिये नत्रजन की आवश्यकता होती है। उर्वरकों की पूरी मात्रा बुवाई के समय बीज के नीचे द्मद्गह्द्ग ह्यद्ग डालना चाहिये।

दलहनी फसलों में गंधक देने से उपज के साथ-साथ गुणवता में सुधार होता है। गंधक की पूर्ति सिंगल सुपर फॉस्फेट के प्रयोग के द्वारा की जाती है। चने की फसल में 300 किग्रा प्रति हेक्टेयर जिप्सम का प्रयोग व जस्ते, तांबे एवं लोहे की कमी को दूर करने के लिये क्रमश- 10

अधिकतम पैदावार के लिये चने की बुवाई हमेशा कतार में करनी चाहिये। देशी चने में कतार से कतार की दूरी 30 सेमी तथा काबुली में 30-45 सेमी रखना चाहिये। सिंचित क्षेत्र में 5-7 सेमी व बारानी क्षेत्रों में सरंक्षित नमी को देखते हुए 7-10 सेमी गहराई तक बुवाई की जा सकती है। फसल के उगने की वृद्धि दर बीज के स्वास्थ्य, बीज की मृदा में गहराई, मृदा तापमान, भूमि की सतह की कठोरता एवं मृदा नमी पर निर्भर करती है। बुवाई ऐसी करनी चाहिये कि कम समय लग और रोगों से बचाया जा सके। बुवाई की गहराई को मृदा किस्म व नमी के अनुसार निश्चित कर सकते है। उथली एवं जल्दी बुवाई करने से उकठा रोग लगने की सम्भावना अधिक रहती है।

अमरूद के कीट-रोग

फल मक्खी- यह मक्खी बरसात के फलों को हानि पहुंचाती है। यह फल के अंदर अण्डे देती है जिनमें मेगट पैदा होकर गूदे को फल के अंदर खाते है।
नियंत्रण- ग्रसित फलों को नष्ट करें तथा 0.02 प्रतिशत डायजिनान या 0.05 प्रतिशत से 0.1 % मेलाथियान का छिड़काव करें।
मिलीबग- ये कीड़े नये प्रोहों पर चिपके रहते है तथा रस चूसते हैं, जिससे फूल पैदा नहीं होते है।
नियंत्रण- 1 भाग निकोटीन सल्फेट, 600 भाग पानी में घोलकर छिड़कें । तथा अधिक ग्रसित शाखाओं की काटछाट कर नष्ट कर दें व मेटासिस्टाक्स 0.05 प्रतिशत का छिड़काव करें।
छाल खाने वाली इल्ली- यह पौधे की शाखाओं में छेद बनाकर छिलका खाती है। प्रभावित प्रोहों पर काले जाले बन जाते हैं। इन जालों में कीड़ों का मल पदार्थ इकट्ठा होता है। ये इल्लियां इन्ही जालों के अंदर हानि पहुंचाती है।
नियंत्रण- छिद्रों में पेट्रोलियम या 40 प्रतिशत फार्मलीन डालें चाहिए या पेराडाइक्लोरोबेंजीन का चूर्ण छिद्रों में भरकर उनको चिकनी मिट्टी से बंद कर लें।
सूखा रोग- अमरुद उत्पादन में यह सबसे बड़ी समस्या है। इसमें शाखाओं ऊपर से सूखनी शुरू होती है तथा पूरी सूख जाती है तथा बाद में पूरा पौधा सूख जाता है। यह एक कवक द्वारा पैदा होता है। यह वर्षा ऋतु में सबसे अधिक देखा जाता है।
नियंत्रण- प्रभावित भागों को काटकर तुरंत नष्ट कर दें जिससे आसपास के पौधे में यह न फैल सके। पौधे के तनों पर बार्डो पेस्टिंग करें व रिडोमिल 0.2 प्रतिशत दवाई थाले में ड्रेंचिंग करें।
फलों का सड़ना- यह फायटोप्थोरा पेरासिटिका कवक द्वारा होता है। यह अधिक आर्द्रता के कारण पहले फलों पर पानी भरे धब्बे दिखाई पड़ते हैं तथा बाद में पूरे पर फैलकर उसे गला देते हैं।
नियंत्रण- 2-2-50 बोर्डोमिश्रण का छिड़काव करें या डाइथेन जेड 78 0.2 प्रतिशत का पौधों पर छिड़काव करें।
बोर्डेक्स मिश्रण (1%) कैसे बनाए ?
बोर्डेक्स मिश्रण (1%) बनाने के लिए आवश्यक सामान
कॉपर सलफेट (26.6%), बिना बुझा चुना (कैल्शियम ऑक्साइड), जूट बैग, मलमल कपड़े की छलनी या बारीक छलनी , मिट्टी/ प्लास्टिक / लकड़ी की टंकी एवं लकड़ी की छड़ी 7
1.कॉपर सलफेट- 10.0 किलो ग्राम
2.बिना बुझा चूना 5.0 किलो (घोल का पी. एच 7 (pH 7) करने के लिए आवश्यक है)
3.पानी 1000 लीटर
विधि पानी की आधी मात्रा में कॉपर सलफेट को रात भर भीगो के रखे (टाट की बोरी से मिश्रण को हिलाना कॉपर सलफेट को घुलने में सहायक होता है)7 चूने को भुझावे, शेष आधे पानी में मिलावे एवं बारीक छलनी से छाने दोनों घोल साथ साथ एक चलनी से एक टंकी / स्प्रे टैंक में डाले तथा इस दौरान लकड़ी की छड़ी से लगातार हिलाते रहे
बोर्डेक्स मिश्रण को जाँच करने की विधि
किसानो को इस बात का ध्यान रखना होगा की बोर्डेक्स मिश्रण में कॉपर की अधिकता नहीं होनी चाहिए क्योकि यह पौधो के लिए विषाक्त होती है इस की जाँच के लिए किसान लोहे की कील / चाकू को घोल में कुछ समय के लिए डुबोए किसान को यह ध्यान देना होगा की अगर कॉपर अधिक होगा तो कील / चाकू भूरे / लाल रंग का हो जाएगा कॉपर अधिक होने की स्थिति में किसान को घोल में चूना और अधिक मिलाना चाहिए

कृषि कार्य में उपयोगी आधुनिक विधियाँ

सी एम शर्मा

आधुनिक कृषि प्रणाली ने समूचे देश में अनाज के उत्पादन की वृद्धि में भारी योगदान दिया है। आधुनिक कृषि प्रणाली के प्रयोग से देश अनाज के उत्पादन में पर्याप्तता प्राप्त कर सकता है। कृषि कार्य में उपयोगी आधुनिक विधियाँ हैं- बेहतर बीजों का प्रयोग, उचित सिंचाई तथा रासायनिक खादों के प्रयोग से पौधों को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वों की आपूर्ति व कीटनाशकों के प्रयोग से पौधों को लगने वाली बीमारियों व कीटाणुओं का नियंत्रण। आधुनिक कृषि में ट्रैक्टर, कम्बाइन हार्वेस्टर व सिंचाई के लिये ट्यूबवेलों द्वारा आधुनिक जोताई (खेती) की विधियों का प्रयोग किया है। उच्च उत्पादकता वाले बीजों के माध्यम से खाद्य-उत्पादन में भारी वृद्धि को हरित क्रांति कहा गया है। आधुनिक कृषि का मुख्य उद्देश्य अच्छी

फसल के साथ-साथ वायु, जल, भूमि व मानवीय स्वास्थ्य का संरक्षण भी होना चाहिए।

'हरित क्रांति' शब्द का अर्थ है नए पौधों की किस्मों के विकास द्वारा उत्पादन को कई गुना बढ़ाने के उपाय। उच्च उत्पादन वाली varieties, HYVs) धान व गेहूँ की किस्में हरित क्रांति के मुख्य तत्व रहे हैं। मार्च 1968 में अमेरिकी अन्तरराष्ट्रीय विकास एजेंसी International Development, USAID) के संचालक विलियम गैंड ने पहली बार ''हरित क्रांति'' शब्दों का प्रयोग किया था। इस शब्द का प्रयोग नई तकनीकों द्वारा चावल, गैहूँ, मक्के और अन्य पौधों की कई गुना विकसित हुई उत्पादकता के संदर्भ में किया गया था। हालाँकि 'हरित क्रांति' नामक शब्दों का प्रयोग मुख्यत: गेहूँ और धान के संदर्भ में किया जाता है, परन्तु कुछ कृषि विशेषज्ञों ने मक्का, सोयाबीन व गन्ने जैसे उन अन्य

अनाजों को भी इस श्रेणी में शामिल किया है, जिनके उत्पादन में, नई

तकनीकों के प्रयोगों द्वारा, कई गुणा वृद्धि हुई है। जिनके द्वारा हरित क्रांति संभव हुई है, वे इस प्रकार है

- फसलों के उच्च उत्पादकता वाले पौधों का प्रवेशन । - बहु-कृषि (सम्मिलित रूप से पौधे उगाने की प्रक्रिया), बेहतर सिंचाई व

पर्याप्त मात्रा में खादों की आपूर्ति।

- बीमारियों व कीटाणुओं के विरुद्ध पौधों के संरक्षण

की विधियों का प्रयोग।

- वैज्ञानिक कृषि की तकनीकों का अनुसंधान व उनका खेतों से ग्रामीण कृषकोंतक स्थानान्तरण।

- खेतों से बाजार तक फसल के यातायात की बेहतर व्यवस्था करना।

आधुनिक तकनीकों के प्रयोग द्वारा पौधों (विशेषकर अनाज) के उत्पादन में

महत्त्वपूर्ण वृद्धि को हरित क्रांति नाम दिया गया है।

उदाहरण के लिये, जब एक मेक्सिकन गेहूँ की किस्म (ऊँची उत्पादकता एवं

अच्छी तरह सिंचाई किए हुए) का उतने ही अच्छे स्तर की भारत गेहूँ की किस्म

(रोग की प्रतिरोधक क्षमता एवं अच्छी गुणवत्ता वाला अनाज) से आधुनिक तकनीक द्वारा संकरण किया गया तब एक उच्च उत्पादकता वाले और बीमारी से लड़ने में सक्षम गेहूँ की किस्म की उत्पत्ति हुई। कुछ मुख्य 'क्रांतिकारी' किस्मों

के नाम हैं- 'कल्याण सोना', 'सोनालिका', और 'शर्बती सोनोरा' इत्यादि।

भारत में उच्च उत्पादन की किस्मों के प्रयोग का आरम्भ कृषि के क्षेत्र में विकसित देशों के मुकाबले, हमारी औसत राष्ट्रीय उत्पादकता की दर केवल 800 किलो प्रति हेक्टेयर के स्तर की ही थी, जो कि विकसित देशों की तुलना में बहुत कम थी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के प्राक्तन डायरेक्टर जनरल एम एस स्वामीनाथन ने पौधों की उत्पादकता के ठहराव व पौधों के उत्पादन की अस्थिरता का गहरा विश्लेषण किया तथा उन कारणों की तह तक पहुँचने की कोशिश की, जिनके कारणवश यह स्थिति विद्यमान थी। उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला कि उस समय प्रयोग में आने वाली लम्बी किस्मों की शारीरिक बनावट ही अधिक उत्पादन के मार्ग में एक बाधा सिद्ध हो रही थी। उन्होंने उक्त पौधों की किस्मों की उत्पत्ति की प्रक्रिया की ही जननिक कार्यशैलियों के पुन:निर्देशन पर जोर दिया।

सन 1970-80 के दशक के दौरान, गेहूँ की जननिक प्रक्रियाओं के माध्यम से नए

किस्म के बीजों वाले, उच्च उत्पादकता के छोटे आकार के गेहूँ की किस्मों का विकास किया गया। इसी दौरान कुछ महत्त्वपूर्ण किस्में, 'कल्याण सोना', 'शर्बती सोनारा', 'सोनालिका' जैसी ऊँची उत्पादकता की किस्मों का विकास हुआ जिन्होंने खादों और सिंचाई की ओर अच्छा रुख अपनाया। भारतीय जननिक वैज्ञानिकों के अनुरोध पर, सन 1963 में भारत सरकार ने मैक्सिको देश से प्रोफेसर नॉर्मन-ई-बोरलौग को आमंत्रित किया ताकि पौधों की बौनी (कम आकार) किस्मों के उत्पादन की संभावनाओं का वे भारत वर्ष में मूल्यांकन करें। भारत के कई क्षेत्रों का दौरा करने के पश्चात, उन्होंने भारत में मैक्सिकी उद्भव के ही छोटे आकार के गेहूँ की किस्मों को बोने का प्रस्ताव रखा। वे इस निष्कर्ष पर इस कारणवश पहुँचे क्योंकि मैक्सिको का मौसम व भूमि दोनों तुलनात्मक रूप से एक समान थीं। उनके सुझाव पर, लेरमा-राजो व सोनोरा-64 नामक दो किस्मों का चयन किया गया और उन्हें हमारे सींचे गए खेतों में बोने के लिये प्रयुक्त किया गया। इन किस्मों के प्रयोग से गेहूँ की उत्पादकता कई गुना बढ़ गयी और हमारे गेहूँ के निर्यात में क्रांति आ गई। डॉ. बोरलॉग, मैक्सिको सरकार तथा रॉकफेलर फाउंडेशन की सहकारी योजना के अन्तर्गत गेहूँ अनुसंधान व विकास कार्यक्रम के मुखिया के रूप में जुड़े। सन 1966 में उनकी गेहूँ के विकास की गुपचुप क्रांति ने संसार भर का ध्यान आकर्षित किया तथा मैक्सिको में ही अन्तरराष्ट्रीय गेहूँ व मक्के के विकास किया गया। सन 1970 में उन्हें 'हरित क्रांति' लाने के लिये नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी हरित क्रांति ने भारत की इतनी मदद की थी। डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन एक बेहतरीन उत्परिवर्तन जननिक वैज्ञानिक रहे हैं। इन्होंने सन 1967 में उगाने के लिये 'शर्बती सोनारा' नामक किस्म को निर्मित किया।

वर्मीकम्पोस्ट उपयोग करने की विधि

वर्मीकम्पोसट केंचुओं के माध्यम से एग्रोवेस्ट या कूड़ाकरकट को पौंधों की खुराक में बदलने का एक तरीका है। केंचुए (गण्डोए) इसको खाकर पचाकर जो निकालते हैं, उसी तत्व को वर्मीकम्पोस्ट कहते हैं। वर्मीकम्पोस्ट में पौधों को बड़े (मैक्रो) व छोटे (माइक्रो) पोशक तत्वों व पौधों को सुरक्षा प्रदान करने वाले एजेण्ट व बढ़ोश्ररी को प्रोत्साहन देने वाले तत्व भी काफी मात्रा में पाए जाते हैं। सभी किसान इस खाद को अपने ही खेतों में पैदा होने वाली घास-फूस, पश्रे, टहनियाँ, बचा-खुचा चारा, गोबर, इत्यादि प्रयोग करे बना सकते हैं।

वर्मीकम्पोस्ट के लाभ:

सभी प्रकार की फसलों की कटाई, छटाई से बचा हुआ षेश व घर का कूड़ा करकट आसानी से एक अच्छी खाद में बदला जा सकता है।

यह मिट्टी की बनावट (फिज़ीकल) व रसायनिक (कैमिकल) दषा में सुधार लाती है।

इसमें पानी को सोखने की अच्छी ताकत होती है। मिट्टी में नमीं बनी रहती है।

दानेदार होने के कारण यह कभी भी किसी भी समय फसल में उपयोग की जा सकती है।

इस खाद को तैयार करने में केवल 40 से 60 दिन ही लगते हैं।

वर्मीकम्पोस्ट दूसरी केमिकल खादों के मुकाबले में आधे से भी कम कीमत पर तैयार की जा सकती है।

देसी खाद के मुकाबले में इसे हमें एक चौथाई मात्रा में डालने से ही काम चल जाता है।

वर्मीकम्पोस्ट किसी भी फसल में प्रयोग की जा सकती है। इसको खेत को मिट्टी में डालकर आसानी से बिखेरा जा सकता है। इसे खेत की तैयारी के समय कुल मात्रा का आधा हिस्सा डालकर और फिर बाद में बची हुई मात्रा के दो हिस्से करके, एक पौध लगाने के बाद या दो पश्रे आने पर और दूसरी बार फूल आने पर बिखेरी जा सकती है।

वर्मीकम्पोस्ट की मात्रा

1. धान, गेहूँ, ज्वार, बाजरा, मक्का, दालें 1000 किलोग्राम एकड़

वर्मीकम्पोस्ट (केंचुओं की खाद) बनाने का तरीका:

वर्मीकम्पोस्ट बनाने के लिए एक विषेश प्रकार का गड्ढा तैयार कर उसपर षैड डालना चाहिए। यह गड्ढा ज़मीन से थोड़ी ऊँची सतह पर बनाना चाहिए ताकि बारिष का पानी इसमें भरने न पाए। यह गड्ढा 2-3 मीटर लम्बा, एक मीटर चौड़ा और एक मीटर गहरा होना चाहिए।

ड्डे की निचली तह में 15 सेंटीमीटर तक छोटे कंकर-पत्थर डालकर भरें।

दूसरी ऊपर की तह में 15 सेंटीमीटर रेत भरें।

तीसरी तह में 10 सेंटीमीटर खेत की मिट्टी भरें।

इस तीसरी त हके ऊपर 30 केंचुए प्रति मुरब्बा फुट के हिसाब से डालें।

इसके ऊपर फिर 5 सेंटीमीटर खेत की मिट्टी डालें।

इसके ऊपर 10 सेंटीमीटर धान का भूसा, लकड़ी का बूरा या हरी नर्म पश्रियाँ 40 प्रतिषत गाय के गोबर साथ मिलाकर डालें।

सबसे ऊपर की तह 40 सेंटीमीटर में हरी पश्रियाँ, सूखी पश्रियाँ, कूड़ा करकट (जोकि गलने सड़ने वाला हो) अण्डे के छिल्के आदि डालकर बोरी से ढक दें।

पानी का छिड़काव करके नमीं बनाए रखें।

तीस दिनों के बाद हरी पश्री या किसी भी प्रकार का बचा हुआ भूसा, चारा, रसोई का कूड़ा, भोजन पदार्थ आदि मिलकार डालें।

केंचुओं को बिना तंग किए, किसी लकड़ी के साथ पलटा दे ताकि गड्ढे में नीचे के पदार्थ ऊपर वाले केंचुओं के पास खाने के लिए पहुँच जाएं।

60-70 दिनों के बीच आपकी केंचुओं द्वारा बनाई गई खाद खेतों में प्रयोग करने के लिए तैयार हो जाएगी।